

विशेष रिपोर्ट

डिजिटल वेतन घोटाला



पोर्टल हैक कर

सरकारी खजाने पर डाका

शिक्षकों एवं पुलिसकर्मियों
की सैलरी होल्ड, नवादा
समेत कई जिलों में FIR



● मिथिलेश कुमार

बि

हार प्रशासनिक गलियारे में जो खबरें आई हैं वह राज्य सरकार के दो सबसे महत्वपूर्ण और संवेदनशील विभागों-शिक्षा विभाग और पुलिस महकमे में एक व्यापक 'वेतन निकासी घोटाले' का भंडाफोड़ हुआ है। भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (CAG) और महालेखाकार (AG) की ऑडिट रिपोर्ट ने इस घोटाले की परतों को खोला है। शुरुआती जांच रिपोर्ट के आधार पर वित्त विभाग के सचिव विनय कुमार ने सख्त रुख अपनाते हुए गृह विभाग और शिक्षा विभाग को कड़े दिशा-निर्देश जारी किए हैं। आदेश के मुताबिक, जब तक राज्य के सभी प्रभावित जिलों के कर्मचारियों के दस्तावेजों का 100% भौतिक सत्यापन नहीं हो जाता, तब तक किसी भी कर्मचारी का अक्टूबर महीने का वेतन जारी नहीं किया जाएगा। इस फ़ैसले से राज्य के 10 लाख 30 हजार से अधिक कर्मचारियों का वेतन अथर में लटक गया है, जिससे त्योहारी सीजन में ईमानदारी से काम करने वाले कर्मियों में भी हड़कंप मच गया है।

🔗 **घोटाले का मॉडस ऑपरेन्डी: कैसे दिया गया अंजाम?** :- यह घोटाला कोई साधारण कैश गबन नहीं है, बल्कि यह बिहार सरकार के सेंट्रलाइज्ड डिजिटल सिस्टम में की गई एक सोची-समझी डिजिटल संधमारी है। ऑडिट रिपोर्ट और विभागीय पत्राचार के अनुसार, इस महा-घोटाले को निम्नलिखित तरीकों से अंजाम दिया गया :-

🔗 **डेटाबेस में अवैध प्रविष्टि** :- कर्मियों के वेतन और सेवा इतिहास के प्रबंधन के लिए राज्य

सरकार HRMS (Human Resource Management System) और CFMS (Comprehensive Financial Management System) पोर्टल का उपयोग करती है। घोटालेबाजों ने विभागीय आईडी-पासवर्ड का दुरुपयोग कर या बैकएंड से छेड़छाड़ कर कर्मियों की नियुक्ति और डेटा फीडिंग के समय ही उनकी वास्तविक तय सैलरी से दो से तीन गुना अधिक राशि पोर्टल पर दर्ज कर दी।

🔗 **फर्जी मकान किराया भत्ता का खेल** :- कई जिलों में पुलिसकर्मियों और शिक्षकों को नियमों के विरुद्ध जाकर अत्यधिक और फर्जी मकान किराया भत्ता ट्रांसफर किया गया।

🔗 **मेकर-चेकर-एप्रूवर का सिंडिकेट** :- किसी भी सरकारी बिल को पास करने के लिए तीन स्तरों की सुरक्षा होती है-बिल बनाने वाला, उसकी जांच करने वाला और उसे अंतिम रूप से पास करने वाला अधिकारी। इस घोटाले में इन

तीनों स्तरों पर तैनात कर्मचारियों और अधिकारियों की संलिप्तता और गहरी मिलीभगत पाई गई है, जिन्होंने जानबूझकर इन फर्जी बिलों को हरी झंडी दिखाई।

🔗 **दोहरा भुगतान और मृत/रिटायर्ड कर्मियों का दुरुपयोग** :- जांच टीम इस बात की भी आशंका जता रही है कि कतिपय मामलों में एक ही कर्मचारी को दो अलग-अलग खातों में दोहरा वेतन भेजा गया। वहीं, कुछ सेवानिवृत्त हो चुके या सेवा छोड़ चुके कर्मियों के सैलरी कोड का दुरुपयोग कर बाहरी अपराधियों को भुगतान किया गया।

🔗 **नवादा और सारण : जमीनी स्तर पर हुई एफआईआर और गिरफ्तारियां** :- इस घोटाले की आंच जैसे ही जिलों में पहुंची, विभागीय स्तर पर कानूनी मुकदमे और गिरफ्तारियां का दौर शुरू हो गया है। नवादा जिले में वेतन भुगतान में व्यापक स्तर पर विसंगतियां पाई गईं। कथित फर्जीवाड़े के सामने आते ही पटना से शिक्षा विभाग की एक उच्च स्तरीय विशेष जांच टीम (जिसका नेतृत्व सचिव धर्मेन्द्र कुमार और क्षेत्रीय शिक्षा उपनिदेशक संजय कुमार चौधरी कर रहे थे) नवादा पहुंची। टीम ने वहां के रिकॉर्ड्स की गहन जांच की। शुरुआती जांच के बाद, बिलिंग प्रक्रिया से सीधे जुड़े चेकर सतीश कुमार और मेकर रविंद्र कुमार विभाग के मुख्य रडार पर आ गए हैं। इन दोनों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई के साथ-साथ अपराधिक मुकदमा भी दर्ज कराई गयी है। वहीं सारण (छपरा) में अकाउंटेंट को जेल भेजा गया है। सारण जिले के नगर प्रखंड अंतर्गत बीआरसी खैरा में तैनात एक अकाउंटेंट-सह-डाटा एंट्री ऑपरेटर (राजीव कुमार) को शिक्षकों के वेतन बिलों में भारी हेरफेर और सरकारी राशि को अनधिकृत खातों में ट्रांसफर करने के पुख्ता सबूत मिलने के बाद



दीपक कुमार
डीईओ, नवादा

फर्जी वेतन/एरियर भुगतान में शिक्षा विभाग के स्थापना लिपिक सतीश कुमार रविन्द्र कुमार और शिक्षिका कुसुम कुमारी पर एफआईआर दर्ज

वेतन/एरियर भुगतान के मामले में नवादा जिला शिक्षा विभाग के स्थापना शाखा के लिपिक सतीश कुमार, विभाग के कर्मी रविन्द्र कुमार और शिक्षिका कुसुम कुमारी के खिलाफ नगर थाना में प्राथमिकी दर्ज करा दी गई है। नगर थानाध्यक्ष उमाशंकर सिंह ने FIR दर्ज होने की पुष्टि की है। BNS की विभिन्न धाराओं में नगर थाना कांड संख्या 1126/26 दर्ज किया गया है। बता दें कि शिक्षा विभाग के विशेष सचिव आईएसएस अधिकारी धर्मेन्द्र कुमार के नेतृत्व में जांच टीम नवादा पहुंची थी। सुबह 10 बजे से देर शाम तक अभिलेखों, वेतन भुगतान से जुड़े डेटा की बारीकी से पड़ताल की गई थी। टीम में मगध प्रमंडल के क्षेत्रीय शिक्षा उपनिदेशक संजय कुमार चौधरी सहित शिक्षा विभाग, वित्त विभाग के करीब एक दर्जन से अधिक अधिकारी, कर्मी इसमें शामिल थे। देर शाम तक चली जांच में रजौली प्रखंड के प्राथमिक विद्यालय बेलडीह की शिक्षिका कुसुम कुमारी को 10 लाख रुपये अधिक वेतन भुगतान का मामला सामने आया। जिन तीन लोगों का नाम FIR में शामिल किया गया है उसमें सतीश कुमार बतौर (चेकर), रविन्द्र कुमार (मेकर) की भूमिका का निर्वहन कर रहे थे। वहीं तीसरा नाम कुसुम कुमारी शिक्षिका हैं, जिनके खाते में राशि भेजी गई थी। कायदे से शिक्षिका को ज्यादा राशि खाते में आने के बाद विभाग को सूचित करना चाहिए था। अब मामले को लेकर शिक्षकों के

बीच तरह तरह चर्चाएं हो रही हैं। हालांकि FIR से स्थापना के डीपीओ बच गए हैं। वेतन का भुगतान उन्हीं के स्तर से होता है। डीपीओ को कार्रवाई से मुक्त रखा गया है। बता दें कि भागलपुर जिले में फर्जी शिक्षिका के नाम पर करीब 98.12 लाख रुपये वेतन भुगतान का मामला सामने आने के बाद



सतीश कुमार
स्थापना विशिष्ट
बड़ा बाबू

बिहार सरकार ने सरकारी कर्मचारियों और शिक्षकों के वेतन भुगतान की जांच के निर्देश दिए हैं। इसी कड़ी में मंगलवार को नवादा जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय की स्थापना शाखा में वेतन भुगतान से जुड़े डेटा की गहन जांच हुई। जांच अधिकारी 69 शिक्षकों के नाम की सूची लेकर पहुंचे थे, लेकिन जांच में सिर्फ एक शिक्षक के नाम पर ही फर्जी भुगतान की पुष्टि हुई। जांच टीम में शामिल तत्काल मगध संजय कुमार चौधरी ने सिर्फ इतना बताया कि 2025-26 के दौरान का यह मामला था। FIR की पूरी कॉपी सामने नहीं आने के कारण बहुत कुछ साफ होना बाकी है। विभाग अथवा पुलिस के कोई अधिकारी बहुत ज्यादा बोलने से बच रहे हैं। आलम ये कि जिला शिक्षा पदाधिकारी का मोबाइल ऑफ रहा। अगर सूत्रों की माने तो जांच का दायरा बढ़ने के बाद ऐसे कई मामलों का पर्दाफाश होने की संभावना हो सकती है। वर्तमान उपनिदेशक संजय कुमार चौधरी

नवादा में भी अपनी सेवा दे चुके हैं, अगर ऐसी घटनाओं की जांच सरकार पारदर्शिता के साथ करेगी तो इसके जद में कई आला अधिकारियों को इसके जद में आना तय है।

पुलिस ने गिरफ्तार कर सीधे जेल भेज दिया है। जांच के दौरान एक बेहद चौकाने वाला मामला प्रकाश में आया है, जहां शिक्षा विभाग में ही 'एप्रूवर' पद पर तैनात एक अधिकारी ने अपनी शिक्षिका पत्नी के साथ मिलकर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर लाखों रुपये की अवैध निकासी की। विभाग ने दोनों को चिन्हित कर उनके खिलाफ कठोर धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कराई और दोनों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

सबसे ज्यादा प्रभावित जिलों का भौगोलिक दायरा :- वित्त विभाग द्वारा जारी आधिकारिक पत्रों के अनुसार, इस घोटाले के तार बिहार के किसी एक क्षेत्र तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह पूरे राज्य में फैले हुए हैं :-

गृह (पुलिस) विभाग में सर्वाधिक प्रभावित जिले :- मुख्य रूप से पटना, गया और मुजफ्फरपुर में सिपाही, एएसआई और दारोगा स्तर के कर्मियों के वेतन बिलों में भारी विसंगतियां पाई गई हैं।

शिक्षा विभाग में जांच के दायरे में आए अन्य जिले :- नवादा और सारण के अलावा भागलपुर, औरंगाबाद, सुपौल, बांका और समस्तीपुर जिलों में भी बड़े पैमाने पर गलत और फर्जी भुगतान के मामले उजागर हुए हैं। इन सभी जिलों

में जिलाधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों को व्यक्तिगत रूप से फाइलों की जांच करने का जिम्मा सौंपा गया है।

साइबर फॉरेंसिक की एंट्री :- चूंकि यह घोटाला पूरी तरह से सॉफ्टवेयर और ऑनलाइन डेटाबेस आधारित है, इसलिए बिहार सरकार ने इस मामले को साधारण पुलिस जांच के भरोसे नहीं छोड़ा है। सरकार ने साइबर फॉरेंसिक एक्सपर्ट्स को इस जांच में शामिल किया है।



शिव कुमार वर्मा
स्थापना डीपीओ

एक्सपर्ट्स इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या CFMS और HRMS पोर्टल्स को किसी बाहरी नेटवर्क से हैक किया गया था या फिर विभागीय अधिकारियों ने अपने लॉगिन क्रेडेंशियल्स (यूजर आईडी और पासवर्ड) को अनाधिकृत वेंडर्स या आउटसोर्स डेटा ऑपरेटर्स के साथ साझा किया था। हर एक उस आईपी एड्रेस को ट्रैक किया जा रहा है, जिससे सैलरी बिलों में बदलाव किए गए थे।

सरकार का पक्ष : राजकोष का एक-एक पैसा वसूला जाएगा :- इस महा-घोटाले पर सरकार ने अपनी स्थिति पूरी तरह स्पष्ट कर दी है। बिहार के उप-मुख्यमंत्री सह वित्त मंत्री विजेंद्र प्रसाद यादव ने इस बड़ी कार्रवाई पर आधिकारिक बयान देते हुए कहा, 'सरकारी खजाने में जमा होने वाला पैसा जनता की गाढ़ी कमाई का है। इसका उपयोग केवल स्थापित नियमों और संवैधानिक सुरक्षा उपायों के तहत ही किया जा सकता है। एजी की ऑडिट रिपोर्ट में गंभीर विसंगतियां सामने आई थीं, जिसके आधार पर हमारी सरकार ने यह त्वरित और कड़ा फैसला लिया है। हम सरकारी धन का दुरुपयोग किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेंगे। जांच पूरी होने के बाद, जो भी सही और योग्य कर्मचारी पाए जाएंगे, उनका वेतन तुरंत

जारी कर दिया जाएगा। लेकिन जिन लोगों ने भी हेराफेरी की है, उनके खिलाफ अपराधिक मुकदमे चलाए जाएंगे और अवैध रूप से निकाली गई पूरी राशि की सूत-समेत वसूली की जाएगी।

🔗 **नीतिगत बदलाव और भविष्य की रणनीति :-** इस घोटाले ने बिहार सरकार के डिजिटल सिस्टम की कमजोरियों को उजागर कर दिया है। इसे देखते हुए वित्त विभाग ने भविष्य के लिए प्रणालीगत बदलाव लागू करने का निर्देश दिया है :-

🔗 **संविदा/आउटसोर्स कर्मियों पर पाबंदी :-** अब तक कई प्रखंडों और थानों में वेतन बिल बनाने का काम आउटसोर्सिंग या अनुबंध पर रखे गए डाटा एंट्री ऑपरेटरों के भरोसे छोड़ दिया जाता था। सरकार ने अब आदेश दिया है कि सैलरी बिल जनरेट करने, जांचने और पास करने की पूरी जिम्मेदारी केवल और केवल नियमित सरकारी अधिकारियों और कर्मियों की ही होगी।

🔗 **5 साल के रिकॉर्ड की स्कूटी :-** वित्त विभाग ने पिछले 5 वर्षों (पिछले पांच साल के वेतन रिकॉर्ड) के दौरान हुए सभी भुगतानों को दोबारा खंगालने का आदेश दिया है। इससे इस



संजय चौधरी
आर.डी.डी. गया

बात का पता चल सकेगा कि यह खेल कितने समय से चल रहा था और अब तक कुल कितने करोड़ रुपयों का गबन किया जा चुका है।

🔗 **बायोमेट्रिक और आधार लिंकेज :-** सभी 10.3 लाख कर्मियों के डेटा को उनके आधार और सर्विस बुक से दोबारा क्रॉस-वेरिफाई किया जा रहा है ताकि 'घोस्ट एम्प्लॉइज' (काल्पनिक

कर्मचारियों) को सिस्टम से हमेशा के लिए बाहर किया जा सके। बिहार का यह वेतन निकासी घोटाला प्रशासनिक लापरवाही और तकनीकी लूपहोल्स का एक घातक मिश्रण है। एक तरफ जहां सरकार की यह 'सर्जिक्स स्ट्राइक' भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की नीति को दर्शाती है, वहीं दूसरी तरफ जमीनी हकीकत यह भी है कि इस सामूहिक वेतन रोक के कारण लाखों निर्दोष शिक्षक और पुलिसकर्मी संकट में आ गए हैं। त्योहारों के इस मौसम में अचानक वेतन रुक जाने से कर्मचारियों के घरों का बजट बिगड़ गया है। शिक्षक संगठनों और पुलिस एसोसिएशनों ने सरकार से मांग की है कि जांच की प्रक्रिया को तेज किया जाए (जिसकी समय-सीमा कुछ मामलों में 22 अक्टूबर तक तय की गई है) ताकि निर्दोष और सही काम करने वाले कर्मचारियों को बिना वजह आर्थिक प्रताड़ना न झेलनी पड़े। आने वाले दिनों में इस मामले में कई और बड़े अधिकारियों पर गाज गिरना तय माना जा रहा है। पटना से लेकर नवादा और मुजफ्फरपुर तक फैली इस जांच की हर एक रिपोर्ट पर पूरे राज्य की निगाहें टिकी हुई हैं।

भागलपुर शिक्षा विभाग में 98 लाख रुपये का महाघोटाला

फर्जी शिक्षिका की आई.डी. बनाकर उड़ाई सरकारी राशि, मुख्य आरोपी ऑपरेटर गिरफ्तार, सूबे के 17 हजार शिक्षकों की जांच शुरू

ना हार के भागलपुर जिले से एक सनसनीखेज वित्तीय धोखाधड़ी का मामला सामने आया है, जिसने शिक्षा विभाग की सुरक्षा व्यवस्था और डिजिटल प्रणाली की पोल खोलकर रख दी है। विभाग के HRMS (Human Resource Management System) पोर्टल में संधमारी कर लगभग 98.12 लाख रुपये की सरकारी राशि का गबन कर लिया गया है। इस महाघोटाले के उजागर होने के बाद प्रशासनिक गलियारों में हड़कंप मच गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने मुख्य आरोपी संविदा कंप्यूटर ऑपरेटर अविनाश राज और अन्य संदिग्धों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर उन्हें हिरासत में ले लिया है। वहीं, बिहार सरकार ने कड़ा रुख अपनाते हुए राज्यभर के 17,338 शिक्षकों के बैंक खातों और सेवा इतिहास की गहन जांच के आदेश जारी कर दिए हैं।

🔗 **कैसे हुआ घोटाला: मास्टरमाइंड की इनसाइड स्टोरी :-** जांच टीम से मिली जानकारी के अनुसार, इस पूरे फर्जीवाड़े को बेहद शातिर तरीके से अंजाम दिया गया। घोटाले की नींव

अप्रैल 2025 में रखी गई थी। शिक्षा विभाग के स्थापना कार्यालय में तैनात संविदा कंप्यूटर ऑपरेटर अविनाश राज ने विभागीय पासवर्ड और आईडी का दुरुपयोग किया। उसने डिजिटल पोर्टल पर 'तनुश्री' नाम से एक पूरी तरह फर्जी शिक्षिका की प्रोफाइल (ID) बनाई। इस फर्जी शिक्षिका का डेटाबेस इस तरह तैयार किया गया जैसे वह जिले के किसी सरकारी स्कूल में कार्यरत हो। इसके बाद, असली खेल बैंक खातों की हेराफेरी में हुआ। कागजों पर बनाई गई शिक्षिका 'तनुश्री' की इस डिजिटल आईडी को हरियाणा के फरीदाबाद में स्थित 'तनुजा देवी' नामक महिला के एक निजी बैंक खाते से लिंक कर दिया गया। अप्रैल 2025 से लेकर अक्टूबर 2026 तक, हर महीने इस फर्जी आईडी के जरिए वेतन, भत्ते और अन्य मदों के नाम पर सरकारी खजाने से लाखों रुपये ट्रांसफर किए जाते रहे। डेढ़ साल से अधिक समय तक यह अवैध खेल बिना किसी की नजर में आए बदस्तूर चलता रहा और कुल गबन की राशि 98,12,450 रुपये (लगभग 98.12 लाख रुपये) तक पहुंच गई।

🔗 **ऑडिट और मिलान के दौरान फूटा**

भंडाफोड़ का घड़ा :- इस बड़े घोटाले का खुलासा तब हुआ जब विभाग के आंतरिक वित्तीय ऑडिट और बैंक खातों का मिलान किया जा रहा था। स्थापना शाखा के अधिकारियों ने पाया कि एक ही आईडी पर लगातार बड़ी रकम फरीदाबाद के एक बैंक खाते में भेजी जा रही है, जबकि भागलपुर जिले के किसी भी स्कूल के रजिस्टर में 'तनुश्री' नाम की कोई शिक्षिका भौतिक रूप से मौजूद ही नहीं है। शुरुआती संदेहास्पद लेनदेन दिखने के बाद डीपीओ (DPO) स्थापना शशि चंदन चौधरी ने मामले की आंतरिक जांच कराई। जैसे ही डिजिटल लॉग्स (Logins) की जांच की गई, यह साफ हो गया कि यह किसी बाहरी हैकर का काम नहीं, बल्कि विभाग के ही एक कर्मचारी की अंदरूनी मिलीभगत है। जांच की सुई सीधे कंप्यूटर ऑपरेटर अविनाश राज पर जाकर टिकी, जिसके डिजिटल सिग्नेचर और सिस्टम से इस डेटा को पोर्टल पर अपलोड किया गया था।

🔗 **मुख्य आरोपी हिरासत में, कड़ाई से पूछताछ जारी :-** मामला प्रकाश में आते ही डीपीओ शशि चंदन चौधरी के बयान पर स्थानीय

थाने में अविनाश राज, खाताधारक तनुजा देवी और अन्य अज्ञात विभागीय अधिकारियों के खिलाफ धोखाधड़ी, जालसाजी और आईटी एक्ट की गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज कराया गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी अविनाश राज को हिरासत में ले लिया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, शुरुआती पूछताछ में ऑपरेटर ने अपना गुनाह कबूल कर लिया है, लेकिन पुलिस को अंदेशा है कि यह खेल अकेले एक संविदा कर्मी का नहीं हो सकता। पुलिस इस बात की तपती कर रही है कि फरीदाबाद की खाताधारक महिला से ऑपरेटर का क्या संबंध है और इस गबन की गई राशि का कितना हिस्सा किन-किन बड़े अधिकारियों या बिचौलियों तक पहुंचा है। विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के डिजिटल टोकन और पासवर्ड ऑपरेटर के पास कैसे पहुंचे, इसकी भी बारीकी से जांच हो रही है।

☞ **राज्य सरकार एक्शन में : 17,338 शिक्षकों के रिकॉर्ड खंगालने के आदेश :-** भागलपुर के इस मामले ने पटना में बैठे शिक्षा विभाग के आला अधिकारियों के भी होश उड़ा दिए हैं। सरकार को डर है कि भागलपुर जैसा प्रयोग बिहार के अन्य जिलों में भी कुछ सिंडिकेट्स

द्वारा किया जा रहा हो सकता है। मुख्यमंत्री कार्यालय और शिक्षा मंत्री के निर्देश के बाद, विभाग ने पूरे राज्य में एक व्यापक 'क्लीन-अप ड्राइव' (स्वच्छता अभियान) शुरू कर दिया है। इसके तहत राज्यभर के संदिग्ध 17,338 शिक्षकों के वेतन और बैंक खातों की स्कूटनी करने का निर्देश दिया गया है। सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को आदेश दिया गया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में HRMS पोर्टल पर दर्ज हर एक शिक्षक की आईडी का भौतिक सत्यापन करें और यह सुनिश्चित करें कि कोई भी 'गोस्ट टीचर' (फर्जी शिक्षक) कागजों पर वेतन न उठा रहा हो।

☞ **विभागीय सुरक्षा और डिजिटल लूपहोल्स पर उठे सवाल :-** इस घोटाले ने सरकारी विभागों के डिजिटल सुरक्षा दावों पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। जानकारों का कहना है कि HRMS पोर्टल को इसलिए लागू किया गया था ताकि पारदर्शिता बनी रहे और भ्रष्टाचार पर लगाम लगे। लेकिन इस घटना ने साबित कर दिया कि यदि आंतरिक कर्मचारियों की नीयत खराब हो, तो डिजिटल सिस्टम को भी आसानी से चकमा दिया जा सकता है।

☞ **मेकर-चेकर व्यवस्था की नाकामी :-**

नियमानुसार, किसी भी डेटा प्रविष्टि (Data Entry) के बाद एक वरिष्ठ अधिकारी द्वारा उसे सत्यापित और स्वीकृत किया जाना अनिवार्य होता है। इस मामले में डेढ़ साल तक किसी भी अधिकारी ने यह जांचने की जहमत नहीं उठाई कि जो आईडी बनाई गई है, वह वैध है या नहीं।

☞ **पासवर्ड शेयरिंग की लापरवाही :-** कार्यालयों में अधिकारियों द्वारा अपने लॉगिन क्रेडेंशियल और डिजिटल सिग्नेचर (DSC) संविदा कर्मियों या ऑपरेटरों को सौंप दिए जाने की आम लापरवाही भी इस घोटाले की एक बड़ी वजह बनकर सामने आई है।

☞ **आगे क्या? :-** भागलपुर पुलिस की एक विशेष टीम अब बैंक खातों के फॉरेंसिक ऑडिट और पैसों के ट्रेल को खंगालने में जुट गई है। पुलिस की एक टीम को फरीदाबाद भी भेजा जा सकता है ताकि तनुजा देवी को गिरफ्तार कर इस नेटवर्क के अन्य कड़ियों का पर्दाफाश किया जा सके। जिला प्रशासन का कहना है कि दोषियों से पाई-पाई की वसूली की जाएगी और संविदा कर्मियों के साथ-साथ इसमें शामिल नियमित अधिकारियों पर भी बर्खास्तगी और जेल की कड़ी गाज गिरेगी। ●

क्षेत्रीय व्यंजनों की प्रदर्शनी का सफल आयोजन

● अमित कुमार सिंह/अनीता सिंह

गं

गा देवी महिला महाविद्यालय, कंकड़बाग, पटना में राष्ट्रीय पोषण माह 2026 के अवसर पर शनिवार, 26 सितम्बर को गृह

विज्ञान विभाग एवं न्यूट्रिशन क्लब द्वारा IQAC के तत्वावधान में "पारंपरिक खाद्य, स्वस्थ विकल्प-भारत की पोषण विविधता का उत्सव" विषय पर 'भारत के क्षेत्रीय व्यंजनों की प्रदर्शनी' का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम की आयोजक डॉ. विद्या, वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक एवं संयोजक, न्यूट्रिशन क्लब रहें। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. रोजी कुमारी द्वारा किया गया। दीप प्रज्वलन के पश्चात डॉ. विद्या ने प्राचार्या प्रो. (डॉ.) श्यामा रॉय को पौधा भेंट कर उनका स्वागत किया। प्राचार्या ने अपने संबोधन में पारंपरिक भारतीय भोजन के पोषण महत्व तथा स्वस्थ जीवनशैली में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। प्रदर्शनी में छात्राओं ने बिहार, बंगाल, पंजाब, राजस्थान, गुजरात, ओडिशा, झारखंड, महाराष्ट्र एवं पूर्वोत्तर भारत सहित विभिन्न राज्यों एवं क्षेत्रों

के पारंपरिक व्यंजनों के स्टॉल लगाए। छात्राओं ने पारंपरिक वेशभूषा में अपने-अपने क्षेत्रीय व्यंजनों की उत्पत्ति, प्रमुख सामग्री, पोषण संबंधी विशेषताओं एवं सांस्कृतिक महत्व की जानकारी प्रस्तुत की। प्रदर्शनी का मूल्यांकन

एवं प्रस्तुतीकरण के आधार पर किया गया।

❖ **पुरस्कार विजेता :-**

☞ प्रथम पुरस्कार : गुजराती स्टॉल-निशा राज, गृह विज्ञान, स्नातक सेमेस्टर-I

☞ द्वितीय पुरस्कार : बंगाल स्टॉल-आनंदिता राज, प्राणीशास्त्र, स्नातक सेमेस्टर-III

☞ तृतीय पुरस्कार : बिहारी व्यंजन एवं बिहारी पिठ्ठा स्टॉल-सोनी छाया, गृह विज्ञान, स्नातक सेमेस्टर-ट एवं सोनम कुमारी, गृह विज्ञान, स्नातक सेमेस्टर-I

☞ सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुतीकरण : निशा राज, गृह विज्ञान, स्नातक सेमेस्टर-I, गुजराती स्टॉल।

कार्यक्रम के अंत में विजेता एवं प्रतिभागी छात्राओं को प्रमाण-पत्र एवं पुरस्कार प्रदान किए गए। गृह विज्ञान विभाग की सेमेस्टर-VII की छात्रा नंदिनी कुमारी ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। सामूहिक छायाचित्र के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्रिन्सिपल डॉ. बिंधु बाला, शिक्षकगण एवं छात्राएँ

उपस्थित रहीं। प्रदर्शनी के माध्यम से पारंपरिक खाद्य विरासत के संरक्षण, पोषण जागरूकता तथा स्वस्थ खान-पान की आदतों को बढ़ावा देने का संदेश दिया गया। ●



निर्णायक मंडल द्वारा किया गया, जिसमें प्रो. (डॉ.) श्यामा रॉय, डॉ. बिमला चौधरी एवं डॉ. रचना जयसवाल शामिल रहीं। स्टॉलों का मूल्यांकन पोषण मूल्य, प्रामाणिकता, स्वच्छता, रचनात्मकता

संपतचक का बदलता स्वरूप

उपलब्धियाँ, चुनौतियाँ और भविष्य का विजन

पटना जिला अंतर्गत नगर परिषद संपतचक में हुए विकास कार्यों और विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर 'केवल सच' के विशेष प्रतिनिधि मुकेश कुमार ने नगर परिषद संपतचक के सभापति अमित कुमार से विशेष बातचीत की। इस साक्षात्कार में सभापति ने क्षेत्र में कराए गए विकास कार्यों, नागरिक सुविधाओं के विस्तार, सड़क, नाली, जलापूर्ति, स्वच्छता और प्रकाश व्यवस्था से जुड़े प्रयासों के साथ-साथ नगर परिषद की आगामी योजनाओं पर विस्तार से जानकारी दी। प्रस्तुत है विशेष प्रतिनिधि **मुकेश कुमार** द्वारा संपतचक नगर परिषद् के सभापति **अमित कुमार** से साक्षात्कार के प्रमुख अंश :-

❖ नगर परिषद बनने से पहले संपतचक क्षेत्र की स्थिति कैसी थी और नगर परिषद बनने के बाद अब तक सबसे बड़ा बदलाव आप किसे मानते हैं?

नगर परिषद बनने से पहले संपतचक क्षेत्र ग्राम पंचायतों के अंतर्गत आता था। बाद में संपतचक प्रखंड की चार पंचायतों को मिलाकर संपतचक नगर परिषद का गठन किया गया। नगर परिषद बनने के साथ ही इस क्षेत्र के विकास की दिशा में एक नई शुरुआत हुई। पटना शहर के नजदीक होने के कारण संपतचक में पिछले कुछ वर्षों में तेजी से शहरीकरण हुआ। बड़ी संख्या में नए लोग यहां आकर बसने लगे और तेजी से नए मकानों एवं मोहल्लों का निर्माण हुआ। इसके साथ ही जल निकासी, नाली-गली और आवागमन जैसी बुनियादी सुविधाएं बड़ी चुनौती बनकर सामने आईं। हमारे लिए सबसे बड़ी प्राथमिकता रही कि लोगों को बेहतर आवागमन की सुविधा मिले और जल निकासी की समस्या का स्थायी समाधान किया जा सके। इसी दिशा में नगर परिषद बनने के बाद लगातार काम किया गया है। अब तक सैकड़ों की संख्या में नाली और गली का निर्माण कराया जा चुका है। जो क्षेत्र पहले ग्राम पंचायत के रूप में था, वहां नगर परिषद बनने के बाद नए मोहल्लों का भी तेजी से विकास हुआ। पुराने ग्रामीण इलाकों में भी बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने का काम किया गया है। अगर सबसे बड़े बदलाव की बात करें तो मैं नाली-गली के निर्माण और जल निकासी की व्यवस्था में हुए सुधार को सबसे महत्वपूर्ण मानता हूँ। हमारे अनुसार, गांव से नगर परिषद में बदलने के बाद क्षेत्र के लगभग 90 प्रतिशत हिस्से में नाली-गली से जुड़े कार्य पूरे किए जा चुके हैं। यह संपतचक नगर परिषद के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। हालांकि विकास एक निरंतर प्रक्रिया है और अभी भी कई काम किए जाने बाकी हैं। हमारा प्रयास है कि आने वाले समय में संपतचक को बेहतर सड़क, जल निकासी और अन्य शहरी सुविधाओं वाला एक विकसित क्षेत्र बनाया जाए।

❖ आपके लगभग चार वर्ष के कार्यकाल में नगर परिषद क्षेत्र में

किन प्रमुख विकास कार्यों को प्राथमिकता दी गई? इनमें से कितने कार्य पूरे हो चुके हैं और कितने निर्माणाधीन हैं?

नगर परिषद के लगभग चार वर्ष के कार्यकाल में हमारी प्राथमिकता हमेशा क्षेत्र की बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करना रही है। विशेष रूप से नाली, गली और पीसीसी सड़क निर्माण को हमने प्राथमिकता दी, क्योंकि ये सीधे आम लोगों के दैनिक जीवन से जुड़े कार्य हैं। अब तक लगभग 350 नाली, गली और पीसीसी सड़क से जुड़े कार्य पूरे किए जा चुके हैं, जबकि करीब 400 कार्य निर्माणाधीन, निविदा प्रक्रिया में अथवा अन्य प्रक्रियाओं में हैं। यानी विकास कार्य लगातार आगे बढ़ रहे हैं और कई योजनाओं पर अभी काम चल रहा है। हमारे पूरे

कार्यकाल में हमारा लक्ष्य लगभग 600 विकास कार्यों को पूरा करने का था। मुझे यह बताते हुए संतोष है कि हमारे निर्धारित लक्ष्य का अधिकांश हिस्सा हम लोगों के द्वारा पूरा किया जा चुका है। इसके अलावा, जो समय अभी हमारे पास उपलब्ध है, उसमें हमारा प्रयास है कि निर्धारित लक्ष्य से भी अधिक विकास कार्यों को पूरा किया जाए। हमारा उद्देश्य केवल योजनाओं की संख्या बढ़ाना नहीं है, बल्कि नगर परिषद के हर क्षेत्र तक सड़क, नाली और जल निकासी जैसी बुनियादी सुविधाएं पहुंचाना है। आने वाले समय में भी इसी प्राथमिकता के साथ शेष कार्यों को तेजी से पूरा करने

का प्रयास जारी रहेगा।

❖ सड़क, नाला और जलनिकासी जैसी बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए अब तक कितना काम हुआ है और इस दिशा में आपकी प्रमुख उपलब्धियां क्या हैं?

नगर परिषद के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक जल निकासी की व्यवस्था को बेहतर बनाना रही है। किसी भी तेजी से विकसित हो रहे शहरी क्षेत्र में घरों और बस्तियों से निकलने वाले गंदे पानी की उचित निकासी बेहद जरूरी होती है। संपतचक में भी तेजी से हो रहे शहरीकरण के कारण यह हमारे लिए एक बड़ी चुनौती थी। इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए हमने सबसे पहले प्रमुख नालों के निर्माण और उन्हें बाहरी



निकास व्यवस्था से जोड़ने पर काम शुरू किया। ऐसे प्रमुख नालों का निर्माण कराया गया, जो आगे बड़ी पर्इन, नाला अथवा नहर जैसी बाहरी जल निकासी व्यवस्था से जुड़ते हैं। कई प्रमुख नालों का काम अभी भी जारी है। इस दिशा में किए गए कार्यों का असर अब जमीन पर दिखाई देने लगा है। इसका एक उदाहरण पिछले वर्ष और इस वर्ष के बरसात के दौरान देखने को मिला। जहां पिछले वर्ष जल निकासी को नियंत्रित करने के लिए लगभग 25 से 30 डीजल मोटर पंप लगातार चलाने पड़ते थे, वहीं इस वर्ष पंपों की आवश्यकता घटकर लगभग 10 रह गई।

हम इसे जल निकासी व्यवस्था में हुए सुधार का एक महत्वपूर्ण संकेत मानते हैं। हालांकि अभी भी कुछ स्थानों पर काम बाकी है और हम लगातार प्रमुख नालों तथा बाहरी निकासी व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में काम कर रहे हैं। हमारा प्रयास है कि आने वाले समय में बारिश के दौरान जलजमाव की समस्या को और कम किया जाए तथा संपतचक में स्थायी और प्रभावी जल निकासी व्यवस्था विकसित की जा सके।

❖ **नगर परिषद बनने के बाद साफ-सफाई और कचरा प्रबंधन की व्यवस्था में क्या बदलाव आया है? क्या पूरे क्षेत्र में नियमित कचरा उठाव और सफाई सुनिश्चित हो पा रही है?**

देखिए, साफ-सफाई और कचरा प्रबंधन ऐसा विषय है, जिसका सीधा संबंध आम लोगों के दैनिक जीवन से है। इसलिए इस मामले में मैं यह नहीं कहूंगा कि हम पूरी तरह संतुष्ट हैं। संसाधनों और मैनपावर की उपलब्धता जितनी होनी चाहिए, उसमें अभी भी कुछ कमी है, जिसके कारण कुछ स्थानों पर अपेक्षित स्तर की सफाई व्यवस्था बनाए रखने में चुनौती आती है। नगर परिषद के गठन के समय से चली आ रही सफाई व्यवस्था और उससे संबंधित निविदा व्यवस्था में अभी तक अपेक्षित बदलाव नहीं हो पाया है। अध्यक्ष बनने के बाद व्यवस्था को बेहतर और अधिक व्यवस्थित करने के उद्देश्य से नई निविदा प्रक्रिया के प्रयास किए गए, लेकिन कुछ प्रक्रियागत एवं नीतिगत कारणों से उसमें अपेक्षित सफलता नहीं मिल सकी। इसके बावजूद अध्यक्ष, पदाधिकारी, सभी पार्षदों और स्टैंडिंग कमेटी के सहयोग से वर्तमान व्यवस्था को बेहतर तरीके से संचालित करने का लगातार प्रयास किया जा रहा है। हमारा उद्देश्य यह है कि उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम और प्रभावी उपयोग करते हुए पूरे नगर परिषद क्षेत्र में नियमित सफाई और कचरा उठाव सुनिश्चित किया जाए। इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए हमने संबंधित विभाग से आवश्यक मार्गदर्शन और सहयोग भी मांगा है। हमारा प्रयास है कि आने वाले समय में नियमानुसार नई एवं बेहतर व्यवस्था लागू की जाए, जिसमें पर्याप्त मैनपावर, वाहन और आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित हो। मैं यह मानता हूँ कि अभी सुधार की गुंजाइश है और इसे लेकर हम गंभीर हैं। हमारा लक्ष्य ऐसी सफाई व्यवस्था तैयार करना है, जिसमें नगर परिषद के प्रत्येक वार्ड में नियमित कचरा उठाव हो, सफाईकर्मियों की पर्याप्त उपलब्धता हो और लोगों को स्वच्छ एवं बेहतर वातावरण मिल सके। इसके लिए जो भी आवश्यक कदम होंगे, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जाएगा।

❖ **स्ट्रीट लाइट और सार्वजनिक प्रकाश व्यवस्था को लेकर आपके कार्यकाल में क्या-क्या बदलाव किए गए? कितनी नई लाइटें लगाई गईं और उनके रखरखाव की क्या व्यवस्था है?**

नगर परिषद बनने के बाद सार्वजनिक प्रकाश व्यवस्था को बेहतर करना हमारी प्रमुख प्राथमिकताओं में रहा है। हमारा उद्देश्य था कि नगर परिषद क्षेत्र के अधिक से अधिक मोहल्लों और प्रमुख मार्गों पर पर्याप्त स्ट्रीट लाइट की सुविधा उपलब्ध हो और लोगों को रात के समय आवागमन में परेशानी न हो। इसी दिशा में शुरुआत में 6,000 स्ट्रीट लाइट लगाने की योजना के तहत निविदा की गई थी। इसमें लगभग 1,000 लाइटें

सफलतापूर्वक लगाई गईं, लेकिन बाद में कुछ तकनीकी कारणों से उस निविदा को निरस्त करना पड़ा। इसके बाद नई प्रक्रिया के तहत 5,000 स्ट्रीट लाइट के लिए दोबारा निविदा की गई। इस व्यवस्था की एक महत्वपूर्ण बात यह है कि संबंधित एजेंसी को केवल लाइट लगाने की ही नहीं, बल्कि अगले पांच वर्षों तक उनके रखरखाव और मरम्मत की जिम्मेदारी भी दी गई है। इसके लिए क्षेत्र में कर्मचारी और तकनीकी मिस्त्री उपलब्ध कराए गए हैं, ताकि किसी स्थान पर स्ट्रीट लाइट खराब होने की स्थिति में शिकायत मिलने पर उसका यथाशीघ्र निरीक्षण और मरम्मत कराया जा सके। अब तक नगर परिषद क्षेत्र में लगभग 6,000 स्ट्रीट लाइट लगाई जा चुकी हैं। इसके अलावा, क्षेत्र की आवश्यकता और नए विकसित हो रहे मोहल्लों को देखते हुए निकट भविष्य में लगभग 3,000 से 5,000 अतिरिक्त स्ट्रीट लाइट लगाने की योजना है। हमारा प्रयास केवल नई लाइटें लगाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है कि लगाई गई लाइटें नियमित रूप से काम करती रहें और उनके रखरखाव की जिम्मेदारी स्पष्ट रूप से तय हो। इसी उद्देश्य से पांच वर्ष की मेंटेनेंस व्यवस्था को भी इस प्रक्रिया में शामिल किया गया है।

❖ **नगर परिषद की अपनी आय बढ़ाने के लिए आपके कार्यकाल में कौन-कौन से कदम उठाए गए? क्या आंतरिक राजस्व में पहले की तुलना में वृद्धि हुई है?**

नगर परिषद की अपनी आय को मजबूत करना हमारे लिए एक महत्वपूर्ण विषय रहा है, क्योंकि किसी भी नगर निकाय के विकास के लिए मजबूत आंतरिक राजस्व व्यवस्था बहुत जरूरी होती है। इसी दिशा में हमारे कार्यकाल में होल्लिंग टैक्स की व्यवस्था को लागू करने और व्यवस्थित करने पर विशेष ध्यान दिया गया। मुझे यह बताते हुए खुशी होती है कि संपतचक नगर परिषद के लोगों ने इस व्यवस्था को सकारात्मक रूप से स्वीकार किया। बड़ी संख्या में लोगों ने आगे बढ़कर अपना होल्लिंग टैक्स जमा किया। कई बार तो लोग स्वयं फोन करके यह जानकारी देते हैं कि उनका होल्लिंग टैक्स जमा करवा दिया जाए। यह इस बात का संकेत है कि क्षेत्र के लोगों में अपने नगर और उसकी विकास व्यवस्था को लेकर जागरूकता बढ़ी है। मेरा मानना है कि नगर परिषद की आय और क्षेत्र का विकास एक-दूसरे से सीधे जुड़े हुए हैं। जब जनता नियमित रूप से अपना टैक्स देती है, तो नगर परिषद के पास विकास कार्यों के लिए अपने संसाधन उपलब्ध होते हैं। हमारे कार्यकाल में नाली-गली से जुड़े जो कुछ महत्वपूर्ण कार्य आंतरिक संसाधनों से कराए गए हैं, उनमें नगर परिषद की अपनी आय की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। मैं इन उपलब्धियों का श्रेय केवल नगर परिषद को नहीं, बल्कि संपतचक की जागरूक जनता को भी देना चाहता हूँ, जिन्होंने टैक्स व्यवस्था में सहयोग किया और यह समझा कि टैक्स का भुगतान बेहतर नागरिक सुविधाओं और विकास के लिए जरूरी है। आंतरिक राजस्व को और मजबूत करने के लिए हम वेंडिंग जोन विकसित करने की दिशा में भी काम कर रहे हैं, जो जल्द तैयार होने की दिशा में है। इसके अलावा, सरकार के नियमों और नगर परिषद की आवश्यकताओं के अनुरूप भविष्य में गावेंज यूजर चार्ज/कचरा प्रबंधन शुल्क जैसी व्यवस्थाओं पर भी विचार किया जा सकता है, ताकि उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं के अनुरूप नगर परिषद के पास पर्याप्त संसाधन उपलब्ध रहें। हमारा प्रयास स्पष्ट है नगर परिषद की अपनी आय को मजबूत किया जाए, जनता पर अनावश्यक बोझ न पड़े और उपलब्ध संसाधनों का उपयोग पारदर्शी एवं प्रभावी तरीके से क्षेत्र के विकास और नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने में किया जाए।

❖ **नगर परिषद को मिलने वाली सरकारी राशि और विभिन्न योजनाओं के माध्यम से प्राप्त फंड का विकास कार्यों में किस प्रकार इस्तेमाल किया गया? अब तक प्रमुख योजनाओं पर कितना खर्च हुआ**

है?

नगर परिषद को प्राप्त सरकारी राशि और विभिन्न योजनाओं के माध्यम से उपलब्ध फंड का उपयोग क्षेत्र की प्राथमिक आवश्यकताओं के अनुसार विकास कार्यों में किया गया है। हमारा प्रयास रहा है कि उपलब्ध संसाधनों का उपयोग मुख्य रूप से सड़क, नाली-गली, जल निकासी, स्ट्रीट लाइट और अन्य बुनियादी नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने में किया जाए। अब तक नगर परिषद क्षेत्र में विकास कार्यों पर 50 करोड़ रुपये से अधिक की राशि खर्च की जा चुकी है। इसके अलावा, जिन योजनाओं की निविदा प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और जिन पर वर्तमान में काम चल रहा है, उन्हें देखते हुए हमारा अनुमान है कि चालू वित्तीय वर्ष के अंत तक विकास कार्यों में कुल खर्च लगभग 100 करोड़ रुपये के आसपास पहुंच सकता है। हमारा फोकस केवल अधिक राशि खर्च करने पर नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करने पर है कि उपलब्ध धनराशि का उपयोग क्षेत्र की वास्तविक जरूरतों के अनुसार हो और उसका लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचे। आने वाले समय में भी जिन योजनाओं की स्वीकृति और निविदा प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, उन्हें समयबद्ध तरीके से पूरा कराने का प्रयास रहेगा। हमारा उद्देश्य है कि नगर परिषद को मिलने वाली प्रत्येक राशि का नियमों के अनुरूप, पारदर्शी और जनहित में प्रभावी उपयोग हो तथा संपतचक्र के विकास की गति लगातार बनी रहे।

❖ **नगर परिषद क्षेत्र में भविष्य की जरूरतों को देखते हुए आपने अगले 1.5 वर्षों के लिए कौन-कौन से बड़े विकास कार्यों की योजना बनाई है?**

अगर अगले 1.5 वर्षों की भविष्य की जरूरतों की बात करें, तो हमारा सबसे बड़ा डीम प्रोजेक्ट संपतचक्र के लिए एक स्थायी और समुचित ड्रेनेज सिस्टम तैयार करना है। संपतचक्र में तेजी से शहरीकरण और आबादी का विस्तार हो रहा है। ऐसे में आने वाले वर्षों में जल निकासी की समस्या और बढ़ी चुनौती बन सकती है। इसलिए हमारी कोशिश है कि समस्या गंभीर होने का इंतजार न किया जाए, बल्कि अभी से इसके स्थायी समाधान की दिशा में काम शुरू किया जाए। हमारा लक्ष्य है कि क्षेत्र की छोटी-बड़ी नालियों को प्रमुख नालों, पईन, नहर और बाहरी जल निकासी व्यवस्था से व्यवस्थित तरीके से जोड़ा जाए, ताकि बारिश के पानी और अन्य अपशिष्ट जल की निकासी सुचारु रूप से हो सके। आवश्यकता के अनुसार स्थायी बड़े नाले या अन्य तकनीकी व्यवस्था विकसित करने पर भी काम किया जाएगा। जनगणना से संबंधित उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार संपतचक्र क्षेत्र की आबादी लगभग 1.30 लाख के आसपास रही है। पिछले कुछ वर्षों में जिस तेजी से यहां बसावट और शहरीकरण बढ़ा है, उसे देखते हुए वर्तमान आबादी इससे काफी अधिक होने का अनुमान है। भविष्य में आबादी और बढ़ेगी, इसलिए उसी अनुपात में सड़क, नाली और जल निकासी जैसी बुनियादी सुविधाओं का विस्तार करना जरूरी है। इसी उद्देश्य से ड्रेनेज सिस्टम के लिए डीपीआर तैयार कराने, सर्वे और आवश्यक तकनीकी अध्ययन की प्रक्रिया पर काम किया जा रहा है। सरकार की विभिन्न योजनाओं और सहयोग के माध्यम से भी इस दिशा में काम को आगे बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। इसके अलावा हमारा फोकस केवल बुनियादी सुविधाओं तक सीमित नहीं है। हम संपतचक्र को एक व्यवस्थित और सुंदर नगर परिषद के रूप में विकसित करने की दिशा में भी काम कर रहे हैं। इसके तहत प्रमुख चौक-चौराहों पर बेहतर साइन बोर्ड, नगर परिषद की सीमा के प्रवेश और निकास स्थानों पर बेलकम बोर्ड तथा आवश्यक स्थानों पर हाई-मास्ट/हाईनेस लाइट लगाने की योजना पर काम शुरू किया गया है। इसके लिए स्थानों का चिन्हांकन भी किया जा चुका है। आने वाले कुछ महीनों में इन कार्यों का असर जमीन पर दिखाई देने लगेगा। हमारा दीर्घकालिक लक्ष्य है कि संपतचक्र में जल निकासी की

स्थायी व्यवस्था, बेहतर सड़क और नाली, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था तथा एक व्यवस्थित एवं सुंदर शहरी वातावरण तैयार हो, ताकि बढ़ती आबादी की जरूरतों को आने वाले वर्षों में भी पूरा किया जा सके। मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यही है कि आज की समस्या का स्थायी समाधान करने के बजाय आने वाले 10-20 वर्षों की जरूरत को ध्यान में रखकर आधारभूत ढांचा तैयार किया जाए। यही हमारी भविष्य की विकास योजना का मुख्य उद्देश्य है।

❖ **आपके कार्यकाल में ऐसी कौन-सी परियोजना है जिसे आप संपतचक्र के विकास की दिशा में अपनी सबसे महत्वपूर्ण पहल मानते हैं और क्यों?**

अगर मुझे अपने कार्यकाल की किसी एक पहल को संपतचक्र के विकास की दिशा में सबसे महत्वपूर्ण मानना हो, तो मैं प्रमुख सड़कों और प्रमुख नालों के निर्माण तथा बेहतर जल निकासी व्यवस्था को सबसे अहम मानूंगा। बेहतर सड़क से आवागमन सुगम होगा, जाम की समस्या कम होगी और व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। वहीं प्रमुख नालों के निर्माण से जल निकासी की समस्या का स्थायी समाधान करने में मदद मिलेगी। बरसात के बाद लंबे समय तक सड़कों पर पानी जमा रहने जैसी समस्या से लोगों को राहत मिलेगी। इसके साथ ही सार्वजनिक प्रकाश व्यवस्था और स्थानीय स्तर पर कानून-व्यवस्था को बेहतर बनाने पर भी हमारा ध्यान है। जब आवागमन, जल निकासी, प्रकाश और सुरक्षा जैसी बुनियादी सुविधाएं बेहतर होंगी, तो लोगों का भरोसा बढ़ेगा और बाहरी कारोबारी भी यहां निवेश के लिए आकर्षित होंगे। इससे रोजगार और व्यापार के नए अवसर पैदा होंगे। आज संपतचक्र में तेजी से नए मकान, भवन, शोरूम और व्यावसायिक प्रतिष्ठान विकसित हो रहे हैं। बाजार का विस्तार हो रहा है और स्थानीय स्तर पर भी रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं। हमारा प्रयास है कि इस विकास को बेहतर बुनियादी सुविधाओं के साथ एक व्यवस्थित और सुरक्षित दिशा दी जाए।

❖ **अगर जनता आपके लगभग चार वर्ष के कार्यकाल को केवल तीन उपलब्धियों के आधार पर याद करे, तो आप किन तीन कामों का उल्लेख करना चाहेंगे? साथ ही, आने वाले समय में आपकी सबसे बड़ी प्राथमिकता क्या होगी?**

अगर जनता मेरे लगभग चार वर्ष के कार्यकाल को केवल तीन उपलब्धियों के आधार पर याद करे, तो मैं सबसे पहले नाली-गली और पीसीसी सड़कों के बड़े पैमाने पर निर्माण, जल निकासी व्यवस्था में सुधार और सार्वजनिक प्रकाश व्यवस्था के विस्तार का उल्लेख करूंगा। नवगठित नगर परिषद होने के कारण शुरुआत में संसाधनों की कमी के साथ-साथ व्यवस्था और प्रशासनिक प्रक्रिया को समझने की चुनौती भी थी। इसके बावजूद लगभग 300-400 विकास योजनाओं को पूरा करना हमारे लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह काम अकेले किसी एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि सभी वार्ड पार्षदों, उपसभापति, नगर परिषद के पदाधिकारियों और पूरी टीम के सामूहिक प्रयास का परिणाम है। आज जब मैं क्षेत्र में निकलता हूँ और चुनाव से पहले की स्थिति तथा आज के संपतचक्र में आए बदलाव को देखता हूँ, तो निश्चित रूप से संतोष होता है कि सड़क, नाली, प्रकाश और अन्य बुनियादी सुविधाओं के क्षेत्र में काफी काम हुआ है। आने वाले समय में हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता शिक्षा होगी। नगर परिषद क्षेत्र में मौजूद लगभग 22-23 सामुदायिक भवन, पंचायत भवन और अन्य ऐसे भवन, जिनका उपयोग बहुत कम हो रहा है या जो जर्जर स्थिति में हैं, उन्हें रिनोवेट कर लाइब्रेरी और शिक्षा केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना है। हमारा प्रयास है कि विकास केवल सड़क और नाली तक सीमित न रहे, बल्कि संपतचक्र के बच्चों और युवाओं को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं और अवसर भी मिलें। ●

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सौ साल बेमिथाल

● प्रो० रामजीवन साहू

परम पवित्र भारत 2585 वर्ष पूर्व बिल्कुल हिन्दू राष्ट्र था. उसके बाद सर्वप्रथम 2586 युगाब्द में ईरान के राजा डेरियस प्रथम ने भारत पर आक्रमण किया और गंधार एवं सिन्धु नदी के तटवर्ती क्षेत्रों पर अपना अधिकार जमा लिया. तब से आक्रमण का शिलशिला भारत पर चलता रहा. अंतिम आक्रमण 3364 युगाब्द में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी ने किया और भारत के राजनीतिक सत्ता शासन करने लगा.

एक अप्रैल 1889 में महाराष्ट्र के नागपुर में प्रातः स्मरणीय डा० केशव बलिराम हेडगवार का जन्म हुआ. वे जन्मजात राष्ट्रभक्त थे .वे जब मात्रा आठ -दश वर्ष का ही थे ,तभी उन्होंने ब्रिटिश सरकार के शिक्षा अधिकारी प्रत्येक कक्षा का निरीक्षण करने का योजना बनाई गई, तो सभी कक्षाओं में शिक्षा अधिकारी का 'वन्दे मातरम' के जयघोष से स्वागत किया गया. फलस्वरूप उन्हें उस विद्यालय से नाम हटा दिया गया. 1910 में वे तीन दृष्टिकोण से कोलकता गये. प्रथम चिकित्सा की पढ़ाई करनी द्वितीय क्रांतिकारियों से मित्रता सुदृढीकरण और तृतीय भविष्य की योजनाओं के सफलता का मार्ग प्रशस्त करना.

1916वें चिकित्सा की डिग्री प्राप्त किये. डिग्री प्राप्ति के पश्चात उन्होंने गहरी चिंतन -मंथन करने लगे. उन्होंने सोचा की शारीरिक बीमारी को दूर करने के लिये बहुतों मेडिकल कॉलेज खुले हुए हैं, परन्तु देश बीमार है, उसके ईलाज के लिये न कालेज हैं और न डाक्टर हैं. दूसरी बात यह है कि लोग वेद पढ़ते हैं, गीता पढ़ते हैं, उपनिषद् पढ़ते हैं, पुराण पढ़ते हैं और रामायण पढ़ते हैं, परन्तु उसके अनुसार अपना आचरण नहीं रखते हैं. फलस्वरूप सभी हिन्दू हैं, पर संगठित नहीं हैं. हम कहते हैं 'वसुधैव कुटुम्बकम्' परन्तु व्यवहार में नहीं लाते हैं. अपनी सत्ता के लिए लोग समाज को जातियों में बांटा. जाति भेद भारत में कभी नहीं था. वेद में कर्म के आधार पर वर्णभेद था. उदाहरण के लिए कुछ ब्राह्मणों, कुछ क्षत्रियों, कुछ भूमिहारों, कुछ वैश्यों और कुछ पिछड़ी जातियों के गोत्र काश्यप गोत्र हैं. इस दृष्टिकोण से भारत में जाति भेद नहीं था. इन

सभी समस्याओं के स्थाई और सुदृढ समाधान के लिए डा० केशव बलिराम हेडगवारजी ने आश्विन शुक्ल पक्ष दशमी विक्रम संवत् 1982 विजयादशमी के दिन तदनुसार 28 सितम्बर 1925 के पावन अवसर पर विश्व के सबसे बड़ा स्वयंसेवी संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना किए. पिछले साल 2025 के विजयादशमी के दिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एक सौ साल का हो गया. जिस दिन संघ का सौ साल पूर्ण

● **सामाजिक सदभाव बैठक :-** 15 नवंबर 2025 से 15 दिसम्बर 2025 तक भारत के सभी खंडों [प्रखंडों], पर सामाजिक सदभाव बैठक करना है. इस बैठक में बिना किसी प्रकार का एक दूसरे का सम्मान करना है और समाज प्रत्येक व्यक्ति आवश्यकता पड़ने पर सहर्ष सहायता करना है, यह समझाया गया.

● **हर घर सम्पर्क :-** एक जनवरी 2026 से ३१ जनवरी 2026 तक प्रत्येक घरों से स्वयंसेवकों ने सम्पर्क किया और सौ साल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपने राष्ट्र के लिए क्या किया उसका संक्षिप्त परिचय वाला पत्रक प्रत्येक घरों में दिए गये.

● **हिन्दू सम्मेलन :-** एक फरवरी 2026 से 28 फरवरी 2026 तक सभी मंडलों और बस्तियों में हिन्दू सम्मेलन किया गया और समझाया गया कि सनातन धर्म कहता है कि 'कण-कण में भगवान हैं'. इसके कारण ही लोग चोरी नहीं करते थे और वे व्यवहार में लाते थे कि अपनी पत्नी छोड़ सभी नारियां या तो मां हैं या बहन हैं. इसी आधार के कारण भारत विश्व गुरु कहलाया.

● **प्रबुद्धजनों की गोष्ठी :-** एक अप्रैल 2026 से 30 अप्रैल 2026 तक सम्पूर्ण भारत में प्रबुद्धजनों की गोष्ठी की गयी. उस गोष्ठी में बताया गया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विश्व का एक मात्र स्वयंसेवी संगठन है, जहां लोग कुछ पाने के लिए नहीं जुटते हैं, बल्कि लोग तन-मन-धन देने के लिए जुड़ते हैं.

● **युवाओं की गोष्ठी :-** एक अगस्त 2026 से 31 अगस्त 2026 तक सम्पूर्ण भारत में युवाओं की गोष्ठी की गयी. युवा किसी भी देश का शारीरिक -बल होता है. इन्हीं युवाओं के हाथ देश की सुरक्षा है. अतः युवाओं को शाखा में लाना आवश्यक समझा गया.

● **कार्य विस्तार :-** 25 सितम्बर 2026 से 10 अक्टूबर 2026 तक कार्य विस्तार हेतु सही गाँवों और शहरों के सभी मुहल्लों में सभी वर्ग, सभी आयु के लोगों को शाखाओं से जुड़ने का प्रयास किया गया. यह शताब्दी साल का अंतिम कार्यक्रम हुआ.

आशा और पूर्ण विश्वास है कि निश्चित ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का कार्य का विस्तार होगा. 'भारत माता की जय'! ●



हुआ, उस दिन से इस विराट उपलब्धि पर अति उत्साह में संघ ने शताब्दी साल में सप्त संकल्पित योजनाओं के तहत कार्य किया है.

● **विजयादशमी उत्सव :-** 22 सितम्बर 2025 से 02 अक्टूबर 2025 तक जहां-जहां शाखा लगती हैं, उन सभी स्थानों पर बृहत पैमाने पर उत्सव मनाया गया. उस उत्सव में स्वयंसेवक के अतिरिक्त समाज के सभी वर्गों के व्यक्ति उपस्थित हुए, जो लोग पहली बार इस कार्यक्रम आये, उन लोगों ने खुले मन से तारीफ किये.

भाजपा अध्यक्ष बदलने से भाजपा को विदाई से बचाया नहीं जा सकता

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

भा

जपा मीडिया प्रभारी डॉ. लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने बिहार में अपराध और भ्रष्टाचार के मुद्दे को लेकर भाजपा संगठन के कामकाज पर तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि आज बिहार की जनता जिन समस्याओं से जूझ रही है, उनका समाधान केवल प्रदेश अध्यक्ष बदलने और संगठनात्मक फेरबदल से नहीं होगा। जनता के बीच जाकर उसकी समस्याओं को समझना और उनके समाधान के लिए संघर्ष करना ही वास्तविक संगठन है। पटेल ने कहा कि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पद पर समय-समय पर अनेक चेहरे आए, लेकिन संगठन के काम करने के तरीके में अपेक्षित बदलाव दिखाई नहीं दिया। उन्होंने कहा कि नारा लगाना, माला पहनना और फोटो खिंचवाना संगठन निर्माण का विकल्प नहीं हो सकता। संगठन की असली ताकत तब दिखाई देती है, जब कार्यकर्ता गांव, पंचायत, वार्ड और हर घर तक पहुंचकर जनता की समस्याओं को सुनता है। उन्होंने कहा, “हर घर जाइए, समस्या की सूची बनाइए और समाधान के लिए संबंधित विभाग तथा सरकार तक आवाज

पहुंचाइए। यही संगठन निर्माण की पहली पाठशाला है।”

☞ **अपराध और भ्रष्टाचार के खिलाफ सड़क पर उतरना होगा** :- डॉ. पटेल ने कहा कि यदि पार्टी स्वयं को जनता की आवाज मानती है, तो अपराध और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों पर लोकतांत्रिक तरीके से धरना, प्रदर्शन, जन-जागरूकता अभियान और अधिकारियों के समक्ष ज्ञापन जैसे कार्यक्रम लगातार चलाने होंगे। उन्होंने कहा कि केवल मंच से भाषण देने से जनता का विश्वास मजबूत नहीं होता। जनता यह देखती है कि उसके मोहल्ले की सड़क, बिजली, पानी, अस्पताल, स्कूल, पुलिस व्यवस्था और भ्रष्टाचार से जुड़ी शिकायतों के लिए कौन उसके साथ खड़ा है।

☞ **“अधिकार के साथ कर्तव्य भी निभाना होगा”** :- पटेल ने भाजपा के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से कहा कि प्रत्येक पद अपने साथ अधिकार ही नहीं, बल्कि जिम्मेदारी और जवाबदेही भी लेकर आता है। पदाधिकारी यदि

अपने अधिकार और कर्तव्य का वास्तविक पालन करें तथा जनता की समस्याओं को संगठन की प्राथमिकता बनाएं, तो संगठन की जड़ें मजबूत होंगी। उन्होंने चेतावनी भरे अंदाज में कहा कि

यदि संगठन का बड़ा हिस्सा नारे, मालाओं और फोटो तक सीमित रह गया और जनता के वास्तविक सवाल से दूरी बनी रही, तो इसका राजनीतिक नुकसान पार्टी को उठाना पड़ सकता है। पटेल ने कहा कि “संगठन का भाविष्य वातानुकूलित कमरों में नहीं, जनता के बीच तय होता है। बिहार की जनता के बीच जाकर काम करने का समय है। केवल चेहरे बदलने से नहीं, कार्यशैली बदलने से परिवर्तन आएगा।” उन्होंने भाजपा नेतृत्व से आग्रह किया कि प्रदेश से लेकर बूथ स्तर तक संगठन की समीक्षा करते हुए यह सुनिश्चित किया जाए कि कार्यकर्ता जनता की समस्या सुनने, उसका दस्तावेज बनाने और समाधान के लिए लोकतांत्रिक संघर्ष करने में सक्रिय भूमिका निभाएं। ●



हरीश द्विवेदी

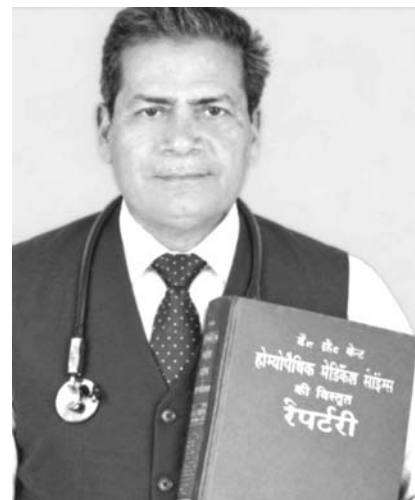
निलंबन क्यों, फांसी क्यों नहीं?

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

भा

जपा मीडिया प्रभारी डॉ. लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि जनता की जान से खिलवाड़ करने वालों के लिए केवल निलंबन पर्याप्त नहीं, जवाबदेही तय होनी चाहिए। तटबंधों की सुरक्षा में लापरवाही के आरोप में आठ इंजीनियरों पर कार्रवाई और सात को निलंबित किए जाने की खबर पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भाजपा मीडिया प्रभारी डॉ. लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि केवल निलंबन, तबादला और विभागीय कार्रवाई से व्यवस्था में स्थायी सुधार नहीं होने वाला है। सवाल यह है कि यदि किसी अधिकारी या अभियंता की गंभीर लापरवाही से जनता की जान-माल पर खतरा पैदा होता है, तो उसके लिए जवाबदेही की सीमा आखिर कितनी होगी? उन्होंने कहा कि सरकारी पद कोई कवच नहीं है। जिस अधिकारी को जनता की सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसके स्तर पर जानबूझकर या घोर लापरवाही साबित होने पर कानून के तहत ऐसी कठोर सजा होनी चाहिए, जिससे भविष्य में कोई

अधिकारी अपनी जिम्मेदारी से खिलवाड़ करने का साहस न करे। डॉ. पटेल ने कहा कि चीन सहित कई देशों में सरकारी व्यवस्था में गंभीर लापरवाही और भ्रष्टाचार के मामलों में कठोर दंड का प्रावधान होने की चर्चा होती है। भारत में भी कठोरता का अर्थ कानून को दरकिनार करना नहीं, बल्कि कानून को प्रभावी ढंग से लागू करना होना चाहिए। यदि किसी मामले में अपराध और घोर लापरवाही न्यायिक प्रक्रिया में सिद्ध होती है, तो दोषी को पद, प्रभाव या राजनीतिक पहुंच के आधार पर राहत नहीं मिलनी चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि हर बड़े हादसे के बाद कुछ अधिकारियों को निलंबित कर देना क्या पर्याप्त कार्रवाई है? कुछ महीने बाद बहाली, तबादला या दूसरी जगह पदस्थापना हो जाए तो जनता के बीच सरकार की कार्रवाई का भय और विश्वास दोनों कैसे कायम रहेगा? डॉ. पटेल ने कहा कि तटबंध, पुल, सड़क, अस्पताल, स्कूल और अन्य सार्वजनिक निर्माण से जुड़े मामलों में जिम्मेदारी तय करने के लिए स्पष्ट व्यवस्था होनी चाहिए। जांच केवल निचले स्तर के कर्मचारी तक सीमित न रहे, बल्कि स्वीकृति देने वाले अधिकारी, निरीक्षण करने वाले



अधिकारी, ठेकेदार और संबंधित विभागीय जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका की भी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। अंत में डॉ. पटेल ने कहा कि जनता अब केवल निलंबन की खबर नहीं चाहती। जनता जानना चाहती है कि लापरवाही किसकी थी, जिम्मेदारी किसकी थी, सरकारी नुकसान कितना हुआ और दोष सिद्ध होने के बाद दोषी के विरुद्ध अंतिम कार्रवाई क्या हुई। यही वास्तविक जवाबदेही है और यही सुशासन की कसौटी भी। ●

तारीख पर तारीख नहीं, एक सप्ताह में न्याय चाहिए

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

भा

जपा मीडिया प्रभारी डॉ. लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी से मांग की है कि देश में ऐसा कठोर और प्रभावी कानून बनाया जाए, जिससे गंभीर आपराधिक मामलों में अनावश्यक रूप से वर्षों तक मुकदमे लंबित न रहें और निर्दोष व्यक्ति को न्याय के लिए पूरी जिंदगी अदालतों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने कहा कि आज न्याय व्यवस्था के सामने सबसे बड़ी पीड़ा यह है कि “तारीख पर तारीख, तारीख पर तारीख” चलती रहती है। गरीब और निर्दोष व्यक्ति वर्षों तक जेल में सड़ता रहता है। जिसके पास वकील करने के लिए पैसा नहीं है, उसके लिए न्याय और भी दूर हो जाता है। कभी-कभी 10, 20 या 30 वर्ष बाद अदालत का फैसला आता है कि आरोपी निर्दोष था और उसे बरी किया जाता है। सवाल यह है कि इतने वर्षों तक उसकी जिंदगी, उसकी जवानी, उसका रोजगार और उसका परिवार कौन लौटाएगा? डॉ. पटेल ने कहा कि किसी निर्दोष व्यक्ति को जेल भेजना केवल एक व्यक्ति को दंडित करना नहीं है, बल्कि उसके पूरे परिवार को सजा देना है। बच्चे शिक्षा से वंचित होते हैं, परिवार आर्थिक संकट में डूब जाता है और सामाजिक प्रतिष्ठा भी समाप्त हो जाती है। वर्षों बाद यदि व्यक्ति निर्दोष साबित होता है तो उस बर्बादी की भरपाई कौन करेगा?

थानों में न्यायिक निगरानी की



व्यवस्था हो :- डॉ. पटेल ने सुझाव दिया कि प्रत्येक थाने में दो मजिस्ट्रेट-एक महिला और एक पुरुष की न्यायिक निगरानी व्यवस्था हो, ताकि किसी व्यक्ति को केवल आरोप, दबाव या झूठी शिकायत के आधार पर जेल भेजने से पहले निष्पक्ष जांच हो सके।

उन्होंने कहा कि झूठा मुकदमा दर्ज कराने वालों के खिलाफ भी कड़ी कानूनी कार्रवाई का प्रावधान होना चाहिए। यदि जांच में स्पष्ट रूप से पाया जाए कि किसी निर्दोष व्यक्ति को फंसाने के लिए जानबूझकर झूठी शिकायत की गई है, तो शिकायतकर्ता पर कानून के अनुसार तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए।

जेल भेजने की प्रक्रिया में जवाबदेही तय

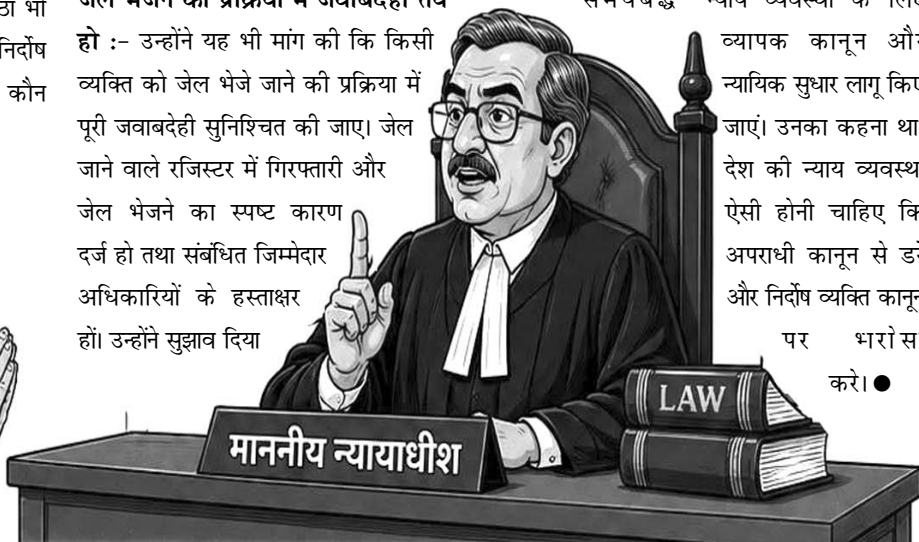
हो :- उन्होंने यह भी मांग की कि किसी व्यक्ति को जेल भेजे जाने की प्रक्रिया में पूरी जवाबदेही सुनिश्चित की जाए। जेल जाने वाले रजिस्टर में गिरफ्तारी और जेल भेजने का स्पष्ट कारण दर्ज हो तथा संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों के हस्ताक्षर हों। उन्होंने सुझाव दिया

कि स्थानीय स्तर पर जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए सरपंच और चौकीदार से भी निर्धारित प्रक्रिया के तहत प्रमाणित जानकारी ली जाए तथा राजनीतिक पदाधिकारियों की भूमिका को कानून से ऊपर नहीं, बल्कि पारदर्शिता और जवाबदेही के दायरे में रखा जाए।

डॉ. पटेल ने कहा कि न्याय किसी अमीर की सुविधा और गरीब की मजबूरी नहीं होना चाहिए। देश में ऐसी व्यवस्था बननी चाहिए जिसमें अपराधी को सजा मिलने में देर न हो और निर्दोष को जेल जाने से पहले ही सुरक्षा मिले। उन्होंने प्रधानमंत्री से अपील की कि “न्याय में देरी को न्याय से वंचित करने के बराबर” मानते हुए

समयबद्ध न्याय व्यवस्था के लिए

व्यापक कानून और न्यायिक सुधार लागू किए जाएं। उनका कहना था, देश की न्याय व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए कि अपराधी कानून से डरे और निर्दोष व्यक्ति कानून पर भरोसा करे। ●



जयंती-पुण्यतिथि सिर्फ 'फैशन' बनकर रही गई है

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

भा जपा मीडिया प्रभारी डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती और पुण्यतिथि मनाने की परंपरा कहीं न कहीं केवल औपचारिकता और राजनीतिक फैशन बनकर रह गई है। उनके चित्र पर माला चढ़ाने, पुष्पांजलि देने और बड़े-बड़े भाषण करने वालों की कमी नहीं है, लेकिन सवाल यह है कि उनके बताए रास्ते पर चलने वालों की संख्या कितनी है? उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने एकात्म मानववाद, अंत्योदय, नैतिक सार्वजनिक जीवन, सादगी और समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने की बात कही थी। आज स्वयं उनके नाम और विचारों को राजनीतिक मंचों पर बार-बार दोहराया जाता है, लेकिन यदि विचार केवल भाषणों और पोस्टरों तक सीमित रह जाएं तो जयंती मनाने का उद्देश्य ही अधूरा रह जाता है।

● **माला चढ़ाने से विचार जीवित नहीं रहते :-** डॉ. पटेल ने कहा कि दीनदयाल जी की तस्वीर पर फूल चढ़ाना आसान है, लेकिन उनके सिद्धांतों के अनुसार आचरण करना कठिन है। जयंती के दिन मंच सज जाता है, भाषण होते हैं, नारे लगते हैं और तस्वीरें खिंचती हैं। पुण्यतिथि पर भी यही क्रम दोहराया जाता है। लेकिन उसके बाद क्या होता है? उन्होंने सवाल उठाया कि यदि राजनीति का उद्देश्य केवल सत्ता प्राप्त करना रह जाए और समाज के अंतिम व्यक्ति की चिंता



पीछे छूट जाए, तो फिर दीनदयाल जी के विचारों की चर्चा किस लिए?

● **विचारों को कब्र में दफन कर सिर्फ नाम का इस्तेमाल क्यों? :-** भाजपा मीडिया प्रभारी ने कहा कि दीनदयाल जी के नाम का इस्तेमाल करने से उनकी विचारधारा जीवित नहीं होगी। विचार तब जीवित होंगे, जब संगठन और उसके कार्यकर्ता अपने व्यवहार में उसे उतारेंगे। उन्होंने कहा कि अंत्योदय का अर्थ समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के उत्थान से जुड़ा है और एकात्म मानववाद व्यक्ति तथा समाज के समग्र विकास की अवधारणा प्रस्तुत करता है। इसलिए असली श्रद्धांजलि फूल-माला नहीं, बल्कि अंतिम

व्यक्ति के जीवन में बदलाव है।

● **नेताओं से लेकर कार्यकर्ताओं तक हो आत्ममंथन :-** डॉ. पटेल ने कहा कि जयंती और पुण्यतिथि को केवल कार्यक्रम बनाने के बजाय आत्ममंथन का दिन बनाया जाना चाहिए। संगठन के प्रत्येक पदाधिकारी और कार्यकर्ता को स्वयं से पूछना चाहिए कि दीनदयाल जी के सिद्धांतों में से कितने सिद्धांत उनके व्यक्तिगत और सार्वजनिक जीवन में दिखाई देते हैं। उन्होंने कहा कि यदि गरीब, किसान, मजदूर, छोटे व्यापारी, युवा और समाज का कमजोर वर्ग आज भी अपनी समस्याओं के लिए दर-दर भटकने को मजबूर है, तो केवल मंच से अंत्योदय का नारा लगाने से उद्देश्य पूरा नहीं होगा।

● **अब रस्म नहीं, परिणाम चाहिए :-** डॉ. पटेल ने कहा कि दीनदयाल जी को सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी, जब जयंती और पुण्यतिथि फोटो खिंचवाने का अवसर नहीं, बल्कि कार्यकर्ताओं के लिए संकल्प और समीक्षा का दिन बने। उन्होंने कहा, “दीनदयाल जी के नाम पर कार्यक्रम करने से ज्यादा जरूरी है उनके विचारों पर कार्यक्रम करना। उनकी तस्वीर को माला पहनाने से ज्यादा जरूरी है उनके सिद्धांतों को अपने आचरण में पहनना। यदि ऐसा नहीं हुआ तो जयंती और पुण्यतिथि केवल कैलेंडर की तारीख और राजनीतिक रस्म बनकर रह जाएगी।” उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि दीनदयाल जी के विचारों को भाषणों से निकालकर जमीन पर उतारें और अंत्योदय को वास्तविक जनसेवा का आधार बनाएं। ●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/8340360961

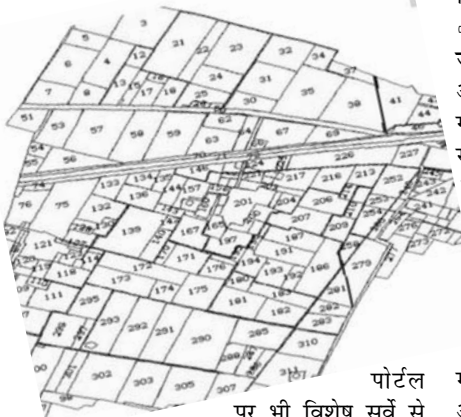
ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

बिहार में सर्वे का कमाल

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

बिहार में जमीन के सर्वे और रिकॉर्ड को दुरुस्त करने की कवायद वर्षों से चल रही है, लेकिन इसकी रफ्तार पर अब गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। उपलब्ध सरकारी आंकड़ों और हाल की रिपोर्टों के बीच यह तस्वीर सामने आती है कि विशाल संख्या में गांवों का काम अभी बाकी है। केंद्र को दी गई जानकारी के अनुसार मार्च 2025 तक 43,041 ग्रामीण राजस्व गांवों में सिर्फ 661 गांवों के अंतिम अधिकार अभिलेख और नक्शे अधिसूचित हुए थे। भाजपा मीडिया प्रभारी डॉ. लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि यदि वर्षों तक चलने के बावजूद भूमि सर्वे जैसी बुनियादी व्यवस्था इतनी धीमी गति से आगे बढ़ेगी, तो आम किसान, रैयत और जमीन मालिक आखिर कब तक कागजात और कार्यालयों के चक्कर काटते रहेंगे? उन्होंने कहा कि भूमि केवल कागज का टुकड़ा नहीं, बल्कि बिहार के करोड़ों परिवारों की आजीविका, सुरक्षा और भविष्य से जुड़ी संपत्ति है। रिकॉर्ड में त्रुटि, पुराने खतियान की अनुपलब्धता और सीमांकन

संबंधी विवाद सीधे आम आदमी को प्रभावित करते हैं। बिहार सरकार के आधिकारिक



पोर्टल पर भी विशेष सर्वे से संबंधित सेवाओं और भू-अभिलेखों को डिजिटल करने की व्यवस्था उपलब्ध है।

“14 साल बाद भी अगर सर्वे अधूरा है तो जिम्मेदारी तय होनी चाहिए” :- डॉ. पटेल ने कहा कि सरकार को केवल नई-नई समय-सीमा घोषित करने के बजाय हर जिले, अंचल और

गांव की प्रगति सार्वजनिक करनी चाहिए। मार्च 2026 में सरकार की ओर से दिसंबर 2027 तक विशेष भूमि सर्वे पूरा करने का लक्ष्य घोषित किया गया है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या हर छह महीने पर जनता के सामने यह रिपोर्ट रखी जाएगी कि कितने गांवों का सर्वे पूरा हुआ, कितने रिकॉर्ड अंतिम रूप से प्रकाशित हुए और कितने विवाद अभी लंबित हैं?

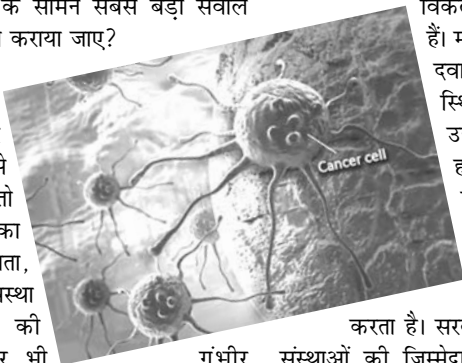
खतियान गायब, किसान परेशान : जवाबदेही भी तय हो :- हालिया रिपोर्ट के अनुसार बिहार के 45,103 गांवों में से 9,334 गांवों के कैडैस्ट्रल खतियान सरकारी रिकॉर्ड रूम में उपलब्ध नहीं हैं या खराब हो चुके हैं। डॉ. पटेल ने कहा कि पुराने रिकॉर्ड की सुरक्षा, डिजिटल रिकॉर्ड की शुद्धता और जमीन के वास्तविक स्वामित्व का स्पष्ट निर्धारण सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। केवल घोषणा और लक्ष्य से समस्या समाप्त नहीं होगी। डॉ. पटेल ने कहा, “बिहार को कागजों में नहीं, जमीन पर पारदर्शी भूमि व्यवस्था चाहिए। अगर वर्षों बाद भी आम आदमी अपनी जमीन का साफ-सुथरा रिकॉर्ड पाने के लिए भटक रहा है, तो अब केवल तारीख बढ़ाने की नहीं, जवाबदेही तय करने की जरूरत है।” डॉ. लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि 30/35 साल पहले भी सर्वे हुआ था। भारी गड़बड़ी के कारण कैसल करना पड़ेगा।●

कैंसर की दवा या मुनाफे का बाजार?

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि निजी अस्पताल मरीजों को सेवा की बजाय मुनाफा कमाने वाले उद्योग की तरह काम करते हैं। कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहा व्यक्ति पहले ही शारीरिक और मानसिक पीड़ा से गुजरता है। उसके परिवार के सामने सबसे बड़ा सवाल होता है, इलाज कैसे कराया जाए? ऐसे में यदि किसी दवा की कीमत कई गुना बढ़कर मरीज की पहुंच से बाहर हो जाए, तो यह केवल व्यापार का विषय नहीं रह जाता, बल्कि स्वास्थ्य व्यवस्था और आम आदमी की आर्थिक सुरक्षा पर भी प्रश्न खड़े करता है। यदि 2,700 रुपये की दवा 27,000 रुपये में उपलब्ध कराई जा रही है, तो

कीमत में इतनी बड़ी खाई क्यों है? इस अंतर का वास्तविक कारण क्या है? निर्माता, वितरक, अस्पताल और मरीज के बीच मूल्य निर्धारण की पूरी प्रक्रिया कितनी पारदर्शी है? सबसे चिंताजनक बात यह है कि कैंसर का मरीज दवा खरीदने से इनकार नहीं कर सकता। उसके सामने विकल्प सीमित होते हैं। मजबूरी में महंगी



दवा खरीदना पड़ता है। ऐसी स्थिति में स्वास्थ्य सेवा का उद्देश्य मरीज को राहत देना होना चाहिए, न कि उसकी मजबूरी को आर्थिक बोझ में बदल देना। सुप्रीम कोर्ट का हस्तक्षेप इस विषय की गंभीरता को रेखांकित करता है। सरकार और संबंधित नियामक संस्थाओं की जिम्मेदारी है कि आवश्यक और जीवनरक्षक दवाओं की कीमत, अस्पतालों के शुल्क तथा मरीजों से वसूली जाने वाली राशि में



पारदर्शिता सुनिश्चित करें। सवाल केवल 27 हजार रुपये की दवा का नहीं है। सवाल यह है कि बीमारी की मजबूरी पर मुनाफे की सीमा कहाँ तय होगी? स्वास्थ्य सेवा यदि आम नागरिक की पहुंच से बाहर होती गई, तो चिकित्सा व्यवस्था का मूल उद्देश्य ही कमजोर पड़ जाएगा। सरकार को चाहिए कि वह दवाओं की कीमतों की निगरानी मजबूत करे, अस्पतालों में मूल्य-सूची सार्वजनिक कराए और मरीजों से वसूली की व्यवस्था को अधिक पारदर्शी बनाए। कैंसर से लड़ रहे मरीज को बीमारी से लड़ना चाहिए, कीमतों और मुनाफे की व्यवस्था से नहीं।●

मगही साहित्य के पुरोधा रत्नाकर की प्रथम पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि

● मिथिलेश कुमार

म गही भाषा और साहित्य की समृद्ध परंपरा को अपनी लेखनी से नई पहचान देने वाले वरिष्ठ साहित्यकार, पत्रकार, कवि एवं इतिहासकार स्व. रामरतन प्रसाद सिंह 'रत्नाकर' की प्रथम पुण्यतिथि शनिवार को श्रद्धापूर्वक मनाई गई। गोनावां स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल में रत्नाकर फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित श्रद्धांजलि सह सम्मान समारोह में साहित्यकारों, कवियों और साहित्यप्रेमियों ने उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को याद करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर मगही साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले पांच विशिष्ट साहित्यकारों को 'रत्नाकर शिखर सम्मान' से सम्मानित किया गया। समारोह में दर्जनों अन्य लोगों को भी सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ मगही कवि नरेंद्र सिंह ने की, जबकि संचालन कवि ओंकार शर्मा कश्यप ने किया। आयोजन के संयोजन में राजेश मंझवेकर की महत्वपूर्ण भूमिका रही। स्व. रत्नाकर के पुत्र एवं रेलवे अधिकारी संजीव कुमार तथा पत्रकार सुजीत कुमार ने सम्मानित साहित्यकारों को सम्मान प्रदान किया। सम्मान समारोह के दौरान साहित्य, भाषा और लोकसांस्कृतिक के प्रति रत्नाकर के समर्पण को याद किया गया।

● पांच साहित्यकारों को मिला रत्नाकर शिखर सम्मान :-

मगही भाषा एवं साहित्य की सेवा के लिए जिन पांच विशिष्ट रचनाकारों को रत्नाकर शिखर सम्मान प्रदान किया गया, उनमें मगध विश्वविद्यालय के मगही विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. भरत सिंह को मरणोपरांत उनकी धर्म पत्नी को सम्मानित किया गया। इनके अलावा गया के साहित्यकार डॉ. सच्चिदानंद प्रेमी, मगही फिल्मकार, अभिनेता एवं लेखक प्रभात वर्मा, नवादा की साहित्यकार प्रो. वीणा मिश्रा तथा नालंदा के कवि जयराम देवसपुरी को सम्मान प्रदान किया गया। समारोह में सम्मानित रचनाकारों के साहित्यिक योगदान की सराहना करते हुए मगही भाषा के संरक्षण, संवर्धन और नई पीढ़ी तक इसके साहित्य को पहुंचाने की आवश्यकता पर बल दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि किसी भाषा की वास्तविक



समृद्धि उसकी लोकपरंपरा, रचनात्मक अभिव्यक्ति और उसे जीवित रखने वाले साहित्यकारों से होती है। ऐसे आयोजनों से साहित्यकारों के योगदान को सम्मान मिलता है और नवोदित रचनाकारों को भी प्रेरणा प्राप्त होती है।

● 1968 से अंतिम समय तक मगही साहित्य की साधना :- स्व. रामरतन प्रसाद सिंह 'रत्नाकर' मगध की उस साहित्यिक परंपरा के प्रतिनिधि रचनाकार थे, जिन्होंने मातृभाषा मगही को केवल बोलचाल की भाषा तक सीमित नहीं रहने दिया, बल्कि उसे साहित्यिक अभिव्यक्ति, लोकजीवन और सांस्कृतिक पहचान का सशक्त माध्यम बनाने के लिए जीवनभर प्रयास किया। उपलब्ध प्रकाशित जीवन-वृत्त के अनुसार, उन्होंने

लोकपरंपराओं और सामाजिक-सांस्कृतिक चेतना की झलक मिलती थी। उनकी साहित्यिक यात्रा का एक महत्वपूर्ण पक्ष पत्रिका-संपादन भी था। उनके संपादन में 'मगही संवाद' और 'सतत' नाम से 27 पत्रिकाओं के प्रकाशन का उल्लेख मिलता है। उनकी प्रमुख मगही पुस्तकों में 'गांव के लक्ष्मी', 'राजगीर दर्शन', 'पगडंडी के नायक', 'मरघट के फूल', 'मगध की संस्कृति' और 'फगुनी के याद' शामिल हैं। हिंदी में भी उन्होंने 'बलिदान', 'शहीद', 'संस्कृति संगम', 'आस्था का दर्शन', 'लोकगाथाओं का सांस्कृतिक मूल्यांकन', 'ब्रह्मर्षि कुल भूषण' और 'बजरंगी' जैसी पुस्तकों के माध्यम से साहित्यिक योगदान दिया। उनके साहित्यिक अवदान के लिए उन्हें 'मगही रत्न' सहित विभिन्न सम्मानों से नवाजा गया था।

● साहित्यिक विरासत को आगे बढ़ाने का संकल्प :-

रत्नाकर की प्रथम पुण्यतिथि पर आयोजित समारोह ने यह संदेश दिया कि साहित्यकार का जीवन उसकी रचनाओं में लंबे समय तक जीवित रहता है। उनकी लेखनी ने मगही भाषा, मगध की संस्कृति और लोकजीवन से जुड़े विषयों को साहित्य में स्थान दिलाया। उनका स्मरण केवल एक दिवंगत साहित्यकार को श्रद्धांजलि देना नहीं, बल्कि अपनी भाषा और सांस्कृतिक विरासत के प्रति जिम्मेदारी को दोहराना भी है।

समारोह में उपस्थित साहित्यकारों और साहित्यप्रेमियों ने उनके योगदान को याद करते हुए मगही साहित्य के अध्ययन, लेखन, प्रकाशन तथा नई पीढ़ी के बीच इसके प्रचार-प्रसार को आगे बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। रत्नाकर फाउंडेशन की ओर से आयोजित यह कार्यक्रम साहित्यिक विरासत के संरक्षण और वरिष्ठ रचनाकारों के सम्मान की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में सामने आया। ●



वर्ष 1968 से साहित्य-साधना शुरू की थी और जीवन के अंतिम समय तक मगही भाषा की समृद्धि के लिए सक्रिय रहे।

वारिसलीगंज प्रखंड के मकनपुर गांव से जुड़ाव रखने वाले रत्नाकर साहित्य के साथ पत्रकारिता और इतिहास लेखन में भी सक्रिय थे। उनके लेखन में मगध की मिट्टी, ग्रामीण जीवन,

पुलिस को चुनौति : नवादा का हिंसुआ फिर अपराध के साये में..!

बढ़ते अपराध, हिंसुआ बिहार पुलिस के लिए बना सबसे बड़ा सिरदर्द - विशेष रिपोर्ट



● अमित कुमार सिंह/मिथिलेश कुमार/मनीष कमलिया

म गध की धरती ज्ञान ओर मौक्ष की धरती रही है। लेकिन इन दिनों नवादा का हिंसुआ अपराध के साये में लोग जीने को बेवस है। प्रणय हत्या काण्ड की गुत्थी अभी सुलझी भी नहीं की भी आर्मी के जिला अध्यक्ष धर्मेन्द्र राजवंशी के भाई पर कॉलेज के पास चाकू से जानलेवा हमला हुआ किसी तरह जान बची वही कुछ दिनों बाद हिंसुआ बाजार में दिन दहाड़े स्वर्ण व्यवसायी पर गोलियों से हमला बाल-बाल जान बचे सरकार कहती है कि बिहार में सुशासन की सरकार है। पर आज आम नागरिक सुरक्षित नहीं है। चारों तरफ अपराध, आरजकता लूट बलात्कार का आलम है। जिला प्रशासन अमन चौन का दावा करती है। लेकिन अपराधियों पर नकेल कसने पर नाकाम रही है। इस तरह के माहौल में लोग कैसे जियेंगे। हिंसुआ नाला रोड स्थित डी0 डी0 एम0 कॉलेज के पीछे की घटना बताई जा रही है। परिजनों के अनुसार शैलेन्द्र कुमार उस वक्त रास्ते से गुजर रहे थे। इसी दौरान कथित रूप से 7 से 8 लोग घात लगाकर घेर लिया और उनपर मारपीट की गई और चाकू से वार कर उन्हें घायल कर दी गई और घटना के तुरंत बाद चार पहिया वाहन के घटना स्थल पर पहुंचने पर अपराधियों ने शैलेन्द्र कुमार को छोड़ दिया। साथ ही परिजनों का आरोप है कि उन्हें तथा भाई धर्मेन्द्र राजवंशी और हिंसुआ नगर परिषद के उपमुख्य पार्षद टिंकु कुमार को जान मारने की धमकी दी गई है। घटना के बाद घायल शैलेन्द्र कुमार को इलाज के लिए हिंसुआ प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र लाया गया वहा प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर चिकित्सा हेतु नवादा सदर अस्पताल रेफर कर दिया। इसके बाद परिजन उन्हें वापस हिंसुआ ले गये। उनके घर पर कई नेता लव कुष चन्द्रवंशी एवं भीम आर्मी के सदस्य मिलने घर पर गये। इधर अपराधियों के

हौसले बुलंद है। हिंसुआ बाजार में दो बाइक पर पहुंचे अपराधियों ने घेरा गोली से बाल बाल बचे व्यवसायी एक सप्ताह में दूसरी वारदात से हिंसुआ व्यवसायी समाज में दहशत का माहौल है। पैदल आये अपराधी ने थैला झपटा और भागने लगे प्रमोद वर्मा ने हिम्मत दिखाते हुए अदभ्य साहस का परिचय दिया उसका पीछा किया और थैला वापस लेने कि कोशिश की इसी दौरान दो मोटर साइकिल पर सवार अन्य साथी पहुंच गये और व्यवसायी को घेर लिया। खुद को घिरा देख अपराधियों से बचने का प्रयास किया, इसी दौरान मोटरसाइकिल सवार अपराधी ने गोली चला दी गोली चलते ही व्यवसायी सड़क पर लेट गया गोली सीधे लगने से बच गई। सड़क पर गिरने के कारण हल्की चोट आई गोली का छिटका गाल पर हलकी खरोच आई इसके बाद अपराधी हथियार लहराते हुए मौके से फरार हो गया अपराधी व्यवसायी के घर से 20-25 कदम की दूरी पर घटना को अंजाम दिया थैले में नौ हजार रुपये नगद दुकान की चाबी से भरा थैला लुटकर ले गया घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस सदर एसडीपीओ-2 राहुल सिंह, थानाध्यक्ष मृत्युंजय कुमार, एस.आई. देवी कुमारी, एसआई राकेश कुमार रौशन और उमेश राम पुलिस बल के साथ घटना स्थल पर पहुंचे और घटना स्थल का जायजा लेने के साथ वहाँ एक खोखा बरामद किया। पुलिस अब आस पास लगे सी0 सी0 टी0 वी0 कैमरे का फूटेज खंगाल रही है। अपराधियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। पुलिस ने घटना स्थल के आस पास के लोगों से पूछताछ की है। इधर 30 सितम्बर की शाम नवादा रोड स्थित विश्व शांति चौक के पास अपराधियों ने जेवर दुकान संचालक भोला कुमार की बाइक की डिक्की से सोने की छः जिउतिया और दुकान की चाभियाँ चोरी कर ली। लगातार दो घटनाओं के बाद व्यवसायीयों में काफी आक्रोश और दहशत में है। जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो उसके बीच सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ेगी। इस घटना के बाद लोगों में भय का माहौल व्याप्त है।●



पितृपक्ष में श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा दें : सीएम

● मो० सईद

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने 25 सितंबर को पितृपक्ष मेला के अवसर पर गयाजी पहुंचकर विष्णुपद मंदिर में पूजा-अर्चना की और प्रदेश की सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। इसके बाद उन्होंने देवघाट का निरीक्षण कर श्रद्धालुओं के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को घाट, आवासन, पेयजल, स्वच्छता और सुरक्षा समेत सभी आवश्यक सुविधाएं बेहतर रखने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पितृपक्ष के दौरान देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु गयाजी आते हैं। उनके लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। बिहार की परंपरा 'अतिथि देवो भव' की रही

है। इसलिए गयाजी आने वाले श्रद्धालुओं और अतिथियों का सम्मान एवं आत्मीयता के साथ स्वागत किया जाना चाहिए, ताकि वे सुखद अनुभव लेकर लौटें।

मुख्यमंत्री ने पितृपक्ष मेला के अवसर पर टेंट सिटी का उद्घाटन भी किया। उन्होंने कहा कि पितृपक्ष सनातन संस्कृति में पूर्वजों के प्रति श्रद्धा, सम्मान और कृतज्ञता का पर्व है। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए गयाजी में सुविधाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है। तकनीक और ऐप के माध्यम से भी श्रद्धालुओं को सुविधाएं दी जा रही हैं तथा विभिन्न भाषाओं

में जानकारी उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है।



₹ 3500 करोड़ से विकसित होगा विष्णुपद कॉरिडोर :- मुख्यमंत्री ने कहा कि विष्णुपद कॉरिडोर के विकास के लिए केंद्र और राज्य सरकार मिलकर करीब 3500 करोड़ रुपये खर्च करेंगी। इसमें 2500 करोड़

रुपये कॉरिडोर के विकास के लिए प्रस्तावित हैं। उन्होंने इसे मंदिर विकास से जुड़ी महत्वपूर्ण परियोजनाओं में शामिल बताया। उन्होंने कहा कि गयाजी को अंतरराष्ट्रीय हवाई संपर्क से जोड़ने की दिशा में भी प्रयास किए जा रहे हैं।

पितृपक्ष के अंतिम दिन फल्गु तट पहुंचे मुख्यमंत्री

पितरों के प्रति श्रद्धा और आस्था व्यक्त करने के लिए मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शनिवार को गया पहुंचे। गया एयरपोर्ट पर उतरने के बाद वे सड़क मार्ग से बोधगया मठ पहुंचे, जहां धार्मिक परंपराओं के अनुसार पवित्र फल्गु नदी में विधि-विधान से तर्पण किया। पितृपक्ष के अंतिम दिन मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर प्रशासनिक महकमा पूरी तरह अलर्ट रहा। मुख्यमंत्री के दौरे को देखते हुए गया एयरपोर्ट से बोधगया तक सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। उनके काफिले के गुजरने वाले मार्ग पर पुलिस बल की तैनाती की गई थी। सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी के लिए संबंधित अधिकारी लगातार मुस्तैद रहे। सनातन धर्म में गयाजी को पिंडदान और तर्पण के लिए प्रमुख तीर्थस्थल माना जाता है। मान्यता है कि यहां पितरों के निमित्त धार्मिक अनुष्ठान करने से पूर्वजों के प्रति श्रद्धा अर्पित की जाती है और उनकी मोक्ष प्राप्ति की कामना की जाती है। इसी धार्मिक परंपरा के तहत मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने फल्गु नदी में तर्पण कर अपने पूर्वजों के प्रति श्रद्धा व्यक्त की।



बैंकॉक, इंडोनेशिया, खाड़ी देशों समेत दुनिया के प्रमुख शहरों से हवाई संपर्क बढ़ने से श्रद्धालुओं के साथ पर्यटन और आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

अक्टूबर से 20 हजार करोड़ के निवेश की प्रक्रिया :- मुख्यमंत्री ने कहा कि बोधगया में इंटीग्रेटेड मैनुफैक्चरिंग क्लस्टर (आइएमसी) की शुरुआत की जा रही है। अक्टूबर से करीब 20 हजार करोड़ रुपये के औद्योगिक निवेश को जमीन पर उतारने की प्रक्रिया शुरू होने की बात कही। इससे रोजगार के नए अवसर सृजित होने की उम्मीद है। करीब 1000 करोड़ रुपये की लागत से सोन नदी का पानी फल्गु नदी में लाने

की योजना पर भी काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि जीविका के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त किया जा रहा है। राज्य में एक करोड़ लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य है। अब तक 43 लाख महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं।

कार्यक्रम में डाक विभाग की ओर से जारी विशेष डाक लिफाफे का विमोचन किया गया। पंडा समाज की ओर से लिखित 'पाचन तीर्थ गयाजी' पुस्तक का विमोचन तथा मानपुर पटवा टोली के बुनकरों द्वारा निर्मित गयाजी धाम अंगवस्त्र का लोकार्पण भी मुख्यमंत्री ने किया। कार्यक्रम को केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम

उद्यम मंत्री सह गया सांसद जीतनराम मांझी और स्वास्थ्य मंत्री निशांत ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, उप मुख्यमंत्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव, कृषि मंत्री सह गया जिला प्रभारी मंत्री विजय कुमार सिन्हा, पर्यटन मंत्री कंदार प्रसाद गुप्ता समेत कई मंत्री, विधायक, जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे। मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, डीजीपी प्रीता वर्मा, मुख्यमंत्री के सचिव संजय कुमार सिंह, मगध प्रमंडल की आयुक्त डॉ. सफीना एएन, आइजी विकास वैभव, जिलाधिकारी शशांक शुभंकर और एसएसपी सुशील कुमार समेत अन्य अधिकारी उपस्थित थे। ●



अग्निवीर सुभाष चौधरी को अंतिम विदाई देने उमड़ा जनसैलाब

● मो० सईद

दे श सेवा का जज्बा लेकर भारतीय सेना में शामिल हुए बांके बाजार प्रखंड के जमुआराखुर्द गांव निवासी अग्निवीर सुभाष कुमार चौधरी के निधन से पूरे इलाके में शोक की लहर है। युवा अग्निवीर को अंतिम विदाई देने और श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए हजारों लोग जुटे। हर आंख नम थी और माहौल गमगीन रहा। अपने गांव के होनहार बेटे को खोने का दुख लोगों के चेहरों पर साफ दिखाई दिया। सुभाष कुमार चौधरी, गया चौधरी और मनवा

उनके पेट में चला गया। इसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई और हालत गंभीर हो गई।

अजमेर में एक सप्ताह तक चला इलाज :- तबीयत खराब होने पर सुभाष को बेहतर उपचार के लिए अजमेर ले जाया गया। वहां करीब एक सप्ताह तक उनका इलाज चला, लेकिन चिकित्सकों के प्रयास के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका। उनके निधन की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। गांव सहित आसपास के इलाकों में शोक छा गया।

प्रशासनिक अधिकारी और पुलिस जवान रहे मौजूद

:- अग्निवीर सुभाष चौधरी को श्रद्धांजलि देने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। इस दौरान शेरघाटी के अनुमंडल पदाधिकारी जतिन कुमार, बांके बाजार के प्रखंड विकास पदाधिकारी उदय कुमार और अंचलाधिकारी सूरज कुमार सहित पुलिस के जवान मौजूद रहे। अधिकारियों की मौजूदगी में दिवंगत अग्निवीर



देवी के पुत्र थे। वह वर्ष 2023 में भारतीय सेना में अग्निवीर के रूप में भर्ती हुए थे। उनकी तैनाती राजस्थान के जैसलमेर में थी। बताया गया कि ड्यूटी के दौरान डीजल से संबंधित काम करते समय मुंह से तेल खींचने की कोशिश में डीजल

को सम्मान दिया गया। देश की सेवा के लिए सेना में भर्ती हुए सुभाष का असमय निधन उनके परिवार के साथ-साथ पूरे क्षेत्र के लिए गहरा आघात है। गांव के लोगों ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि देते हुए शोकाकुल परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की। ●

करोड़ों की लागत से बना पंचायत सरकार भवन खंडहर में तब्दील

● अब्दुल कैयूम

पं चायत राज व्यवस्था के तहत पंचायतवासियों की समस्याओं को दूर करने तथा प्रखंड के चक्करड़ से छुटकारा दिलाने तथा पंचायत के कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर पारदर्शिता पूर्ण उतारने के उद्देश्य से प्रखंड क्षेत्र के डेहटी उत्तर में बना पंचायत सरकार भवन उर्फ मिनी ब्लॉक के सपनों को पंख नहीं लग पा रहा है। जिस कारण आज भी लोग पंचायत संबंधी कार्यों के लिए प्रखंडों का चक्कर लगा रहे हैं। फिर भी उनके कार्यों का निपटारा नहीं हो पा रहा है। वे लोग आज भी अपूर्ण निर्मित पंचायत सरकार भवन को टकटकी लगाए देख रहे हैं कि कब उनके सभी कार्यों का निपटारा पंचायत में होगा। मिली जानकारी के अनुसार प्रखंड के डेहटी उत्तर पंचायत में करीब दस वर्ष पूर्व सरकार भवन का कार्य शुभारंभ हुआ था। जो आज तक अपूर्ण पड़ा हुआ है। इस बाबत मुखिया राम कृपाल विश्वास ने बताया कि पंचायत सरकार भवन का अग्रिमेट संवेदक के नाम 2012-13 में हुआ है। जो आज तक संवेदक द्वारा हैंड ओवर नहीं किया गया। जिस कारण आज उक्त सरकार भवन खंडहर में तब्दील नजर आ रहा है। विभागीय उदासीनता व



मुखिया राम कृपाल विश्वास

पलासी के डेहटी उत्तर पंचायत में वर्षों से अपूर्ण पंचायत सरकार भवन



संवेदक के लापरवाही के यह पंचायत सरकार भवन का सपना पंचायतवासियों के लिये कोरा साबित हो रहा है। इस मामले को लेकर मुखिया राम कृपाल विश्वास द्वारा ग्रामीण विभाग पटना, तत्कालीन डीएम सहित वर्तमान डीएम को आवेदन देकर अपूर्ण पंचायत सरकार भवन को पूर्ण कराने की मांग की है। जबकि वर्तमान समय में उक्त पंचायत सरकार भवन में घास, फूस, सांठी व भैसों का रहने का स्थल बन चुका है।

☞ **क्या क्या सुविधा होगी पंचायत सरकार भवन में :-** पंचायत सरकार भवन उर्फ मिनी ब्लॉक में पंचायतवासियों की सुविधा के लिए इनटर नेट सेवा होगी, जहां से वे लोग ऑन लाइन कर सकेंगे। आर्टीपीएस के लिए काउंटर सुविधा होगा जहां से जाती, निवासी, पेंशन, आदि का आवेदन होगा। इसके अलावे जन्म मृत्यु पंजीकरण, सचिव, सरपंच कार्यालय सहित पंचायत संबंधी कार्यों के निपटारे के लिए अलग अलग काउंटर होगी। इस के अलावे आम सभा व सरपंच कोर्ट संचालन के लिए हॉल होगी। इस के अलावे बाथ रूम व शौचालय की व्यवस्था होगी।

☞ **क्या कहते हैं ग्रामीण :-** स्थानीय ग्रामीण विनोद विश्वास, संजय पंजियार, आनंदी यादव, ओम प्रकाश मांझी, सत्यनारायण, सिदानंद मंडल,

बुद्ध नारायण यादव आदि का कहना है कि पंचायत सरकार भवन उर्फ मिनी ब्लॉक पंचायत में निर्माण कार्य शुरू होने से वे लोग काफी उत्साहित थे। की अब पंचायत संबंधी कार्यों के लिए उन्हें ब्लॉक का चक्कर नहीं लगाना होगा, लेकिन वर्षों बाद भी पंचायत सरकार भवन को अमली जामा नहीं पहुंचाया गया, जिस कारण आज भी उन लोगों को विभिन्न कार्यों जाती, निवासी, पेंशन, दाखिल खारिज सहित अन्य योजनाओं के लाभ के लिए प्रखंड के चक्कर काटना पड़ता है।

☞ **क्या कहते हैं मुखिया :-** डेहटी उत्तर पंचायत के मुखिया राम कृपाल विश्वास ने कहा कि पंचायत सरकार भवन का कार्य वर्ष 2012-13 में शुरू हुआ था। इस कार्य का अग्रिमेट संवेदक के नाम से हुआ था। लेकिन उक्त पंचायत सरकार भवन आज भी अपूर्ण है। जब कि उनके द्वारा तत्कालीन सभी डीएम व वर्तमान डीएम को 01 सितंबर को आवेदन दी गयी है। साथ ही साथ अपूर्ण पंचायत सरकार भवन पूर्ण हो सके। मुखिया राम कृपाल विश्वास ने बताया कि अपूर्ण पंचायत सरकार भवन को पूर्ण कराने की मांग को लेकर माननीय मंत्री ग्रामीण विभाग व पंचायती राज्य मंत्रालय को भी आवेदन देकर अपूर्ण पंचायत सरकार भवन को पूर्ण कराने की गुहार लगाई गई है। ●

जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर स्थानीय व्यंजनों की प्रदर्शनी

● अब्दुल कैयूम

9वें

राष्ट्रीय पोषण माह 2026 के अंतर्गत आज जिले के सभी 2811 आंगनबाड़ी केंद्रों पर पोषण जागरूकता से संबंधित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस दौरान आंगनबाड़ी केंद्रों पर पौष्टिक खिचड़ी का प्रदर्शन, स्थानीय व्यंजन एवं भोजन सामग्री की प्रदर्शनी, बच्चों को ग्राम/स्थानीय स्तर पर तैयार पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने तथा भोजन एवं पोषण पर चर्चा जैसी गतिविधियां आयोजित की गई। आंगनबाड़ी सेविकाओं द्वारा बच्चों एवं उनके अभिभावकों को स्थानीय स्तर पर उपलब्ध खाद्य पदार्थों से तैयार पौष्टिक एवं संतुलित भोजन के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही समुदाय के लोगों को बच्चों के स्वस्थ विकास के लिए विविधतापूर्ण एवं पोषक आहार अपनाने के प्रति जागरूक किया गया।

☞ **पालासी परियोजना के केंद्र संख्या 116 पर विशेष कार्यक्रम :-** इसी क्रम में पालासी परियोजना अंतर्गत ग्राम पंचायत सुखसैना के आंगनबाड़ी केंद्र संख्या 116 पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला प्रोग्राम पदाधिकारी कविता कुमारी, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, पालासी सदानंद दास तथा महिला पर्यवेक्षिका श्वेता कुमारी एवं रीता कुमारी की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत सुखसैना की मुखिया शाहीन परवीन ने भी भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान आंगनबाड़ी सेविका द्वारा बेकार कागज एवं अन्य अनुपयोगी सामग्री से बच्चों के लिए खिलौनों का निर्माण कर उसकी प्रदर्शनी लगाई गई। बच्चों को खेल-खेल में सीखने एवं पढ़ाई के प्रति रुचि विकसित करने के उद्देश्य से कम लागत एवं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध सामग्री से शिक्षण-



अधिगम सामग्री तैयार करने की गतिविधि भी प्रदर्शित की गई। इस अवसर पर आंगनबाड़ी केंद्र परिसर में पोषण विषयक रंगोली भी बनाई गई तथा उपस्थित लोगों को पोषण एवं बाल विकास से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। इस अवसर पर जिला प्रोग्राम पदाधिकारी कविता कुमारी एवं बाल विकास परियोजना पदाधिकारी द्वारा जिले की सभी आंगनबाड़ी सेविकाओं को पोषण माह के दौरान बेहतर एवं सराहनीय कार्य करने के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई। उन्होंने सेविकाओं द्वारा समुदाय तक पोषण का संदेश पहुंचाने तथा विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से जन-जागरूकता बढ़ाने के प्रयासों की सराहना की। साथ ही पोषण माह के महत्व, संतुलित एवं पौष्टिक आहार, स्थानीय एवं मौसमी खाद्य पदार्थों के उपयोग तथा बच्चों के स्वस्थ विकास से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी साझा की गई। बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, पालासी सदानंद दास द्वारा आंगनबाड़ी सेविकाओं के उत्कृष्ट कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई। साथ ही, पोषण माह के महत्व, बच्चों एवं माताओं के पोषण, संतुलित आहार तथा स्थानीय खाद्य पदार्थों के उपयोग से

संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। पदाधिकारियों ने सेविकाओं को पोषण जागरूकता गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाने तथा समुदाय तक पोषण का संदेश पहुंचाने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत सुखसैना की मुखिया शाहीन परवीन ने पोषण माह के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बच्चों एवं महिलाओं के लिए पौष्टिक एवं संतुलित आहार को आवश्यक बताया। उन्होंने समुदाय से पोषण संबंधी गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी करने की अपील की। वहीं, जिला समन्वयक, पोषण अभियान द्वारा आंगनबाड़ी सेविका द्वारा स्थानीय एवं अनुपयोगी सामग्री के बेहतर उपयोग से बच्चों के लिए खिलौने एवं शिक्षण सामग्री तैयार करने तथा पोषण जागरूकता के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की गई। कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि पोषण केवल महंगे खाद्य पदार्थों पर निर्भर नहीं है, बल्कि स्थानीय, मौसमी एवं उपलब्ध खाद्य सामग्रियों के सही संयोजन से भी बच्चों और परिवार को पौष्टिक आहार उपलब्ध कराया जा सकता है। मौके पर एलएस स्वेता कुमारी, रीता कुमारी, आदि मौजूद थे। ●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/8340360961

ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

ओडीएफ स्थिरता एवं जलवायु-संवेदी वाश तकनीकी विषय पर कार्यशाला

● अब्दुल कैयूम

डी

एम अररिया विनोद दूहन के दिशा निर्देश के आलोक में 15 अक्टूबर को डीआरडीए सभागार अररिया में ओडीएफ स्थिरता एवं जलवायु-संवेदी वाश तकनीकी विषय पर जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ उप विकास आयुक्त अररिया रोजी कुमारी, निदेशक जिला ग्रामीण विकास अभिकरण अररिया एवं उपस्थिति पदाधिकारी द्वारा संयुक्त रूप दीप प्रज्वलित कर किया गया। यह कार्यशाला डीआरडीए अररिया एवं यूनिसेफ तथा सहयोगी संस्था जीपीएसभीएस के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में यूनिसेफ के वाश अधिकारी सुधाकर रेड्डी ने बताये की स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण एवं लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के अंतर्गत जिले ने घरेलू शौचालयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा खुले में शौच से मुक्त स्थिति प्राप्त करने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। अब इन उपलब्धियों को लंबे समय तक बनाए रखना, स्वच्छता परिसंपत्तियों का उचित

रखरखाव सुनिश्चित करना तथा स्वच्छता सेवाओं की निरंतरता बनाए रखना महत्वपूर्ण है। अररिया जिला बाढ़ जैसी चुनौतियों से प्रभावित रहता है। इन परिस्थितियों में पारंपरिक स्वच्छता प्रणालियों के समक्ष विभिन्न समस्याएँ उत्पन्न होती हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण इन जोखिमों में वृद्धि होने की संभावना को देखते हुए जलवायु-संवेदी

गया। साथ ही, स्वच्छता अवसंरचना को जलवायु एवं आपदा जोखिमों के प्रति सक्षम बनाने, स्वच्छता परिसंपत्तियों के समयबद्ध रखरखाव, उपयुक्त तकनीकों के उपयोग तथा स्थानीय संस्थागत व्यवस्थाओं को मजबूत करने के लिए व्यावहारिक उपायों की पहचान के बारे में बताया गया। यूनिसेफ के राज्य सलाहकार निकेत झा ने सतत विकास लक्ष्य-6 (कूट-6) के अंतर्गत स्वच्छ जल एवं स्वच्छता संबंधी लक्ष्यों को प्राप्ति जिले में ओडीएफ की स्थिरता को सुदृढ़ करना, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के प्रति स्वच्छता प्रणालियों की अनुकूलन क्षमता बढ़ाना तथा ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षित एवं टिकाऊ स्वच्छता सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने विषय पर विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में सभी लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग से कनीय अभियंता, सभी प्रखंडों के प्रखंड विकास पदाधिकारी, जिला समन्वयक एवं सभी प्रखंड समन्वयक लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान, जिला प्रबंधक एवं सभी प्रखंड परियोजना प्रबंधक जीविका सभी प्रखंडों से पंचायती राज संस्था पदाधिकारी, यूनिसेफ एवं जीपीएसभीएस के प्रतिनिधि ने भाग लिया। ●



दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उदघाटन करते डीडीसी व अन्य

एवं आपदा-रोधी वाश तकनीकों को अपना आवश्यक है।

कार्यशाला के दौरान ओडीएफ की अब तक की उपलब्धियों, वर्तमान चुनौतियों एवं भविष्य की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया

समन्वयक लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान, जिला प्रबंधक एवं सभी प्रखंड परियोजना प्रबंधक जीविका सभी प्रखंडों से पंचायती राज संस्था पदाधिकारी, यूनिसेफ एवं जीपीएसभीएस के प्रतिनिधि ने भाग लिया। ●

आंगनबाड़ी केंद्रों पर विशेष गोदभराई कार्यक्रम आयोजित

● अब्दुल कैयूम

रा

ष्ट्रीय पोषण माह 2026 के अंतर्गत 'सेवा संकल्प' अभियान के तहत आंगन मिलन कार्यक्रम को लेकर जिले के सभी 2811 आंगनबाड़ी केंद्रों पर गुरुवार को विशेष गोदभराई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पोषण क्षेत्र की 3 से 4 माह की गर्भवती महिलाओं की गोदभराई की गई। इस दौरान गर्भवती महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान उचित पोषण, स्वास्थ्य देखभाल एवं सुरक्षित मातृत्व से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। इस दौरान गर्भवती महिलाओं एवं उनके परिवारों को पौष्टिक आहार लेने, नियमित स्वास्थ्य जांच एवं आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ

लेने तथा गर्भावस्था के दौरान विशेष सावधानी बरतने के लिए जागरूक किया गया। भरगामा प्रखंड के एक आंगनबाड़ी केंद्र पर आयोजित विशेष गोदभराई कार्यक्रम में नरपतंग की



विधायक देवती देवी ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। उन्होंने गर्भवती महिलाओं को शुभकामनाएं देते हुए मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के

लिए पोषण और नियमित देखभाल के महत्व पर प्रकाश डाला तथा समुदाय से पोषण संबंधी गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता की अपील की। गोदभराई कार्यक्रम के दौरान जागरूकता गतिविधियों का भी आयोजन किया गया। जहां संतुलित आहार, मातृ स्वास्थ्य, पोषण एवं शिशु के बेहतर विकास से संबंधित आवश्यक संदेश दिए गए। डीपीओ कविता कुमारी द्वारा विशेष रूप सभी कार्यक्रमों का नियमित अनुश्रवण किया जा रहा है। उन्होंने विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों पर आयोजित गतिविधियों की समीक्षा करते हुए संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा सेवा संकल्प अभियान के उद्देश्यों को जमीनी स्तर तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने पर जोर दिया। ●

स्मैक के साथ दो युवक गिरफ्तार, न्यायिक हिरासत में भेजे गए

● अब्दुल कैय्यूम

अ

ररिया जिला के पलासी थाना क्षेत्र में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर गत रविवार को छपनियां चौक स्थित वार्ड नंबर एक के समीप वाहन जांच अभियान चलाकर बाइक सवार दो युवकों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार युवकों की पहचान सिकटी थाना क्षेत्र के सिंधिया निवासी पप्पू कुमार यादव और सुजीत कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने तलाशी के दौरान दोनों के पास से 28 ग्राम स्मैक, एक बाइक, दो मोबाइल और 22 हजार 200 रुपये नकद बरामद किए हैं। इस मामले में अवर निरीक्षक विजय कुमार यादव के बयान पर पलासी थाना में नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद सोमवार को दोनों आरोपितों को न्यायिक हिरासत में भेजने के लिए अररिया न्यायालय में प्रस्तुत किया।

☞ गुप्त सूचना पर चलाया गया वाहन जांच

अभियान :- इस संबंध में पलासी थानाध्यक्ष मिथिलेश कुमार ने बताया कि रविवार को गुप्त सूचना मिली थी कि बाइक सवार दो युवक स्मैक लेकर सिकटी के रास्ते छपनियां होते हुए धर्मगंज की ओर जा रहे हैं। सूचना के सत्यापन

पुलिसकर्मियों ने उन्हें पकड़ लिया। इसके बाद नियमानुसार तलाशी ली गई।

☞ **पप्पू की जेब से मिला 28 ग्राम स्मैक :-** थानाध्यक्ष के अनुसार, तलाशी के दौरान पप्पू कुमार यादव की पैंट की जेब से पन्नी में

लपेटकर रखा गया 28 ग्राम स्मैक, एक मोबाइल और 20 हजार रुपये नकद बरामद किए गए। वहीं, दूसरे युवक सुजीत कुमार के पास से एक मोबाइल और 2,200 रुपये नकद मिले। पुलिस ने बरामद सामान के साथ बाइक भी जब्त कर ली। थानाध्यक्ष ने बताया कि मामले में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की गई है। दोनों आरोपितों को सोमवार को न्यायालय में भेज दिया गया। पलासी थानाध्यक्ष मिथिलेश कुमार ने बताया कि पुलिस नशा कारोबारियों



स्मैक के साथ गिरफ्तार तस्कर



थानाध्यक्ष मिथिलेश कुमार

के बाद गठित छापेमारी टीम ने छपनियां चौक के समीप राजस्व कर्मचारी की मौजूदगी में वाहन जांच अभियान शुरू किया। इसी दौरान बाइक पर सवार दो युवक वहां पहुंचे। पुलिस टीम को देखकर दोनों भागने का प्रयास करने लगे, लेकिन

के खिलाफ लगातार धड़पकड़ अभियान चला रही हैं। उन्होंने बताया कि बीते माह में करीब 150 ग्राम स्मैक के साथ तस्करों की गिरफ्तारी हुई है। उन्होंने बताया कि पलासी पुलिस नशा के खिलाफ लगातार अभियान चला रही हैं। ●

मेधावी छात्राओं को डीएम द्वारा मिला सम्मान

● अब्दुल कैय्यूम

म

हिला एवं बाल विकास निगम अररिया द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर परमान सभागार अररिया में जिला पदाधिकारी विनोद दूहन की अध्यक्षता में “मदक बेपसक डंततपंहम दक प्दअमेज पद ठपतसे’ त्पहीजे” थीम पर आधारित संवाद व सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ डीएम एवं उपस्थित पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में जिला पदाधिकारी ने बालिकाओं से सीधा संवाद किया गया। इस क्रम में बालिकाओं ने बारी बारी से कई सवाल पूछे। जिसमें बाल विवाह, सुरक्षा, शिक्षा के स्तर में सुधार कैसे लाया जाये और यूपीएससी की परीक्षा में सफल होने के मंत्र शामिल रहे। जिलाधिकारी ने सभी बच्चों के सवाल के उत्तर देकर संतुष्ट किया। डीएम विनोद दूहन ने

बालिकाओं के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि सभी बालिकाएं अपने अधिकारों को पहचानें तथा किसी भी प्रकार की अन्याय या भेदभाव के विरुद्ध आवाज उठाएं। उन्होंने कहा कि किसी भी समस्या या असुरक्षा की स्थिति में

के मैट्रिक और इंटरमीडिएट के सभी संकाय के टॉपर को प्रसस्ती पत्र तथा स्मार्ट घड़ी देकर सम्मानित भी किया गया। पुलिस उपाधिक्षक से बालिकाओं ने बाल विवाह, पुलिस सुरक्षा, नशा आदि पर भी संवाद किया। जिला प्रोग्राम पदाधि कारी कविता कुमारी ने बालिका शिक्षा सुरक्षा, उनके अधिकार एवं संरक्षण विषयों पर विस्तृत जानकारी दी। जिला मिशन समन्वयक DHEW ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम के दौरान बालिकाओं को महिला सुरक्षा, बाल विवाह, दहेज प्रथा आदि से संबंधित शॉर्ट फिल्म भी दिखाया गया। मौके पर जिला शिक्षा पदाधिकारी, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, सिविल सर्जन, महिला एवं बाल विकास निगम अररिया की जिला कार्यक्रम प्रबंधक, लैंगिक विशेषज्ञ, DHEW के सभी कर्मी, वन स्टॉप सेंटर के कर्मी आदि मौजूद रहे। ●



बालिकाएं बेझिझक जिला प्रशासन एवं संबंधित अधिकारियों एवं जारी हेल्पलाइन 181, 112, 1098 नंबर पर सूचना देकर सहयोग प्राप्त करें। उन्होंने बालिकाओं को शिक्षा के प्रति जागरूक रहने, आत्मविश्वास बनाए रखने तथा अपने लक्ष्य के प्रति निरंतर मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी ने जिले

वार्ड सदस्य निकला जाली नोट कारोबार का सरगना

● अब्दुल कैयूम

अररिया जिले के महलगांव थाना पुलिस ने 2.17 लाख रुपये के जाली नोट के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया। उनके पास से पांच सौ रुपये के कुल 434 जाली नोट बरामद किए गए। यह जानकारी एसपी जितेन्द्र कुमार ने मंगलवार को अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित प्रेस वार्ता में दी। एसपी जितेन्द्र कुमार ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि महलगांव थाना क्षेत्र के इसरवा गांव में जाली नोट का कारोबार होता है और यह कारोबार स्थानीय स्तर पर चौकता पंचायत का वार्ड सदस्य मो.पनाउल्लाह उर्फ पनबुल संचालित करने का काम करता है। सूचना पर महलगांव थाना पुलिस के द्वारा बरहेगा गांव स्थित उनके कामत पर छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान मो. पनाउल्लाह उर्फ पनबुल पुलिस को देखकर भागने की कोशिश की, जिसे पुलिस ने खदेड़कर पकड़ते लिया। जब गिरफ्तार व्यक्ति की तलाशी ली गयी तो उनके कामत से पांच सौ के कुल 434 जाली नोट बरामद हुए। एसपी ने बताया कि मामले में महलगांव थाना में कांड संख्या 194/26



धारा 179,180,3(5) बीएनएस की धारा के तहत एफआईआर दर्ज किया गया है। और पुलिस इसके बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज को खंगालने में जुट गई है। एसपी जितेन्द्र कुमार ने बताया कि पूछताछ के क्रम में आरोपी ने बताया कि यह जाली नोट पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी से आया था और वह जाली नोट के नेटवर्क में काम करता है। एसपी ने जानकारी देते हुए बताया कि इससे पूर्व भी मो.पनाउल्लाह उर्फ पनबुल

चोरी के समान की बरामदगी के मामले में जेल जा चुका है और इसके खिलाफ महलगांव थाना में कांड दर्ज है। एसपी ने छापेमारी दल में शामिल टीम को प्रशस्ति पत्र और अवार्ड देकर सम्मानित करने की बात कही। छापेमारी दल में महलगांव थानाध्यक्ष ब्रजेश कुमार, अपर थानाध्यक्ष राजू कुमार, एसआई रोमा कुमारी, एसआई प्रेम कुमार, सिपाही रंजीत कुमार और होमगार्ड के जवान सदानंद यादव शामिल थे। ●

पौआखाली नगर पंचायत में सफाई व्यवस्था बेपटरी

● फरीद अहमद

नगर पंचायत पौआखाली क्षेत्र में इन दिनों साफ-सफाई और डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण की व्यवस्था बहाल हो गई है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए नगर पंचायत के उप मुख्य पार्षद ने कार्यपालक अधिकारी को पत्र लिखकर नाराजगी जताई है और संबंधित एजेंसी के भुगतान पर रोक लगाने की मांग की है। जारी पत्र के अनुसार, पौआखाली क्षेत्र में 'जटा शंकर ठाकुर स्मृति सेवा संस्था' द्वारा डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण और साफ-सफाई का कार्य कराया जा रहा है। हालांकि, इस व्यवस्था से स्थानीय लोग और जनप्रतिनिधि संतुष्ट नहीं हैं।

पत्र में उठाई गई मुख्य बातें :- लगातार अनदेखी: सफाई कर्मियों और संबंधित एजेंसी के प्रतिनिधियों को बार-बार मौखिक निर्देश दिए जाने के बावजूद नगर क्षेत्र में साफ-सफाई और कचरा संग्रहण में कोई सुधार नहीं हुआ है। आम जनता की परेशानी: कई इलाकों में नियमित रूप से कचरा नहीं उठने और साफ-सफाई न होने के



विषय : सफाई

नोटेबा
उप मुख्य पार्षद
नगर पंचायत, पौआखाली

नगर पंचायत पौआखाली
नगर विकास एवं आवास विभाग
आला- मिर्जापुर, नगर पंचायत पौआखाली (किशनगंज)
फोन : 9242437390

दिनांक 17.5

प्रति,
उप मुख्य पार्षद,
नगर पंचायत, पौआखाली।

सेवा में,
कार्यपालक पट्टिभारी,
नगर पंचायत, पौआखाली।

विषय,
नगर पंचायत पौआखाली में डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण एवं साफ-सफाई व्यवस्था में सुधार नहीं होने के संबंध में।

संग्रहण,
अनुरोध विषय के संबंध में कहना है कि नगर पंचायत, पौआखाली क्षेत्र में जटा शंकर ठाकुर स्मृति सेवा संस्था द्वारा डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण एवं साफ-सफाई का कार्य कराया जा रहा है। जटा शंकर ठाकुर स्मृति सेवा संस्था के प्रतिनिधियों को बार-बार मौखिक निर्देश दिए जाने के बावजूद नगर क्षेत्र में साफ-सफाई एवं डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण की व्यवस्था में सुधार नहीं हो पाया है। कई इलाकों में साफ-सफाई एवं डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण नहीं होने के कारण आम जनता की परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

अतः अनुरोध है कि जटा शंकर ठाकुर स्मृति सेवा संस्था से जेटी हुए कचरे का कार्य जल्द ही पूर्ण एवं सही ढंग से कराया जाए। साथ ही जटा शंकर ठाकुर स्मृति सेवा संस्था के प्रतिनिधियों को बार-बार मौखिक निर्देश दिए जाने के बावजूद नगर क्षेत्र में साफ-सफाई एवं डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण की व्यवस्था में सुधार नहीं हो पाया है।

विषयसंबंधित
है,
उप मुख्य पार्षद,
नगर पंचायत, पौआखाली।

आज्ञा,
प्रति,
जिला पट्टिभारी, किशनगंज की सेवा में शहर सुधार के संबंध में।

नोटेबा
उप मुख्य पार्षद,
नगर पंचायत पौआखाली
आला- मिर्जापुर

आदेश के तहत, नगर, नगर पंचायत पौआखाली

कारण स्थानीय नागरिकों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। भुगतान रोकने की संस्तुति: उप मुख्य पार्षद ने मामले की स्थानीय स्तर पर जांच एवं समीक्षा कराने तथा जब तक कार्य संतोषजनक रूप से शुरू न हो, तब तक

संबंधित एजेंसी 'जटा शंकर ठाकुर स्मृति सेवा संस्था' के भुगतानों पर रोक लगाने का निर्देश दिया है। इस संबंध में नगर पंचायत उपाध्यक्ष प्रतिनिधि अबू नसर आलम पौआखाली स्थलीय जांच कर कार्रवाई की मांग की है। ●

ओवरलोड लदा अवैध बालू ट्रैक्टर समेत जब्त

● धर्मेन्द्र सिंह/फरीद अहमद

कि

शनगंज जिले के पौआखाली थाना क्षेत्र के पावना पुल के समीप बूढ़ी कनकई नदी से अवैध रूप से बालू खनन कर ले जाए जा रहे एक ओवरलोड ट्रैक्टर को पुलिस ने पकड़ लिया। कार्रवाई पौआखाली थानाध्यक्ष शंख राज कर्ण के नेतृत्व में की गई। थानाध्यक्ष के अनुसार, पकड़े गए ट्रैक्टर के चालक से बालू से संबंधित वैध कागजात प्रस्तुत करने को कहा गया, लेकिन चालक किसी प्रकार का दस्तावेज पुलिस के समक्ष प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद बालू लदे ट्रैक्टर को थाना लाया गया। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद अवैध बालू खनन और परिवहन को लेकर क्षेत्र में एक बार फिर चर्चा तेज हो गई है। वहीं, सूत्रों का दावा है कि शंख राज कर्ण के पौआखाली थानाध्यक्ष का पद संभालने के बाद अवैध बालू परिवहन करने वालों पर पुलिस की सख्ती बढ़ी है। अब सवाल यह है कि बूढ़ी कनकई नदी से अवैध बालू खनन और उसके परिवहन के पीछे कौन लोग सक्रिय हैं और इस पूरे नेटवर्क पर आगे प्रशासन की कार्रवाई किस स्तर तक पहुंचती है।

☞ ओदरा घाट पर खनन विभाग की

छापेमारी, दो बालू लदे

ट्रैक्टर जब्त :- जिले में

अवैध बालू खनन एवं परिवहन के खिलाफ खनन विभाग ने कार्रवाई की है। जिला खान निरीक्षक सुनील कुमार के अनुसार, 29 सितंबर 2026 को करीब 11 बजे ओदरा घाट के पास खनन विभाग, किशनगंज थाना एवं अर्राबाड़ी थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने छापेमारी की। छापेमारी के दौरान दो ट्रैक्टरों को भागते हुए देखा गया। पुलिस बल को देखते ही दोनों ट्रैक्टरों के चालक बालू गिराकर वाहन छोड़कर फरार हो गए। कार्रवाई के दौरान नदी में बालू खनन के लिए इस्तेमाल किए जा रहे थर्मोकोल से बने दो नावों को जेसीबी की मदद से नष्ट किया गया। दोनों ट्रैक्टरों को जब्त कर किशनगंज थाना को सुपुर्द कर दिया गया है। मामले में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

☞ अवैध बालू परिवहन पर खनन विभाग



की कार्रवाई, किशनगंज ब्लॉक के पास ट्रैक्टर

जब्त :- जिले में अवैध खनन एवं खनिज पदार्थों के अवैध परिवहन के खिलाफ जिला प्रशासन की ओर से कार्रवाई तेज कर दी गई है। जिला पदाधिकारी के निर्देश पर बुधवार को दोपहर खनन विभाग की टीम ने छापेमारी अभियान चलाया। इस दौरान किशनगंज ब्लॉक के

कर लिया। इसके साथ ही ट्रैक्टर चालक को भी हिरासत में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए किशनगंज थाना को सुपुर्द कर दिया गया। विभाग द्वारा मामले की जानकारी पुलिस को देते हुए नियमानुसार कार्रवाई शुरू कराई गई है। जिला खान निरीक्षक सुनील कुमार के अनुसार, मामले में ट्रैक्टर मालिक एवं चालक के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया की जा रही है। विभाग द्वारा वाहन से संबंधित दस्तावेजों एवं बालू के परिवहन की वैधता की जांच भी कार्रवाई के क्रम में की जा रही है।

☞ अवैध खनन के खिलाफ

लगातार अभियान :- जिले में बालू

के अवैध खनन, परिवहन एवं बिना वैध अनुमति के खनिज पदार्थों की ढुलाई को लेकर खनन विभाग द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है। प्रशासन की ओर से संबंधित अधिकारियों को अवैध गतिविधियों पर नजर रखने तथा सूचना

मिलने पर तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। गौरतलब है कि जिले के विभिन्न क्षेत्रों में बालू के अवैध खनन और परिवहन की शिकायतें समय-समय पर सामने आती रही हैं। ऐसे में खनन विभाग की ओर से की जा रही छापेमारी को अवैध कारोबार पर रोक लगाने की कार्रवाई के रूप में देखा जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार, नियमों का उल्लंघन कर खनिज पदार्थों का परिवहन करने वाले वाहनों के विरुद्ध आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी। किशनगंज ब्लॉक के पास पकड़े गए ट्रैक्टर के मामले में प्राथमिकी



समीप अवैध रूप से

बालू का परिवहन करते एक ट्रैक्टर को पकड़ा गया। इस संबंध में जिला खान निरीक्षक सुनील कुमार ने बताया कि जिला पदाधिकारी के निर्देशानुसार खनन विभाग की टीम द्वारा अवैध खनन एवं परिवहन के विरुद्ध छापेमारी की गई थी। इसी क्रम में किशनगंज ब्लॉक के पास एक ट्रैक्टर को बालू का अवैध परिवहन करते हुए पकड़ा गया। कार्रवाई के दौरान खनन विभाग की टीम ने ट्रैक्टर को जब्त

दर्ज होने के बाद पुलिस एवं संबंधित विभाग द्वारा आगे की कानूनी प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

☞ **पेटभरी NH पर खनन विभाग की कार्रवाई, बालू लदे दो ट्रक समेत स्टोन डस्ट लदा ट्रक जब्त :-** तीनों वाहनों पर कुल 27.80 लाख रुपये का दंड अधिरोपित। अवैध खनन एवं खनिजों के अवैध परिवहन के खिलाफ जिला प्रशासन और पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में 1 अक्टूबर की सुबह जिला पदाधिकारी नवीन कुमार एवं पुलिस अधीक्षक संतोष के निर्देश पर खनन विभाग ने पौआखाली थाना पुलिस के सहयोग से संयुक्त छापेमारी अभियान चलाया। जिला खान निरीक्षक सुनील कुमार ने बताया कि संयुक्त टीम ने पौआखाली थाना क्षेत्र के पेटभरी छः के पास छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान टीम ने बालू लदे दो ट्रकों को

पकड़ा। इसके अलावा स्टोन डस्ट लदे एक अन्य ट्रक को भी जब्त किया गया। छापेमारी के दौरान पकड़े गए तीनों ट्रकों को आवश्यक कार्रवाई के लिए पौआखाली थाना परिसर में सुरक्षार्थ रखा गया है। खनन विभाग द्वारा वाहनों से संबंधित दस्तावेज एवं खनिज परिवहन के नियमों की जांच के बाद तीनों वाहनों के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई की गई है।

खान निरीक्षक सुनील कुमार के अनुसार, तीनों जब्त ट्रकों पर कुल 27.80 लाख रुपये का दंड अधिरोपित किया गया है। विभाग की इस कार्रवाई से अवैध खनन एवं बिना वैध कागजात खनिजों के परिवहन में लगे वाहन संचालकों में हड़कंप की स्थिति है। बताया गया कि जिला प्रशासन के निर्देश पर जिले में बालू समेत अन्य खनिजों के अवैध खनन, भंडारण

एवं परिवहन के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। विभाग द्वारा सड़क मार्गों पर वाहनों की जांच के साथ-साथ संदिग्ध गतिविधियों पर भी नजर रखी जा रही है। खनन विभाग की इस कार्रवाई को अवैध खनिज परिवहन पर शिकंजा कसने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्रवाई माना जा रहा है। विभागीय अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित वाहनों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई और आर्थिक दंड की प्रक्रिया जारी रहेगी। जिला खान निरीक्षक सुनील कुमार ने बताया कि सितंबर माह में बड़े छोटे वाहनों से कुल एक करोड़ चालीस हजार जुर्माना राजस्व वसूला गया पुल वाहनों की संख्या पता चालीस बताई गई इस दौरान कुल ग्यारह एफ आई आर और चार गिरफ्तारी बताई गई है। ●

70 युवकों को विदेश भेजने के नाम पर हुई ठगी

● धर्मेन्द्र सिंह

सी मांचल के बेरोजगार युवकों को विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर कथित ठगी और मानव तस्करी का गंभीर मामला सामने आया है। कोचाधामन के पूर्व विधायक मुजाहिद आलम ने पूर्णिया जिले के बैसा प्रखंड अंतर्गत रौटा निवासी नाहिद गनी के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने 13 अक्टूबर 2026 को पटना स्थित उत्प्रवास संरक्षी कार्यालय के अपर सचिव को पत्र भेजकर मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने की अपील की है। पत्र में दुबई, सऊदी अरब और मलेशिया में नौकरी के नाम पर युवकों के कथित शोषण, अवैध तरीके से विदेश भेजने और आर्थिक अनियमितताओं के आरोप लगाए गए हैं। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि होना अभी बाकी है।

☞ **विदेश में नौकरी का झांसा देकर लाखों की वसूली का आरोप :-** पूर्व विधायक के पत्र के अनुसार, अगस्त 2026 में दुबई गए किशनगंज और पूर्णिया के सात युवकों के पासपोर्ट कथित तौर पर एयरपोर्ट पर जब्त कर लिए गए। आरोप है कि युवकों से वादा किए गए काम के बजाय अमानवीय परिस्थितियों में काम कराया गया। शिकायत के बाद युवकों की भारत वापसी और आंशिक रकम लौटाने का भी दावा किया गया है। इसी तरह, सऊदी अरब भेजे गए पांच युवकों से कथित तौर पर प्रति व्यक्ति 1.80 लाख रुपये लिए गए। आरोप है कि वहां पहुंचने पर उनके पासपोर्ट जब्त कर लिए गए, मजदूरी का भुगतान नहीं हुआ और उन्हें अलग-अलग कंपनियों में काम करने के लिए भेजा गया। पत्र में बताया



गया है कि ये युवक भारतीय दूतावास की सहायता से अपने खर्च पर भारत लौटे।

☞ **मलेशिया में 14 युवकों को सजा मिलने का दावा :-** शिकायत में सबसे गंभीर आरोप मलेशिया भेजे गए सीमांचल के युवकों को लेकर लगाया गया है। पूर्व विधायक के मुताबिक, करीब 70 युवकों को डेढ़ से दो लाख रुपये लेकर दूरिस्ट वीजा के माध्यम से कथित तौर पर अवैध रास्तों से मलेशिया पहुंचाया गया। इनमें से 19 युवकों की गिरफ्तारी और सीमांचल के 14 युवकों को मलेशियाई अदालत से चार महीने की सजा मिलने का दावा किया गया है। पत्र में भारतीय उच्चायोग, कुआलालंपुर से ई-मेल के जरिए इसकी पुष्टि मिलने की बात भी कही गई है।

☞ **संपत्ति, कर और भर्ती लाइसेंस की जांच**

की मांग :- मुजाहिद आलम ने संबंधित एजेंसियों से विदेशों में भर्ती कराने के लिए वैध अनुज्ञप्ति, टिकट बुकिंग कारोबार, जीएसटी, आयकर और मनी ट्रांसफर से जुड़े दस्तावेजों की जांच कराने की मांग की है। उन्होंने कथित आय से अधिक संपत्ति की जांच प्रवर्तन निदेशालय से कराने तथा संबंधित विदेशी एजेंटों के साथ संपर्क की भी जांच करने का आग्रह किया है। पत्र में पूर्णिया और किशनगंज जिलों के विभिन्न थानों में दर्ज प्राथमिकी का हवाला देते हुए शिकायतकर्ताओं को धमकी देने और मुकदमे वापस लेने का दबाव बनाने के आरोप भी लगाए गए हैं। पूर्व विधायक ने पूरे मामले को गंभीर बताते हुए निष्पक्ष जांच, पीड़ित युवकों को न्याय और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। ●

मैदान में दिखा हुनर, जुनून और जीत का जज्बा!



● धर्मेन्द्र सिंह

खे

ल के मैदान में जब जुनून, अनुशासन और जीत का संकल्प एक साथ उतरता है, तो हर मुकाबला रोमांचक बन जाता है। कुछ ऐसा ही नजारा 14 अक्टूबर को किशनगंज के खगड़ा स्थित शहीद अशाफाक उल्ला खां स्टेडियम में देखने को मिला, जहां राज्य स्तरीय अंतर प्रमंडल बालक फुटबॉल प्रतियोगिता 2026-27 का भव्य शुभारंभ हुआ। मैदान में कदम रखते ही

युवा खिलाड़ियों के चेहरों पर जीत की चमक और अपने प्रमंडल का नाम रोशन करने का उत्साह साफ नजर आया। प्रतियोगिता

का उद्घाटन जिलाधिकारी नवीन कुमार और पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। यह आयोजन केवल गोल करने और मुकाबला जीतने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उन सपनों को उड़ान देने का मंच है, जिन्हें युवा खिलाड़ी अपने भीतर संजोए हुए हैं। फुटबॉल के मैदान पर हर पास, हर किक और हर गोल के पीछे घंटों का अभ्यास, अनुशासन और टीम के प्रति

समर्पण छिपा होता है। किशनगंज में आयोजित यह राज्य स्तरीय प्रतियोगिता ऐसे ही प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अपनी क्षमता साबित करने का अवसर प्रदान कर रही है।

10 टीमों, दो आयु वर्ग और जीत की बड़ी चुनौती :- प्रतियोगिता में अंडर-14 और अंडर-17 आयु वर्ग की कुल 10 टीमों हिस्सा ले रही हैं। इनमें बिहार के नौ प्रमंडलों की टीमों के साथ एकलव्य बिहार की टीम शामिल है। अलग-अलग क्षेत्रों से आए युवा खिलाड़ी अपनी तकनीक, शारीरिक दक्षता और टीम समन्वय के दम पर बेहतर प्रदर्शन करने के लिए मैदान में उतर रहे हैं। यह मुकाबला खिलाड़ियों के लिए अपनी प्रतिभा निखारने और भविष्य में ऊंचे स्तर पर खेलने की दिशा में महत्वपूर्ण अवसर है।



🏆 **उद्घाटन मुकाबले में सारण का दमदार प्रदर्शन :-** प्रतियोगिता का पहला मुकाबला सारण और भागलपुर प्रमंडल के बीच खेला गया। दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने जीत हासिल करने के लिए पूरा दमखम लगाया। मैदान पर प्रतिस्पर्धा और उत्साह के बीच सारण की टीम ने निर्णायक बढ़त बनाते हुए भागलपुर को 1-0 से पराजित कर दिया। इस जीत के साथ सारण ने प्रतियोगिता में शानदार शुरुआत की और अन्य

टीमों के सामने भी अपनी मजबूत दावेदारी पेश की।

🏆 **खेल से बनेगा आत्मविश्वास और नेतृत्व :-** उद्घाटन समारोह में अधिकारियों ने खिलाड़ियों को खेल भावना, अनुशासन, नियमित अभ्यास और आपसी सहयोग का महत्व बताया। खेल युवाओं को शारीरिक रूप से मजबूत बनाने के साथ मानसिक दृढ़ता, धैर्य और नेतृत्व क्षमता भी विकसित करता है। ऐसी प्रतियोगिताएं बच्चों

और किशोरों को सकारात्मक दिशा देने तथा उनकी प्रतिभा को पहचान दिलाने में अहम भूमिका निभाती हैं। कार्यक्रम में अपर समाहर्ता आपदा प्रबंधन, अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, जिला खेल पदाधिकारी सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। किशनगंज के मैदान पर शुरू हुई यह प्रतियोगिता अब आगामी मुकाबलों में नए रोमांच, नए प्रदर्शन और जीत की नई कहानियों का इंतजार कर रही है। ●

मादक पदार्थ और नेपाली नोट के साथ महिला गिरफ्तार

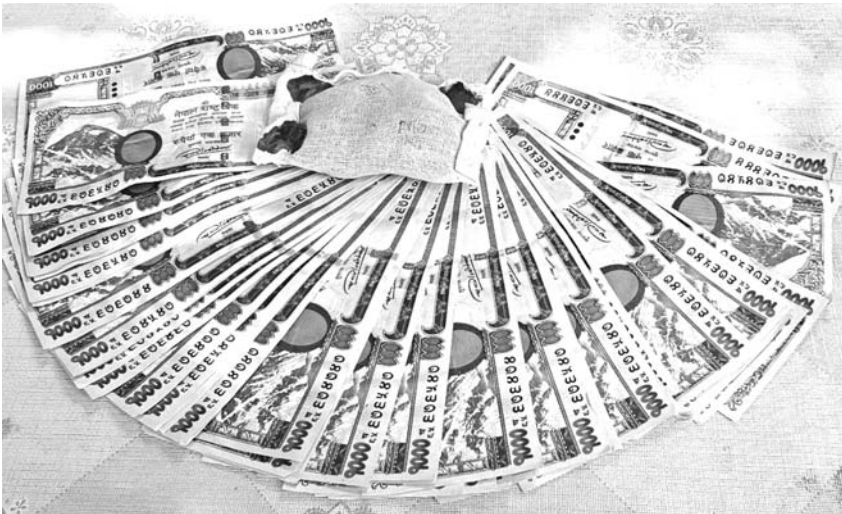
● फरीद अहमद

कि शानगंज जिले के सुखानी थाना क्षेत्र अंतर्गत कादोगांव में एसएसबी और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में एक महिला को गिरफ्तार किया गया है। कार्रवाई के दौरान कथित तौर पर 22.40 ग्राम संदिग्ध मादक पदार्थ (अफीम) और एक हजार के कुल 50 नेपाली नोट बरामद किए गए हैं। मामले में दो लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जा रही है। प्राप्त आवेदन के अनुसार, 15 अक्टूबर 2026 की रात करीब आठ बजे एसएसबी की सूचना शाखा को कादोगांव स्थित एक घर में मादक पदार्थ छिपाकर रखे जाने की सूचना मिली थी। इसके बाद एसएसबी और सुखानी थाना पुलिस की टीम ने संयुक्त रूप से छापेमारी की योजना बनाई। आवेदन में उल्लेख है कि टीम 16 अक्टूबर की रात करीब 12:30 बजे चिह्नित घर पहुंची। घर में मौजूद महिला ने अपना नाम मैना, उम्र करीब 32 वर्ष, पति अबुल कलाम आजाद, निवासी कादोगांव, थाना सुखानी, जिला किशनगंज बताया। तलाशी से पहले महिला को एनडीपीएस एक्ट की धारा 50 के तहत उसके अधिकारों की जानकारी दी गई। इसके बाद महिला पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में तलाशी



ली गई। तलाशी के दौरान घर की पहली मंजिल के बरामदे में रखे एक ट्रंक के अंदर काले रंग के पॉलीथिन में लिपटा एक पैकेट मिला। आवेदन के मुताबिक, पैकेट में संदिग्ध मादक पदार्थ और

नेपाली मुद्रा के 50 नोट बरामद हुए। मादक पदार्थ का पॉलीथिन सहित कुल वजन 22.40 ग्राम बताया गया है। बरामद पदार्थ की जांच में अफीम होने की आशंका जताई गई है। पूछताछ के दौरान महिला ने कथित तौर पर बताया कि ट्रंक में रखा सामान उसके पति अबुल कलाम आजाद का है। आवेदन में दूसरे व्यक्ति के रूप में पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले के चोपड़ा थाना क्षेत्र के सोनापुर निवासी अबुल कलाम आजाद का उल्लेख किया गया है। एसएसबी के आवेदन के अनुसार, बरामद सामान को जब्त कर जब्ती सूची तैयार की गई और महिला को गिरफ्तार कर सुखानी थाना लाया गया। आवेदन में मैना और अबुल कलाम आजाद के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। थानाध्यक्ष मन्नु कुमारी में बताया कि सुखानी थाना कांड संख्या 63/26 दर्ज करते हुए आगे की कार्रवाई की जा रही है। थानाध्यक्ष ने बताया भी अवैध गतिविधियों के खिलाफ आगे की कार्रवाई जारी रहेगी। ●



सी.ओ. एवं निबंधन अधिकारी समेत 12 लोगों पर एफआईआर दर्ज

[illegible]

● धर्मेन्द्र सिंह/फरीद अहमद

६

हार के किशनगंज जिले में
भू-विवाद से जुड़े एक मामले में
न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद
ब ड ी

प्रशासनिक हलचल देखने को मिल रही है। कोर्ट के सख्त निर्देश पर ठाकुरगंज के अंचलाधिकारी (CO), राजस्व पदाधिकारी, राजस्व कर्मचारी तथा अवर निबंधन कार्यालय के अधिकारियों समेत कुल 12 लोगों के खिलाफ अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति (SC-ST) अत्याचार निवारण अधिनियम और अन्य गंभीर धाराओं के तहत केस दर्ज

❖ **क्या है पूरा मामला? :-** यह मामला किशनगंज जिले के गलगलिया थानांतर्गत भातागांव मौजा की एक एकड़ जमीन के विवाद से जुड़ा है। शिकायतकर्ता समाय दूडू (50 वर्ष), जो कर्लीकोट थाना क्षेत्र स्थित आदिवासी टोला

बेसरवाटी (वार्ड-7) के निवासी हैं, उन्होंने इस संबंध में किशनगंज के अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम सह विशेष न्यायालय (बैज एक्ट) में परिवाद दायर किया था।

❖ पीड़ित के मुख्य आरोप :-



☞ वैध खरीदारी के बावजूद विवाद: पीड़ित के अनुसार, उन्होंने केवाला संख्या 11276 के तहत भातागांव मौजा (खाता संख्या 384, खेसरा संख्या 103) में एक एकड़ भूमि कानूनी प्रक्रिया से खरीदी थी।

☞ मारपीट और जातिसचक अभद्रता का

आरोप: याचिका में आरोप लगाया गया है कि 6 जनवरी 2026 की सुबह करीब 11 बजे आरोपियों ने गोलबंद होकर जमीन पर पहुंचकर मारपीट की, जातिसूचक शब्द कहे और भूमि छोड़ने की धमकी दी।

दस्तावेजों में हेरफेर का दबाव: पीड़ित का यह भी कहना है कि अंचल और रजिस्ट्री कार्यालय में अपनी प्रशासनिक पहुंच का हवाला देते हुए आरोपियों ने भू-अभिलेखों में हेराफेरी कराने की धमकी दी थी।

❖ **पुलिस जांच जारी :-**
विशेष न्यायालय के आदेश के उपरांत किशनगंज के SC-ST थाने में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है। मामले को लेकर ठाकुरगंज अंचलाधिकारी पक्ष जानने के लिए दूरभाष के किया गया परंतु उन्होंने फोन के कारण से उनका पक्ष नहीं बर्क होते ही उनका पक्ष लिख



● धर्मेन्द्र सिंह

इं जन की गूँज, सड़कों पर दौड़ती मोटरसाइकिलें और दिल में नशामुक्त भारत का संकल्प। यह सिर्फ एक यात्रा नहीं, बल्कि देश के युवाओं को नशे के अंधकार से निकालकर उज्ज्वल भविष्य की ओर ले जाने का संदेश है। इसी उद्देश्य के साथ उत्तर-पूर्व भारत के आठ राज्यों से निकली राष्ट्रीय मोटरसाइकिल रैली 14 अक्टूबर को किशनगंज पहुंची। यहां फरिंगगोला चैकपोस्ट पर पुलिस पदाधिकारियों ने रैली में शामिल राइडर्स का भव्य स्वागत किया। इसके बाद खगड़ा स्थित शाहीद अशफाक उल्ला खां स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में जिलाधिकारी नवीन कुमार, पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार और किशनगंज के विधायक मोहम्मद कमरुल होदा ने राइडर्स का स्वागत एवं सम्मान किया। रैली में शामिल सदस्यों के उत्साह और समर्पण की सराहना करते हुए अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने उनकी आगे की यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं। इस आयोजन ने किशनगंज में नशामुक्त समाज के निर्माण और राष्ट्रीय एकता के संदेश को नई ऊर्जा दी। इस राष्ट्रीय

अभियान में त्रिपुरा, मिजोरम, मेघालय, मणिपुर, असम, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड और सिक्किम की टीमों शामिल हैं। सभी टीमों अपने-अपने प्रारंभिक स्थलों से रवाना होकर निर्धारित मार्ग से गुजरात के एकतानगर स्थित केवडिया की ओर बढ़ रही हैं। बिहार में किशनगंज के रास्ते प्रवेश करने के बाद रैली पूर्णिया, बेगूसराय और भोजपुर होते हुए आगे जाएगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, टीमों 26 और 27 अक्टूबर को एकतानगर

नशे के विरुद्ध लड़ाई किसी एक व्यक्ति, परिवार या संस्था की नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। नशे की लत युवाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य, पारिवारिक जीवन और सामाजिक विकास को प्रभावित करती है। ऐसे में जागरूकता, सही मार्गदर्शन और सामुदायिक भागीदारी बेहद जरूरी है। राष्ट्रीय मोटरसाइकिल रैली का उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करना और लोगों को नशामुक्त भारत के संकल्प से जोड़ना है। आठ राज्यों के राइडर्स का एक साथ इस अभियान में शामिल होना विविधता में एकता और साझा सामाजिक जिम्मेदारी का प्रतीक है। कार्यक्रम के दौरान किशनगंज पुलिस ने आम नागरिकों से साइबर ठगी का शिकार होने पर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करने अथवा cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज कराने की अपील की। वहीं, किसी भी आपात स्थिति



पहुंचकर एकत्रित होंगी। यह आयोजन सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती और राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम से जुड़ा है। अभियान का मुख्य विषय 'फाइट अगेस्ट ड्रग्स' यानी नशे के खिलाफ जंग है। इसके माध्यम से समाज के हर वर्ग तक यह संदेश पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है कि

में डायल-112 पर सूचना देने की सलाह दी गई। किशनगंज में रैली का स्वागत केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि नशे के खिलाफ सामाजिक चेतना जगाने का अवसर बना। अब यह अभियान गुजरात के एकतानगर पहुंचकर राष्ट्रीय एकता और नशामुक्त भारत के संदेश को और व्यापक रूप देगा। ●

5:24 PM

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, बिहार



राष्ट्रीय, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, विभागाधीन, समुदायिक, निदानक

अनुपनाम का नमूना पंजीकृत क्रमांक: 730 दिनांक: 08/10-2026

नाम: नगीमा देवि उम्र: 34 लिंग: F

पिता/पति: W/O - श्री विहार कुमार

पता: जिला पालिका

मोबाईल नं०: _____

नियमित टीकाकरण सारणी

विवरण	टीकाकरण	दिनांक	टीकाकरण
1. बी.सी.डी. जन्म से चार मास या 1 वर्ष के अंदर जन्म से जन्म, दोपहर - 6 घण्टा, जन्म से 15 दिनों के अंदर दोपहर 12	जन्म से 24 घंटे के अंदर		
2. डी.डी.डी. 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38, 39, 40, 41, 42, 43, 44, 45, 46, 47, 48, 49, 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 57, 58, 59, 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90, 91, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99, 100, 101, 102, 103, 104, 105, 106, 107, 108, 109, 110, 111, 112, 113, 114, 115, 116, 117, 118, 119, 120, 121, 122, 123, 124, 125, 126, 127, 128, 129, 130, 131, 132, 133, 134, 135, 136, 137, 138, 139, 140, 141, 142, 143, 144, 145, 146, 147, 148, 149, 150, 151, 152, 153, 154, 155, 156, 157, 158, 159, 160, 161, 162, 163, 164, 165, 166, 167, 168, 169, 170, 171, 172, 173, 174, 175, 176, 177, 178, 179, 180, 181, 182, 183, 184, 185, 186, 187, 188, 189, 190, 191, 192, 193, 194, 195, 196, 197, 198, 199, 200, 201, 202, 203, 204, 205, 206, 207, 208, 209, 210, 211, 212, 213, 214, 215, 216, 217, 218, 219, 220, 221, 222, 223, 224, 225, 226, 227, 228, 229, 230, 231, 232, 233, 234, 235, 236, 237, 238, 239, 240, 241, 242, 243, 244, 245, 246, 247, 248, 249, 250, 251, 252, 253, 254, 255, 256, 257, 258, 259, 260, 261, 262, 263, 264, 265, 266, 267, 268, 269, 270, 271, 272, 273, 274, 275, 276, 277, 278, 279, 280, 281, 282, 283, 284, 285, 286, 287, 288, 289, 290, 291, 292, 293, 294, 295, 296, 297, 298, 299, 300, 301, 302, 303, 304, 305, 306, 307, 308, 309, 310, 311, 312, 313, 314, 315, 316, 317, 318, 319, 320, 321, 322, 323, 324, 325, 326, 327, 328, 329, 330, 331, 332, 333, 334, 335, 336, 337, 338, 339, 340, 341, 342, 343, 344, 345, 346, 347, 348, 349, 350, 351, 352, 353, 354, 355, 356, 357, 358, 359, 360, 361, 362, 363, 364, 365, 366, 367, 368, 369, 370, 371, 372, 373, 374, 375, 376, 377, 378, 379, 380, 381, 382, 383, 384, 385, 386, 387, 388, 389, 390, 391, 392, 393, 394, 395, 396, 397, 398, 399, 400, 401, 402, 403, 404, 405, 406, 407, 408, 409, 410, 411, 412, 413, 414, 415, 416, 417, 418, 419, 420, 421, 422, 423, 424, 425, 426, 427, 428, 429, 430, 431, 432, 433, 434, 435, 436, 437, 438, 439, 440, 441, 442, 443, 444, 445, 446, 447, 448, 449, 450, 451, 452, 453, 454, 455, 456, 457, 458, 459, 460, 461, 462, 463, 464, 465, 466, 467, 468, 469, 470, 471, 472, 473, 474, 475, 476, 477, 478, 479, 480, 481, 482, 483, 484, 485, 486, 487, 488, 489, 490, 491, 492, 493, 494, 495, 496, 497, 498, 499, 500, 501, 502, 503, 504, 505, 506, 507, 508, 509, 510, 511, 512, 513, 514, 515, 516, 517, 518, 519, 520, 521, 522, 523, 524, 525, 526, 527, 528, 529, 530, 531, 532, 533, 534, 535, 536, 537, 538, 539, 540, 541, 542, 543, 544, 545, 546, 547, 548, 549, 550, 551, 552, 553, 554, 555, 556, 557, 558, 559, 560, 561, 562, 563, 564, 565, 566, 567, 568, 569, 570, 571, 572, 573, 574, 575, 576, 577, 578, 579, 580, 581, 582, 583, 584, 585, 586, 587, 588, 589, 590, 591, 592, 593, 594, 595, 596, 597, 598, 599, 600, 601, 602, 603, 604, 605, 606, 607, 608, 609, 610, 611, 612, 613, 614, 615, 616, 617, 618, 619, 620, 621, 622, 623, 624, 625, 626, 627, 628, 629, 630, 631, 632, 633, 634, 635, 636, 637, 638, 639, 640, 641, 642, 643, 644, 645, 646, 647, 648, 649, 650, 651, 652, 653, 654, 655, 656, 657, 658, 659, 660, 661, 662, 663, 664, 665, 666, 667, 668, 669, 670, 671, 672, 673, 674, 675, 676, 677, 678, 679, 680, 681, 682, 683, 684, 685, 686, 687, 688, 689, 690, 691, 692, 693, 694, 695, 696, 697, 698, 699, 700, 701, 702, 703, 704, 705, 706, 707, 708, 709, 710, 711, 712, 713, 714, 715, 716, 717, 718, 719, 720, 721, 722, 723, 724, 725, 726, 727, 728, 729, 730, 731, 732, 733, 734, 735, 736, 737, 738, 739, 740, 7			

पौ

के बाद बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया। इसके बाद मरीज के परिजनों को आगे के उपचार के लिए निजी अस्पताल का सहारा लेना पड़ा।

के आधार पर चिकित्सक डॉ. अनिल कुमार से व्हाट्सऐप के माध्यम से संपर्क कर यह जानने का प्रयास किया गया कि क्या वे शाम करीब छह बजे अस्पताल में मौजूद थे। हालांकि, खबर लिखे जाने तक उनकी ओर से कोई जवाब नहीं मिला था। परिजनों ने यह भी बताया कि उन्होंने 'नो व्हाट्सऐप के माध्यम से सिविल सर्जन को मामले की जानकारी दी है।

की उपलब्धता सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी किसकी है? यदि संबंधित चिकित्सक की ड्यूटी निर्धारित थी, तो मरीज के पहुंचने के समय उनकी मौजूदगी को लेकर उठ रहे सवाल का जवाब कौन देगा? फिलहाल, मामले में अस्पताल प्रबंधन का आधिकारिक पक्ष सामने

आना बाकी है। आरोपों की निष्पक्ष जांच और संबंधित पक्षों का जवाब सामने आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। हालांकि इस मामले में बी एच एम टाकुरगंज सुनील कुमार ने बताया कि उक्त मामले पर बात की जा रही है। उन्होंने यह भी

बताया कि डॉक्टर द्वारा ई एल का आवेदन दिया गया था, सवाल है कि जब ई एल का आवेदन डॉक्टर द्वारा दिया गया है तो उसके बाद फिर डॉक्टर अस्पताल में क्या करने गए थे? अब इस पूरे मामले में उच्च स्तरीय जांच से ही पता चल पाएगा कि आखिर स्वास्थ्य विभाग के अंदर क्या खिचड़ी पक रही है? ●





यह हादसा नहीं, वर्दी की आड़ में हत्या है!

● रवि रंजन मिश्र

पश्चिम चंपारण में पुलिस हिरासत में औरैया निवासी युवक दिलशाद मियां की संदिग्ध मौत के बाद माहौल गरमा गया है। आधी रात को घर से उठाए गए युवक की सुबह अस्पताल में लाश मिलने की घटना को लेकर राष्ट्रीय जनता दल के नेता सादिक खान ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने पुलिसिया थ्योरी की धज्जियां उड़ाते हुए इसे श्वर्दी की आड़ में सुनियोजित हत्याश करार दिया और संबंधित थाना प्रभारी को फौरन निलंबित कर जेल भेजने की मांग की है।

गाड़ी से कूदने की मनगढ़ंत कहानी नहीं चलेगी, यह हिरासत में कत्ल है : सादिक खान :- घटना पर आक्रोश व्यक्त करते हुए राजद नेता सादिक खान ने कहा कि बेतिया पुलिस कानून के रक्षक की जगह भक्षक बन चुकी है। रात के 12 बजे एक नौजवान को घर से सही-सलामत उठाया जाता है और सुबह 6 बजे उसकी लाश मिलती है। जब परिजन सवाल पूछते हैं, तो पुलिस गाड़ी से कूदकर भागने की घिसी-पिटी और झूठी पटकथा

सुना देती है। पुलिस बताए कि जब दिलशाद उनकी कस्टडी में था, हथकड़ी में था, तो वह गाड़ी से कूदा कैसे? क्या पुलिस सो रही थी या फिर अपनी बर्बरता को छिपाने के लिए यह साजिश रची गई है? यह कोई दुर्घटना नहीं, बल्कि थर्ड डिग्री टॉचर और कस्टडी में की गई हत्या है। हम इस खाकी आतंक

खिलाफ सड़क से सदन तक आर-पार की लड़ाई लड़ेगा।

क्या है पूरा मामला? :- घटना के अनुसार, सहोदरा थाना पुलिस ने बानुछापर ओपी के साथ मिलकर बीती रात करीब 12 बजे औरैया गांव निवासी अकबर मियां के बेटे दिलशाद मियां को एनडीपीएस मामले में हिरासत में लिया था। गिरफ्तारी के महज 6 घंटे बाद सुबह 6 बजे स्थानीय सरपंच राकेश राम के जरिए परिजनों को सूचना मिली कि दिलशाद अस्पताल में है। जब परिजन पहुंचे, तो वहां दिलशाद का शव पड़ा मिला। मृतक की चाची शमीना खातून ने साफ शब्दों में आरोप लगाया कि दिलशाद को पुलिस कस्टडी में बेरहमी से मारकर उसकी जान ले ली गई

है। वहीं, पुलिस का दावा है कि सहोदरा ले जाने के दौरान दिलशाद चलती गाड़ी से कूद गया, जिससे जख्मी होकर उसकी मौत हो गई। हालांकि, परिजनों के गंभीर आरोपों और राजद के कड़े तेवरों के बाद पुलिसिया दावों पर चौतरफा सवाल खड़े हो रहे हैं। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और इस पूरे मामले में उच्च स्तरीय न्यायिक जांच की मांग तेज हो गई है। ●



कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे।

वरीय पुलिस पदाधिकारी तुरंत मामले का संज्ञान लें और लीपापोती करने के बजाय संबंधित थाना प्रभारी को अविलंब निलंबित कर उन पर हत्या का मुकदमा दर्ज करें। अगर पीड़ित परिवार को इंसाफ नहीं मिला और दोषियों को सलाखों के पीछे नहीं भेजा गया, तो राजद इस अन्याय के

चार घंटों के अंदर पकड़ा गया नाबालिग दुष्कर्म का आरोपी

● रवि रंजन मिश्र

बे

बेतिया पुलिस (नगर थाना) को प्राप्त लिखित आवेदन के अनुसार, जी. एम.सी.एच. बेतिया में इलाजरत एक महिला की देखभाल कर रही उनकी 14 वर्षीय नाबालिग पुत्री के साथ अस्पताल के ही एक सविदा/लैब कर्मी द्वारा बहला-फुसलाकर अस्पताल परिसर के बाहर स्थित अपने डेरा पर ले जाकर दुष्कर्म किए जाने का गंभीर मामला प्रकाश में आया।

❖ घटना की गंभीरता को देखते हुए बेतिया

पुलिस द्वारा तत्परता से कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की गई है:-

☞ **प्राथमिकी दर्ज :-** पीड़िता के परिजनों से लिखित शिकायत प्राप्त होते ही अविलंब नगर थाना कांड संख्या 595/26 दर्ज किया गया। यह मामला भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 65(1) एवं पॉक्सो (POCSO) एक्ट के प्रावधानों के तहत दर्ज किया गया है।

☞ **त्वरित गिरफ्तारी :-** पुलिस टीम द्वारा त्वरित छापेमारी करते हुए मुख्य अभियुक्त रविरंजन, पिता-कमलेश यादव, साकिन-हरदीया भुवाल, थाना-मटीयारीया) को आज शाम 04:30 बजे

(सूचना प्राप्त होने के मात्र चार घंटों के भीतर) गिरफ्तार कर लिया गया है तथा अग्रतर विधि सम्मत कार्रवाई की जा रही है। इस संवेदनशील मामले के अनुसंधान की कमान महिला पुलिस पदाधिकारी को सौंपी गई है एवं घटनास्थल और अस्पताल परिसर तथा उसके आसपास के सीसीटीवी फुटेज एवं अन्य तकनीकी/वैज्ञानिक साक्ष्य संकलित किए जा रहे हैं। बेतिया पुलिस इस जघन्य अपराध में समयबद्ध तरीके से आरोप-पत्र (Charge Sheet) न्यायालय में समर्पित कर स्पीडी ट्रायल के माध्यम से अभियुक्त को कठोरतम सजा दिलाने हेतु कटिबद्ध है। ●

मोबाइल के सहारे पेंशन का काम, लाभुक परेशान

● गुड्डू कुमार सिंह

मो

जपुर के गड़हनी प्रखंड मुख्यालय स्थित सामाजिक सुरक्षा पेंशन कार्यालय में पिछले कई महीनों से कंप्यूटर सिस्टम खराब रहने के कारण कार्यालय का कामकाज प्रभावित हो रहा है। सिस्टम खराब होने के चलते डाटा एंट्री ऑपरेटर को मोबाइल फोन के माध्यम से पेंशन से संबंधित कार्य करना पड़ रहा है। इससे कार्यालय पहुंचने वाले पेंशन लाभुकों को भी कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बताया जा रहा है कि कार्यालय में कंप्यूटर सिस्टम उपलब्ध नहीं होने या खराब रहने के कारण कई कार्य मोबाइल के सहारे किए जा रहे हैं। जब कोई लाभुक पेंशन से संबंधित काम कराने के लिए कार्यालय पहुंचता है, तो कई बार उसके मोबाइल फोन का इस्तेमाल कर आवश्यक प्रक्रिया पूरी की जाती है। ऐसे में लाभुक को अपना मोबाइल उपलब्ध कराना पड़ता है।

☞ **मोबाइल से काम होने पर बढ़ती परेशानी :-** मोबाइल से सरकारी कार्यालय का काम किए जाने के दौरान इंटरनेट और नेटवर्क की समस्या भी सामने आ सकती है। नेटवर्क कमजोर होने या मोबाइल में पर्याप्त इंटरनेट डेटा नहीं होने पर प्रक्रिया पूरी करने में अतिरिक्त समय लग सकता है। इसके अलावा मोबाइल की छोटी स्क्रीन पर जरूरी जानकारी दर्ज करने और संबंधित प्रक्रिया पूरी करने में भी कंप्यूटर की तुलना में अधिक समय लगने की स्थिति बनती है। इसका सीधा असर पेंशन से जुड़े कार्यों के लिए कार्यालय आने वाले लाभुकों पर पड़ रहा है। खासकर बुजुर्ग और पेंशन पर निर्भर लाभुकों



को अपने जरूरी काम के लिए कार्यालय में अधिक समय तक इंतजार करना पड़ सकता है। यदि किसी कारण से मोबाइल के माध्यम से प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाती है तो लाभुकों को दोबारा कार्यालय का चक्कर भी लगाना पड़ सकता है।

☞ **शिकायत के बावजूद समस्या बनी :-** स्थानीय स्तर पर सिस्टम खराब होने की शिकायत किए जाने के बावजूद समस्या कई महीनों से बनी हुई है। लोगों का कहना है कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन से जुड़े कार्यों के लिए आने वाले लाभुकों को सुविधा देने के लिए कार्यालय में कंप्यूटर सिस्टम को जल्द दुरुस्त किया जाना चाहिए। सरकारी कार्यालय में नियमित रूप से होने वाले डाटा एंट्री और पेंशन संबंधी कार्यों के लिए उचित

तकनीकी व्यवस्था उपलब्ध रहना जरूरी है। लाभुकों का कहना है कि सिस्टम ठीक होने से काम अधिक व्यवस्थित तरीके से हो सकेगा और मोबाइल के सहारे काम करने की मजबूरी भी समाप्त होगी। इससे कार्यालय आने वाले लोगों का समय बचेगा और पेंशन से जुड़े कार्यों को पूरा कराने में उन्हें कम परेशानी होगी।

☞ **बीडीओ ने जल्द सिस्टम ठीक कराने का दिया आश्वासन :-** मामले को लेकर बीडीओ ने कहा है कि कार्यालय में खराब सिस्टम को जल्द ठीक कराया जाएगा। अब देखना यह है कि सिस्टम कब तक दुरुस्त होता है और सामाजिक सुरक्षा पेंशन से जुड़े कार्यों के लिए कार्यालय पहुंचने वाले लाभुकों को इस परेशानी से कब तक राहत मिलती है। ●

मोदी सरकार की गलत नीतियों से देश की लोकतांत्रिक बुनियाद कमजोर हो रही है, ऐसी सरकार को उखाड़ फेंकें : विनोद वर्मा

● बिन्ध्याचल सिंह

आ रा-मुंडेश्वरी धाम रेल लाइन संघर्ष समिति, शाहाबाद के संयोजक सह अधिवक्ता विनोद वर्मा ने केंद्र की मोदी सरकार की नीतियों पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था, संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता और आम जनता के अधिकारों से जुड़े सवाल को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियां जनता के हितों के विपरीत काम कर रही हैं, तो लोकतांत्रिक तरीके से ऐसी सरकार को सत्ता से हटाना जनता का संवैधानिक अधिकार है। श्री वर्मा ने कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। लोकतंत्र की असली ताकत केवल चुनाव कराने में नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक के मताधिकार, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, शांतिपूर्ण विरोध और सम्मानजनक जीवन के अधिकार की रक्षा करने में है। उन्होंने आरोप लगाया कि महंगाई, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और नागरिक स्वतंत्रता जैसे मुद्दों पर सरकार को जनता के प्रति जवाबदेह होना चाहिए। सरकार के नीतियों को दोषपूर्ण बताते हुए हमला करते हुए कहा कि युवाओं के लिए पर्याप्त और सुरक्षित रोजगार उपलब्ध कराना सरकार की प्रमुख जिम्मेदारी है। रोजगार की स्थिति पर चर्चा करते हुए कहा कि सरकारी नौकरी सरकार देने में अक्षम है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (PLFS) रिपोर्ट के अनुसार, 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों में सामान्य स्थिति के आधार पर बेरोजगारी दर 2017-18 में 6.0 प्रतिशत थी, जो 2023-24 में घटकर 3.2 प्रतिशत दर्ज की गई। वहीं, जनवरी से दिसंबर 2024 के सर्वेक्षण में चालू साप्ताहिक स्थिति के आधार पर बेरोजगारी दर 4.9 प्रतिशत रही। सामान्य स्थिति और साप्ताहिक स्थिति के आंकड़ों की गणना की पद्धति अलग-अलग है देश में बेरोजगारी में बेतहाशा वृद्धि हुई है सरकार लोगों को बेरोजगारी से ध्यान हटाने के लिए दिन रात हिंदू-मुस्लिम करी है। श्री वर्मा सरकार को घेरते हुए कहा कि खाद्य पदार्थों, दवाइयों, शिक्षा और अन्य जरूरी सेवाओं पर होने वाला खर्च आम परिवारों के बजट को प्रभावित करता है। सरकार को महंगाई पर नियंत्रण के साथ-साथ आम आदमी की वास्तविक क्रय शक्ति बढ़ाने के लिए काम करना चाहिए था। सरकारी आंकड़ों के अनुसार वित्तीय वर्ष 2024-25 में खुदरा महंगाई की औसत दर 4.6 प्रतिशत रही। दिसंबर



2024 में सामान्य खुदरा महंगाई 5.22 प्रतिशत और खाद्य महंगाई 8.39 प्रतिशत दर्ज की गई थी। ये आंकड़े बताते हैं कि खाद्य पदार्थों की कीमतों में बढ़ोतरी आम परिवारों को कमर तोड़ दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार को आवश्यक वस्तुओं की कीमतों, घरेलू आय और जीवन-यापन की लागत के बीच संतुलन बनाने के लिए प्रभावी कदम उठाने चाहिए। श्री वर्मा ने चुनाव आयोग पर देश के लोकतंत्र पर हमला करने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) के दौरान मतदाता सूचियों से बड़ी संख्या में नाम हटाए जाने पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची की शुद्धता जरूरी है, लेकिन किसी भी वोटर का नाम मतदाता सूची से नाम हटाना गैर-संवैधानिक कार्य है। प्रत्येक नागरिक को अपने मताधिकार की रक्षा के लिए सरल, पारदर्शी और समयबद्ध प्रक्रिया मिलनी चाहिए।

श्री वर्मा ने बताया कि सितंबर 2026 में प्रकाशित रिपोर्टों के अनुसार, देश के विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में एसआइआर की प्रारंभिक मतदाता सूचियों से 13 करोड़ से अधिक नाम हटाए जाने की सूचना सामने आई। चुनाव आयोग ने इस आंकड़े को अंतिम मतदाता सूची से हटाए गए पात्र मतदाताओं की संख्या बताने को भ्रामक कहा और स्पष्ट किया कि संबंधित नामों को अनुपस्थित, स्थायी रूप से स्थानांतरित, मृत अथवा दोहरी प्रविष्टि जैसी श्रेणियों में रखा गया था। श्री वर्मा ने मांग की कि आयोग राज्यवार और श्रेणीवार आंकड़े सार्वजनिक करे, प्रत्येक विवादित मामले की जांच सुनिश्चित करे तथा जिन पात्र मतदाताओं के नाम गलत तरीके से हटे हों, उनके नाम बहाल

करने की प्रभावी व्यवस्था करे। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची की शुद्धता के साथ-साथ प्रत्येक पात्र नागरिक का मताधिकार सुरक्षित रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण प्राथमिक शिक्षा और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं प्रत्येक नागरिक के जीवन से जुड़े बुनियादी प्रश्न हैं। सरकारी विद्यालयों में शिक्षकों की उपलब्धता, शिक्षा की गुणवत्ता, बच्चों की नियमित उपस्थिति, अस्पतालों में चिकित्सकों एवं दवाइयों की उपलब्धता तथा जीवनरक्षक दवाओं की कीमतों पर सरकार रोकने में असफल रही है। शिक्षा मंत्रालय की UDISE+ 2023-24 रिपोर्ट के अनुसार शैक्षणिक वर्ष में देश के मान्यता प्राप्त विद्यालयों में कुल 24.8 करोड़ विद्यार्थियों के नामांकन दर्ज किए गए। देश में हजारों प्रथमिक विद्यालय को बंद कर दिया गया है जो गंभीर चिंता का विषय है। देश में शैक्षणिक आरजकता का माहौल है सरकार हमारे बच्चों को उच्च शिक्षा से वंचित कर रही है, जबकि देश के नेता अधिकारियों के लड़के विदेश में जा कर पढ़ रहे हैं उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के राष्ट्रीय स्वास्थ्य लेखा अनुमानों के अनुसार, कुल स्वास्थ्य व्यय में परिवारों द्वारा सीधे अपनी जेब से किए जाने वाले खर्च का हिस्सा 2014-15 के 62.6 प्रतिशत से घटकर 2021-22 में 39.4 प्रतिशत हुआ। इसके बावजूद वर्मा ने कहा कि गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए इलाज का खर्च, दवाइयों की उपलब्धता और सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता लगातार निगरानी और सुधार की मांग करती है। श्री वर्मा ने कहा कि देश की आर्थिक प्रगति का मूल्यांकन केवल सकल घरेलू उत्पाद (GDP) की वृद्धि दर से नहीं किया जाना

चाहिए। रोजगार की गुणवत्ता, वास्तविक मजदूरी, छोटे कारोबारों की स्थिति, किसानों की आय और परिवारों की बचत भी आर्थिक मजबूती के महत्वपूर्ण संकेतक होता है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के 30 मई 2025 के अंतिम अनुमानों के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की वास्तविक GDP वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत रही। वर्मा ने कहा कि आर्थिक वृद्धि के इन आंकड़ों के साथ यह भी आकलन होना चाहिए कि उसका लाभ समाज के सभी वर्गों तक कितना पहुंच रहा है और युवाओं, किसानों, श्रमिकों तथा छोटे उद्यमियों की आर्थिक स्थिति में कितना सुधार हुआ है। उन्होंने कहा कि छोटे उद्योगों की चुनौतियों, भ्रष्टाचार, सरकारी भर्तियों में देरी, रोजगार के अवसर और देश में उद्योग धंधों को मजबूत किए बिना देश के अर्थव्यवस्था कभी मजबूत नहीं हो सकती है। उन्होंने कहा कि देश के खेती किसानों को नजरअंदाज कर हम

आगे नहीं बढ़ सकता आज पूरी दुनिया की नजर भारतीय कृषि पर है ऐसे में मोदी सरकार किसानों को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के बजाए 2000 रूपया देकर हमारी खेती किसानों के पवित्रता को एक षण्यंत्र के तहत हमसे हमारी खेती छिनने की कोशिश कर रही थी। श्री वर्मा ने मोदी सरकार पर तिखे शब्दों में हमला करते हुए कहा कि मोदी सरकार की आर्थिकनीति, विदेशनीति पूरी तरह से फेल है हम वैश्विक बाजार में पिछड़ रहे और सबसे गंभीर चिंता की बात वो है की हमारे दुनिया के मित्र देशों से संबंध अच्छे नहीं है। उन्होंने ने कहा कि प्रधानमंत्री अपने देश आम आदमी से बार बार झुठ बोलने का आरोप लगाते हुए कहा कि आज हमारे देशके बड़े बड़े उद्योगपति क्या करण है कि अपने देश में निवेश नहीं करना चाहते है। श्री वर्मा ने कहा कि सरकार हमारे मौलिक अधिकारों को खुलेआम हनन कर हमें हमारे

लोकतांत्रिक अधिकारों से बेदखल कर रही है। संविधान के अनुच्छेद 19(1)(a) के तहत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तथा अनुच्छेद 19(1)(b) के तहत शांतिपूर्वक और बिना हथियार एकत्र होने का अधिकार नागरिकों को प्राप्त है। इन अधिकारों पर संविधान के तहत उचित प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं, लेकिन उनका इस्तेमाल मनमाने ढंग से नहीं होना चाहिए। अनुच्छेद 32 नागरिकों को मौलिक अधिकारों के प्रवर्तन के लिए सीधे सर्वोच्च न्यायालय जाने का अधिकार प्रदान करता है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब नागरिक सरकार की नीतियों के खिलाफ आवाज उठाते हैं, तो उनकी शिकायतों को गंभीरता से सुना जाना चाहिए, न कि उन्हें दबाने का प्रयास किया जाना चाहिए। उन्होंने चुनावी पारदर्शिता, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, शांतिपूर्ण विरोध और सवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता को लोकतंत्र की आत्मा बताया। ●

जो चुप है, वे अपराधी है : आदित्यनाथ सिंह

“मैं लोगों के विचारों में उतेजना नहीं चाहता। मैं उस संस्कृति-सम्यता और समाज की चोली क्या उतारूंगा जो खुद गंगी है। मैं उसे कपड़ा पहनाने की कोशिश नहीं करता हूँ इसलिए कि यह मेरा काम नहीं दर्जीयों का है”:- मंटो

● बिन्ध्याचल सिंह

भारतीय पुलिस के कन्धों पर समाज की सुरक्षा-व्यवस्था टिकी हुई है। अच्छे से अच्छे समाज में भी अपराध होते हैं पर उनकी निंदा होती है रोकने के प्रयास होते हैं। शर्मिन्दगी की एहसास न तो कराया जाता है, पर मौन धारण कर तहरीज देना किसी प्रकार जायज नहीं। बिहार सरकार द्वारा लोक कल्याणकारी अधिनियम शराब बंदी को असफल करने में हमारी पुलिस कृत संकल्प हैं क्योंकि हर माह एक मोटी रकम शराब व्यवसायियों के द्वारा थाने पर पहुँचाई जाती है। भ्रष्ट पुलिस कुव्यवस्था की कुर्बानी यहाँ की अधिकांश जनता मॉग करती है लेकिन नक्कार खाने में तूती की आवाज बापू के उन तीन बन्दरों में से एक बन्दर की तरह जो आँखे मुँदे की तरह है। प्रत्येक जिला के कलक्टर और आरक्षी अधीक्षक थानेदार को इस काली कमाई के लिए छुट दे रखी है। पुलिस के डंडे इन काला बाजारियों, भ्रष्ट तत्वों के सामने कुते की पुँछ की तरह हिलाती नजर आयेगी। क्या हम यह मान ले कि बादल से पानी की जगह अमृत बरसना संभव है, लेकिन पुलिस से अच्छाई की आशा नहीं की जा सकती। जिस

पुलिस करणामें की हम चर्चा कर रहे है जरा आप उससे परिचित तो हो लिजिए। किसी भी अपराधिक मुकदमे का प्रारम्भिक नींव जिसपर मुकदमें की इमारत खड़ी होती है। वह पुलिस द्वारा ही तैयार की जाती है। यही से रस्सी को सांप और सांप को रस्सी बनाने का खेल शुरू होता है। पुलिस जब किसी दाण्डिक मुकदमे का अनुसंधान किसी नतीजे पर पहुँचने के लिए प्रारंभ करती है, तब एक थ्योरी बना लेती है और बाद में फिर हालात की रोशनी में उसी थ्योरी के हिसाब से मुकदमा खड़ा करती है और कोई बिन्दु उस थ्योरी के हिसाब से मैच न करे तब उसे “कारपेट” के अन्दर छुपा देती है। यही कारण है कि पुलिस के आधे से अधिक मुकदमें अदालत में स्टैन्ड नहीं कर पाते बल्कि लडखडा कर गिर जाते हैं। पुलिस कारवाई के संदर्भ में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के विद्वान न्यायमूर्ति करामत चौधरी ने अपने एक फैसले में कहा है कि “इतिहास में एक ही मुगलेआजम था लेकिन प्रत्येक पुलिस अपने आपको मुगलेआजम समझती है।” पडोसी राज्य उत्तर प्रदेश का एक माजरा स्वयं एक पुलिस पदाधिकारी ने चटकाराना लेते हुए सुनाया था कि एक सेशन न्यायाधीश की पत्नी ने एक पार्टी में पुलिस कप्तान की पत्नी को धर दबोचा क्योंकि कप्तान साहब की पत्नी ने जो

सोने की हार पहन रखी थी, जो कि कुछ दिनों पूर्व जज साहब के यहाँ सम्पन्न की गई चोरी में गायब हुआ था। जाहिर है कि कप्तान साहब चोरी के कुटीर उद्योग को खुद प्रोत्साहन देते थे। 03/07/1946 के इंडियन एक्सप्रेस/चंडीगढ़ संस्करण के अनुसार 42वर्ष की एक महिला के साथ थानेदार और एक हेड कास्टेबल ने बलात्कार किया। डॉक्टरों जाँच ने उपरोक्त शिकायत की पुष्टि की, उस भद्र महिला ने बतलाया कि उसके साथ गाँधर्वे विवाह प्रायः रोज ही सम्पन्न करते रहे। यहाँ तक कि पुलिसकर्मी अपनी महिला पुलिस के साथ अनैतिक कार्य करते हैं। एक विश्वसनीय रिपोर्ट के अनुसार एक मुठभेड़ में कुछ ऐसे डकैत पकड़े गए जो कि सरकारी रिकार्ड के अनुसार जेल में बंद थे। बाद में पता चला कि उस जेल का जेलर डाकुओं को अक्सर बाहर जाने दिया करता था और डाकुओं से प्राप्त सम्पत्ति को आपस में बाँट लिया करते थे। यह बात छिपी नहीं है कि पुलिस विभाग में ट्रांसफर और पोस्टिंग किसी थाने में पुलिस के आला अधिकारियों ने लाखों रुपये तय किये हुए हैं। अभी-अभी ही जी न्युज के चौनल पर उत्तर प्रदेश के पुलिस का वसूली गैंग का पर्दाफाश हुआ दो लाख दो थर्ड डिग्री बंद, तीन लाख दो आरोप वापस। ●

● बिन्ध्याचल सिंह

के

वल सच के पिछले अंक में आपने पढ़ा, तुलसीदासजी रामचरितमानस में कहते हैं कि “जाके मतिभ्रम हुए खगेसा, सो कह पश्चिम उगे दिनेसा”। अब आगे पढ़ें-बिहियाँ नरेश रणपाल द्वारा अपने राज में “डोला-छेकाई प्रथा” प्रारम्भ की गई थी। इसके तहत बिहियाँ राज से होकर जाने वाली उस प्रत्येक नई नवेली दुल्हन की डोली एक रात के लिए रणपाल की हवेली में ठहरना होता था। अगले दिन व्यभिचारी राजा द्वारा रौंदी गई दुल्हन, कुँहुकते हुए अपने ससुराल प्रस्थान करती। रणपाल की दानवी फौज सदैव राज सीमा पर चौकस रहती। राज शक्ति के आगे कभी किसी ने साहस ही नहीं किया प्रतिकार करने का। राजा भगवान का अवतार होता है और उसके द्वारा लागू किया गया प्रत्येक नियम-कानून, बिना किसी विरोध विवाद के हर किसी को मानना जन-धर्म होता है। इस प्रकार की आम धारणा जन-जन में फैली हुई थी। अपवाद स्वरूप यदि किसी ने इसके प्रतिकूल सोचने की यत्न किया तो उसके सोच को विचार बनकर फैलने से पहले ही गला घोट दिया जाता था। बिहियाँ राज में उन दिनों उल्टी गंगा बह रही थी। काम-क्रोध, लोभ, मद-मत्सर, ईर्ष्या-धृणा सर्वत्र धूम मचाए हुई थी। इन सबका पोषक नरेश रणपाल राजभोग में लिप्त, फिर राजा धरती का भगवान होता है, के आर्ष वचन को चरितार्थ करने में कोई कोर-कसर बाकी न रहे-हर मौके पर अहसास कराते रहता था। राजरानी धर्मभीरू महिला हैं। शिव-पार्वती की पूजा करने के बाद ही अन्न ग्रहण करती हैं। नरेश की लम्पटता से वह वाकिफ हैं। प्रत्येक सुहागिन की तरह से वह भी अपने सुहाग की रक्षा के लिए जप-तप व्रत करती रहती है। राज की “डोला-छेकाई प्रथा” को वह कलंक मानती है। उसके जेहन में अन्दर तक हरदम परोक्ष रूप से भय सताता रहता है। इस कुत्सित प्रथा का अंजाम निश्चित तौर पर एक दिन भुगतना पड़ेगा। वह अनेक बार राजा को प्रत्यक्ष रूप से समझाने का प्रयास कर चुकी है। प्रत्येक बार रणपाल अपने को सर्वज्ञ बता यह जताने का प्रयत्न करता है कि उसे अपने चाल-चेहरा-चरित्र के लिए

किसी के द्वारा “मानद” लेने की जरूरत नहीं। वह जानता है कि उसे क्या करना है उसे राजधर्म सिखाने कि जरूरत नहीं। उसके रंग-रंग में राजधर्म समाया हुआ है। राज के उत्थान का, उसके शान में चार चाँद लगाने का नित-नूतन प्रयोग करते रहना, वह बखूबी जानता है और इस प्रकार की बड़ी-बड़ी, लम्बी लच्छेदार बाते विदूषी महिला राजरानी के मुखार-बिन्दु पर ताला जड़ने के सदृश्य सामने आती है। कर्म सभी करते हैं। सुकर्म का फल जहाँ सुन्दर मिलता है वहीं कुकर्म का फल असुन्दर होता है। गंगा-यमुना-सरस्वती का मिलन त्रिवेणी के रूप में सुन्दर फलदायी होता है। ठीक दूसरी तरफ शराब-शबाब-कबाब का संयोग आसुरी वृत्ति की श्रेणी में आ असुन्दर स्थिति पैदा करता है। अब यह बात मनुष्य के निर्णय पर निर्भर करती है कि वह कौन सी स्थिति को अपनाना चाहता है। बिहियाँ राज में भी एक बहुमुखी प्रतिभा के धनी सदाचारी व्यक्ति जीवानन्दजी निवास करते थे। वे ज्योतिष शास्त्र के प्रकाण्ड विद्वान थे। ललाट की रेख पढ़



कमल कुमार चौबे

हुँ कि मुझे आप अपना कीमती वक्त गम्भीर वार्ता हेतु उपलब्ध करावें। सांध्य वेला में पहर भर रात्रि बीतने पर बैठक पर बैठक का समय ज्योतिषीजी के द्वारा तय किया गया। ज्योतिषीजी के साथ लम्बी वार्ता के बाद खुफिया प्रमुख अपने आवास स्थित “तल-घर” में क्षेत्रीय खुफिया अधिकारियों के साथ खास बिन्दुओ पर दिशानिर्देश दे रहे थे। नागरिक वेश में आपलोगों को पूरे राज्य में विखर कर पूर्व में घटित हुई घटनाओं का ब्यौरा एकत्र करना है। जैसे:-घटना कब घटी, कैसे घटी, क्यों घटी, घटना को अंजाम देने वाले कौन लोग थे, इस प्रकार की सभी बिन्दुओं को अपनी पहचान छिपाते हुए, सारा ब्यौरा एक सप्ताह के अन्दर सुपूँर्द करें। गंगा नदी में गंगाजल निरंतर प्रवाहमान है। गंगा की उताल तरंगों तट को छू कर लौटती सतत् कर्मशील हैं, न थकने की हद को अपने में समाए, तटवासियों को परम पवित्रता सरस सलिला गंगा, धरती पर अमृत बॉटली बिहियाँ राज की उतरी सीमा को स्पर्श करती, हर को लाभ मिले को दृष्टिकोण अपनाए आगे बढ़ती जा रही है। बिहियाँ राज का दक्षिणी भाग, पठारी इलाका, जिसके अंचल में अच्छे धान की पैदावार जमीन, जो “धान का कटोरा” क्षेत्र के रूप में विख्यात है। पूर्व क्षेत्र, सोन नदी के कछारी इलाके तक, जहाँ खीरा-ककड़ी-तरबुज का उत्पादन व्यापक पैमाने में होता है। पश्चिमी भाग में काव नदी की कलकल तरंगों तक फैला है। जिसकी तराई में टमाटर-बैंगन की व्यापक स्तर पर हरिरअ सब्जी का उत्पादन होता है। धन-धान्य-पुष्प से भरी बिहियाँ राज की धरा सदियों से गौरवपूर्ण इतिहास को संजोए आज अपने नराधम राजा रणपाल के पाप से गुम-सुम सी, रूँआसी रूप में दिखाई दे रही है। ●

बिहियाँ नरेश रणपाल

भविष्य में घटने वाली घटना क्रमों पर बड़ा ही सजीव व्याख्यान देते। आज तक जीवानन्दजी की भविष्यावाणी कभी झुटी नहीं हुई। प्रातःकाल नितदिन आमजन के लिए एक घंटा समय देते थे। शेष समय राज के नाम समर्पित था। राज की तरफ से जब कभी ज्योतिषाचार्य जीवानन्दजी से पुछा जाता तो वे उसका यथोचित उत्तर प्रस्तुत करते। एक बार महामंत्री ने ज्योतिषीजी से मिलने के लिये कहा। ज्योतिषीजी, मैं आपसे एकान्तवार्ता करना चाहता हूँ। अतीव अनुनय भरे स्वर में महामंत्री ने कहा। मैं राजाज्ञा या स्वयं के द्वारा देय आदेश के माध्यम से नहीं बल्कि प्राण-प्राण आत्मनिवेदन के माध्यम से विनम्र आग्रह करता



हरमू चौक अब कहलाएगा

विकसित भारत संकल्प चौक

● गुड्डी साव

प्र

धानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से भाजपा द्वारा रांची के

प्रमुख हरमू चौक का नामकरण 'विकसित भारत संकल्प चौक' किया गया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में रांची विधायक सीपी सिंह, हटिया विधायक नवीन जायसवाल, रांची की मेयर रोशनी खलखो, डिप्टी मेयर नीरज कुमार सहित बड़ी संख्या में गाजे-बाजे, ढोल नगाड़े के साथ एक जुलूस के शकल में लोगों ने इस चौक पहुंचकर हरमू चौक का नामकरण विकसित भारत संकल्प चौक रखा। मौके पर प्रदेश अध्यक्ष साहू ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत रोज नए-नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। स्वतंत्रता के 100 वें वर्ष यानी 2047 तक भारत को एक आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाना केंद्र सरकार सहित देश के हर नागरिक का संकल्प है। उन्होंने कहा कि इतने बड़े लक्ष्य

के लिए देश के 140 करोड़ लोगों की भागीदारी और सामूहिक संकल्प जरूरी है। इसी भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से हरमू चौक का नामकरण

'विकसित भारत संकल्प चौक' किया गया है। रांची के इस प्रमुख चौक से प्रतिदिन हजारों लोग गुजरते हैं। अब यह चौक उन्हें हर दिन विकसित भारत के लक्ष्य और राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका की याद दिलाता रहेगा। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा, जब समाज के हर वर्ग की इसमें भागीदारी होगी। युवाओं, महिलाओं, किसानों और गरीबों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना, सुशासन और पारदर्शिता को मजबूत करना, नवाचार, 'मेक इन इंडिया' और उद्यमिता को बढ़ावा देना तथा शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में सुधार के माध्यम से नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाना विकसित भारत की यात्रा के महत्वपूर्ण आधार है।

हरमू चौक भाजपा की जागीर नहीं, जनता की संपत्ति है: राकेश सिन्हा

रांची हरमू चौक पर भाजपा द्वारा 'विकसित भारत संकल्प सेवा चौक' का बोर्ड लगाए जाने पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस के मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने



भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है की भाजपा यह भ्रम पालना बंद करे कि वह जब चाहे सार्वजनिक चौक का नाम बदल देगी और वहां अपना राजनीतिक बोर्ड टांग देगी। हरमू चौक भाजपा की जागीर नहीं है। यह जनता का सार्वजनिक स्थल है और इसके नामकरण का अधिकार किसी राजनीतिक दल के पास नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा यदि यह दावा कर रही है कि हरमू चौक का नाम बदल दिया गया है तो नामकरण का सरकारी आदेश, अधिसूचना और सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति तत्काल सार्वजनिक करे। अगर आदेश है तो दिखाइए और अगर आदेश नहीं है तो यह साफ किया जाए कि भाजपा ने किस अधिकार से सरकारी सार्वजनिक स्थल पर अपना बोर्ड लगा दिया है। राकेश सिन्हा ने कहा कि यह केवल एक बोर्ड का मामला नहीं है, बल्कि सार्वजनिक संपत्ति और प्रशासनिक प्रक्रिया की पारदर्शिता का सवाल है। रांची नगर निगम को यह स्पष्ट करना होगा कि बोर्ड लगाने की अनुमति किसने दी और किस नियम के तहत दी। उन्होंने कहा अगर बिना



अनुमति बोर्ड लगाया गया है तो प्रशासन की जिम्मेदारी है कि वह तत्काल बोर्ड हटाए और नियमों के अनुसार कार्रवाई करे। निगम प्रशासन की चुप्पी इस पूरे मामले को और गंभीर बनाती है। कांग्रेस नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम और 'विकसित भारत' के नारे को बोर्ड पर लिख देने से किसी राजनीतिक कार्यक्रम का नाम सार्वजनिक चौक का वैधानिक नाम नहीं बन जाता। नामकरण कानून और निर्धारित प्रक्रिया से

होता है राजनीतिक घोषणा से नहीं। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा की भाजपा को हर जगह अपने प्रचार का बोर्ड लगाने के बजाय जनता के सवालों का जवाब देना चाहिए। चौक का बोर्ड चमकाने से और 'विकसित भारत' लिख देने से विकास का प्रमाणपत्र नहीं मिल जाएगा। राकेश सिन्हा ने जिला प्रशासन और संबंधित नगर निकाय से तत्काल जांच अनुमति की जानकारी सार्वजनिक करने और अनुमति नहीं होने की स्थिति में बोर्ड हटाकर जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने स्पष्ट कहा कांग्रेस इस मामले को केवल बयानबाजी तक सीमित नहीं रखेगी। सार्वजनिक स्थल पर नियमों का उल्लंघन हुआ है तो प्रशासन को जवाब देना होगा कि कार्रवाई कब होगी। कानून की किताब भाजपा के लिए अलग और आम नागरिक के लिए अलग नहीं हो सकती। राकेश सिन्हा ने कहा कि जनता को बोर्ड नहीं जवाब चाहिए और भाजपा तथा प्रशासन दोनों को यह जवाब देना होगा। ●

मेडिकल कॉलेज की स्थापना को लेकर राजेश कच्छप ने की पहल

● गुड्डी साव

रि

जरी विधायक सह कांग्रेस विधायक दल के उपनेता राजेश कच्छप ने कर्मचारी राज्य बीमा निगम ESIC, नामकुम, रांची में

मेडिकल कॉलेज संचालित स्थापित कराने के संबंध में झारखंड के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर आवश्यक पहल एवं अनुशंसा करने का आग्रह किया है। विधायक राजेश कच्छप ने अपने पत्र में कहा है कि नामकुम स्थित कर्मचारी राज्य बीमा निगम ESIC झारखंड के औद्योगिक एवं संगठित क्षेत्र में कार्यरत कर्मचारियों तथा उनके आश्रितों को स्वास्थ्य एवं सामाजिक सुरक्षा सेवाएं प्रदान करने वाली महत्वपूर्ण संस्था है। नामकुम में ईएसआईसी की चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार हुआ है, लेकिन बढ़ती जनसंख्या, बीमिंत कर्मचारियों की संख्या एवं स्वास्थ्य सेवाओं की बढ़ती आवश्यकता को देखते हुए यहां मेडिकल कॉलेज की स्थापना अत्यंत उपयोगी और जनहितकारी होगी। उन्होंने कहा कि ईएसआईसी नामकुम में मेडिकल कॉलेज संचालित होने से झारखंड के विद्यार्थियों को चिकित्सा शिक्षा के बेहतर अवसर प्राप्त होंगे। साथ ही राज्य में



चिकित्सकों एवं अन्य स्वास्थ्यकर्मियों की उपलब्धता बढ़ेगी तथा आम लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं भी मिल सकेंगी। राजेश कच्छप ने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया है कि भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार मंत्रालय तथा कर्मचारी राज्य बीमा निगम के संबंधित अधिकारियों के साथ आवश्यक समन्वय स्थापित करते हुए ईएसआईसी



नामकुम में मेडिकल कॉलेज संचालित स्थापित कराने के लिए राज्य सरकार की ओर से आवश्यक पहल एवं अनुशंसा की जाए। ईएसआईसी नामकुम में मेडिकल कॉलेज की स्थापना झारखंड के लिए चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि साबित हो सकती है। ●

भारतीय महिला हॉकी टीम की झारखण्ड की खिलाड़ियों ने की मुख्यमंत्री से मुलाकात

● गुड्डी साव

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से 4 अक्टूबर को मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में एशियन गेम्स 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीतकर स्वर्णिम इतिहास रचने वाली भारतीय महिला हॉकी टीम की झारखंडी खिलाड़ियों ने मुलाकात की। इन खिलाड़ियों में भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सलीमा टेटे, निक्की प्रधान, ब्यूटी डुंगडुंग एवं दीपिका सोरेंग शामिल थीं। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने सभी खिलाड़ियों से उनके शानदार प्रदर्शन की तैयारियों से संबंधित जानकारी प्राप्त की तथा अनुभव को जाना। मुख्यमंत्री ने मिठाई खिला कर इस शानदार उपलब्धि के लिए उनकी हौसला अफजाई की और अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक प्राप्त कर स्वर्णिम सफलता अर्जित करने में झारखंड की खिलाड़ियों का योगदान राज्य व देश के लिए गौरव व सम्मान की बात है। खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा, परिश्रम, अनुशासन और अदम्य जज्बे से देश का गौरव बढ़ाया है। खिलाड़ियों की इस शानदार उपलब्धि से राज्य के खेल इतिहास में एक और गौरवपूर्ण अध्याय



जुड़ गया है। इन उपलब्धियों से झारखंड के साथ-साथ देश की युवा पीढ़ी, खिलाड़ियों एवं विशेषकर राज्य की बेटियों को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरणा मिलेगी। मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों को आगे भी इसी उत्साह, लगन, परिश्रम व समर्पण के साथ देश का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि झारखंड में खेल प्रतिभाओं को उभारने के लिए

राज्य सरकार प्रयत्नशील है। खिलाड़ियों से विधायक कल्पना सोरेन ने भी मिलकर बधाई व शुभकामनाएं देते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। मौके पर खिलाड़ियों के साथ हॉकी झारखंड के डीजी विजय शंकर सिंह, इंटरनेशनल रेसलिंग कोच-सह-सीईओ झारखंड रजनीश कुमार एवं जेनरल सेक्रेटरी मनोज कुमार प्रसाद भी उपस्थित रहे। ●

सीसीएल के कॉर्पोरेट कम्युनिकेशंस एवं पब्लिक रिलेशंस विभाग को

ET Business Excellence & Leadership Summit 2026 में Strategic Communication Leadership Award

● गुड्डी साव

सेट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड के कॉर्पोरेट कम्युनिकेशंस एवं पब्लिक रिलेशंस विभाग CC-PR Dept. को नई दिल्ली में आयोजित ET Business Excellence & Leadership Summit 2026 में प्रतिष्ठित Strategic Communication Leadership Award से सम्मानित किया गया। यह सम्मान विभाग द्वारा संचार के क्षेत्र में किए गए नवाचार, रचनात्मक पहल नए विचारों तथा पीआर प्रोफेशनल्स के लिए प्रभावी मंच स्थापित करने सहित विभिन्न उल्लेखनीय प्रयासों के लिए प्रदान किया गया। नई दिल्ली में आयोजित भव्य समारोह में इंडियन फिल्म सेलिब्रिटी श्री राजीव खंडेलवाल ने मंच के मंच पर यह सम्मान प्रदान किया। सीसीएल की ओर से महाप्रबंधक एवं प्रमुख CC-PR Dept. श्री आलोक कुमार गुप्ता तथा मैनेजर CD श्री मयंक कश्यप ने यह

प्रतिष्ठित सम्मान ग्रहण किया। सीएमडी निलेंद्र कुमार सिंह के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में सीसीएल ने कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन, ब्रांडिंग और जनसंपर्क के क्षेत्र में नवाचार एवं रचनात्मकता को निरंतर बढ़ावा दिया है। इन प्रयासों के माध्यम से कंपनी की कॉर्पोरेट पहचान की और सशक्त करने तथा राष्ट्रीय स्तर पर सीसीएल की सकारात्मक ब्रांडिंग को प्रभावी रूप से स्थापित



करने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किए गए हैं। सीसी एवं पीआर विभाग द्वारा की गई प्रमुख रचनात्मक पहलों में नए सीसीएल लोगो एवं टैगलाइन की डिजाइनिंग एवं क्रियान्वयन, कोलकर्मियों के समर्पण को दर्शाती वॉल म्यूरल पेंटिंग, कबाड़ से कंचन, 'War Against Wastage', National PR Conclave तथा कोलकर्मियों के जज्बे को समर्पित स्पेशल कवर स्टाम्प Customized Postal Stamp सहित अन्य अभिनव पहल शामिल हैं। इसके साथ ही हाल के वर्षों में प्रिंट, डिजिटल एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया माध्यमों में सीसीएल सम्बंधी समाचारों में गुणात्मक वृद्धि आई है एवं मीडिया संबंधों को भी नया आयाम मिला है। यह सम्मान सीसीएल के रचनात्मक सोच, प्रभावी संचार, नवाचारपूर्ण प्रयासों और मजबूत कॉर्पोरेट ब्रांडिंग को राष्ट्रीय स्तर पर मिली महत्वपूर्ण पहचान है। यह उपलब्धि सीसीएल परिवार को संचार एवं जनसंपर्क के क्षेत्र में नए प्रयोगों और बेहतर प्रयासों के लिए प्रेरित करेगी। ●



समुद्री सुरक्षा के प्रति भारत की प्रतिबद्धता

● गुड्डी साव

रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने भुवनेश्वर में 7 अक्टूबर को राष्ट्रीय स्तर के समुद्री खोज एवं बचाव अभ्यास सारेक्स-2026 का

उद्घाटन किया।

भारतीय तटरक्षक बल द्वारा 08 अक्टूबर को पारादीप के निकट आयोजित होने वाले इस अभ्यास में 30 मित्र देशों के 32 प्रतिनिधि भाग लेंगे। इस अभ्यास का उद्देश्य समुद्र में खोज एवं बचाव अभियानों की तैयारियों को परखना, विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय को मजबूत करना तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनुभवों और श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों का आदान-प्रदान करना है। इस अवसर पर संजय सेठ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के शक्ति की सप्तधारा के विजन में समुद्र एक महत्वपूर्ण कड़ी है। भारत के व्यापार,

अर्थव्यवस्था, नीली अर्थव्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए सुरक्षित समुद्री क्षेत्र अत्यंत आवश्यक है। संकट की घड़ी में समुद्र से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति को यह विश्वास होना चाहिए कि भारत उनके साथ खड़ा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के

सागर क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास के विजन का उल्लेख करते हुए कहा कि यदि समुद्र सुरक्षित है तो भारत सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि सारेक्स इसी विजन को प्रभावी कार्यक्षमता में बदलने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने हाल ही में भारतीय तटरक्षक बल और गुजरात

बेहतर समन्वय को दर्शाता है। इससे पूर्व 07 अक्टूबर को 24वीं राष्ट्रीय समुद्री खोज एवं बचाव बोर्ड बैठक आयोजित की गई। इसमें भारतीय नौसेना, वायुसेना, इसरो, मौसम विभाग, तटीय पुलिस, सीमा शुल्क, बंदरगाह प्राधिकरणों सहित विभिन्न संबंधित संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

बैठक के दौरान समुद्र में साहस और तत्परता से जीवन बचाने के लिए राष्ट्रीय समुद्री खोज एवं बचाव पुरस्कार-2026 भी प्रदान किए गए। विभिन्न श्रेणियों में एमवी जबल अली-9, एमवी ऐसोपोस, आईएफबी जॉय मां कालीगंगा, तटरक्षक पोत सचेत और तटीय पुलिस थाना, बेपोर को सम्मानित किया गया। सारेक्स-2026 भारत के मजबूत, तकनीक-सक्षम और वैश्विक रूप से समन्वित समुद्री खोज एवं बचाव तंत्र के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के सागर और महासागर के विजन के अनुरूप समुद्र में प्रत्येक जीवन की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की भारत की प्रतिबद्धता को मजबूत करता है। ●



एटीएस द्वारा अरब सागर में 3,000 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के मादक पदार्थों की खेप जब्त किए जाने की कार्रवाई का उल्लेख करते हुए कहा कि यह भारत की मजबूत समुद्री निगरानी, सूचना साझेदारी और विभिन्न एजेंसियों के बीच



मंत्री योगेंद्र प्रसाद द्वारा जलापूर्ति योजनाओं की समीक्षात्मक बैठक

● गुडडी साव

मंत्री, पेयजल एवं स्वच्छता तथा उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग, योगेंद्र प्रसाद की अध्यक्षता में लातेहार जिला अंतर्गत बेतला नेशनल पार्क स्थित सभागार में लोहरदगा, गुमला, सिमडेगा, गढ़वा, पलामू एवं लातेहार जिलों में जल जीवन मिशन के तहत क्रियान्वित जलापूर्ति योजनाओं की समीक्षात्मक बैठक आयोजित हुई। बैठक में मंत्री ने सभी छह जिलों में जल जीवन मिशन के तहत संचालित जलापूर्ति योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए लंबित एवं अधूरी योजनाओं के कार्यों में तेजी लाकर उन्हें निर्धारित समय सीमा के भीतर शीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जिन योजनाओं का निर्माण कार्य अधूरा है अथवा निर्माण पूर्ण होने के बाद भी उनका संचालन शुरू नहीं हुआ है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण कर चालू किया जाए, ताकि निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप आमजनों को इसका लाभ मिल सके। मंत्री ने कार्यपालक अभियंताओं को अपने-अपने क्षेत्राधिकार में संचालित योजनाओं की नियमित



एवं प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने तथा कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि अधिकारी योजनाओं की प्रगति की लगातार समीक्षा करें और कार्यों में आ रही किसी भी प्रकार की बाधा का तत्काल समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए लंबित योजनाओं को शीघ्र पूर्ण कराने

का निर्देश दिया। साथ ही स्पष्ट कहा कि जल जीवन मिशन की योजनाओं के क्रियान्वयन में अनावश्यक विलंब अथवा किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कार्य में लापरवाही या उदासीनता बरतने वाले अधिकारियों एवं संबंधित एजेंसियों को चिन्हित कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। संवेदकों के साथ भी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए मंत्री ने स्पष्ट कहा कि जिन संवेदकों को कार्यादेश जारी होने के बावजूद निर्धारित समय में योजनाएं पूर्ण नहीं कर रहे हैं, उनके विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाए। आवश्यकता पड़ने पर संबंधित एजेंसियों को ब्लैकलिस्ट करने की प्रक्रिया भी शुरू करने का निर्देश दिया। मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने स्पष्ट निर्देश दिया कि जल जीवन मिशन के तहत संचालित योजनाओं की प्रगति, गुणवत्ता एवं समयबद्धता की जिम्मेदारी संबंधित अधिकारियों एवं कार्यदयी एजेंसियों की होगी। उन्होंने पूरी गंभीरता एवं तत्परता के साथ कार्य करते हुए लंबित योजनाओं को शीघ्र पूर्ण कर धरातल पर उतारने और आम लोगों को स्वच्छ एवं सुगम पेयजल की सुविधा सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया। ●

सीएमपीडीआई में ई-कचरा कियोस्क का शुभारंभ

स्पेशल कैंपेन 6 के अंतर्गत चल रहे अभियान के एक भाग के रूप में 6 अक्टूबर को सीएमपीडीआई द्वारा इलेक्ट्रॉनिक कचरे को जिम्मेदारीपूर्वक एकत्र करने और उसके सुरक्षित निपटान को बढ़ावा देने हेतु संस्थान के मुख्यालय में एक ई-कचरा कियोस्क लांच किया गया। इस कियोस्क का उद्घाटन सीएमपीडीआई के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक चौधरी शिवराज सिंह द्वारा किया गया, जिन्होंने अपना पुराना मोबाइल फोन ई-कचरा देकर इस अभियान की शुरुआत की। संस्थान के निदेशक तकनीकी पीएडडी अजय कुमार, निदेशक तकनीकी आरडीएंडटी, बीडी आनंद मोहन ने भी अपना व्यक्तिगत ई-कचरे जमा किया जिससे अन्य कर्मियों को इस पहल में भाग लेने की प्रेरणा मिली। मौके पर कोल ईंडिया के कार्यपालक निदेशक गवेषण आर0के0 सिंह और अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित रहे। अभियान की अवधि के दौरान कर्मियों को प्रोत्साहित किया गया कि वे अपना व्यक्तिगत ई-कचरा जैसे पुराने मोबाइल फोन, चाजर्स एवं अन्य ई-कचरा वस्तुएं, कियोस्क में जमा करें। विगत 2 अक्टूबर से आगामी 31 अक्टूबर तक चलने वाले स्पेशल कैंपेन 6 के लागू होने के चरण का उद्देश्य सरकारी कार्यालयों में स्वच्छता को संस्थागत बनाना, लंबित मामलों को निस्तारण करना और संसाधनों का सही इस्तेमाल करना है। इसमें अनुपयोगी व अतिरिक्त सामग्रियों का निपटान, रिकार्ड मैनेजमेंट, कार्यालय की जगह खाली करना और कार्यस्थल को बेहतर बनाना शामिल है। साथ ही, ई-वेस्ट को एकत्र करने, अलग-अलग करने और उसके निपटान पर खास जोर दिया जाएगा। ● रिपोर्ट :- गुडडी साव

गांधी जयंती पर विधानसभा अध्यक्ष ने बापू को किया नमन

● गुड्डी साव

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर झारखंड विधानसभा के अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो ने शुक्रवार को रांची के कांके स्थित अपने आवास पर बापू के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। इस अवसर पर अध्यक्ष ने कहा कि महात्मा गांधी का जीवन सत्य, अहिंसा, सादगी और मानवता के मूल्यों के प्रति समर्पित रहा। उनके विचार आज भी समाज और राष्ट्र को शांति, सद्भाव तथा नैतिकता के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि गांधी जी ने सत्य और अहिंसा को अपना अस्त्र बनाकर देश के स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा दी। उनका जीवन हमें यह संदेश देता है कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन के लिए सत्य, संयम, सेवा और आपसी सद्भाव को अपनाना आवश्यक है। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि गांधी जी के विचारों और आदर्शों को अपने आचरण में उतारना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने राज्यवासियों से बापू के सत्य, अहिंसा,



स्वच्छता और सामाजिक समरसता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।
कुंडहित में 1000 एमटी गोदाम एवं विद्यालय के 06 अतिरिक्त कक्षों का शिलान्यास :- कुंडहित जामताड़ा जिले के कुंडहित प्रखंड में विकास से जुड़ी दो महत्वपूर्ण योजनाओं का 7 अक्टूबर को शुभारंभ हुआ। झारखंड विधानसभा के अध्यक्ष सह नाला विधायक रवींद्रनाथ महतो ने 1000 एमटी क्षमता वाले गोदाम के निर्माण कार्य तथा अनुसूचित जनजाति आवासीय बालिका उत्क्रमित उच्च

विद्यालय कुंडहित में 06 अतिरिक्त कक्ष (छ+2) के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। 1000 एमटी क्षमता वाले गोदाम के निर्माण से क्षेत्र में भंडारण व्यवस्था को मजबूती मिलेगी। वहीं, विद्यालय में अतिरिक्त कक्षाओं के निर्माण से छात्राओं के लिए आवश्यक शैक्षणिक सुविधाओं का विस्तार होगा। इस अवसर पर अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो ने कहा कि कुंडहित सहित नाला विधानसभा क्षेत्र में शिक्षा, आधारभूत संरचना और जनसुविधाओं के विस्तार को लेकर लगातार कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए आवश्यक योजनाओं को प्राथमिकता के साथ धरातल पर उतारने का प्रयास जारी है। ●

भारतीय पायलट कप्तान स्मित मच्छार को सलाम

● गुड्डी साव

राजधानी रांची के पौराणिक ऐतिहासिक मेन रोड स्थित संकट मोचन हनुमान मंदिर में प्रदेश भाजपा की ओर से पूर्व राज्यसभा सांसद पूर्व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दीपक प्रकाश की उपस्थिति में भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्य समिति सदस्य चंद्रशेखर आजाद दुर्गा पूजा समिति अध्यक्ष रमेश सिंह की अगुआई में कैप्टन स्मित मच्छार शीघ्र स्वास्थ्य लाभ और दीर्घायु होने की कामना के साथ बजरंगबली के प्रतिमा के समक्ष पूजा अर्चना किया और भजन कीर्तन के साथ सामूहिक रूप



से हनुमान चालीसा का पाठ किया गया इस अवसर पर लड्डू प्रसाद भी उपस्थित लोगों के बीच वितरित की गई मौके पर पूर्व राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश ने कहा कि कप्तान स्मित के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ के कामना के साथ हम सब बजरंगबली के शरण में हैं और कप्तान स्मित जल्द से जल्द स्वस्थ हो इसलिए निमित्त पूजन अर्चन कर रहे हैं वहीं मौके पर प्रदेश कार्य समिति सदस्य रमेश सिंह ने कहा कि जिस प्रकार से कप्तान स्मित ने पूरे घटनाक्रम के समय हनुमान चालीसा का पाठ कर रहे थे यह इस बात को इंगित करता है कि हमारे आराध्य के प्रति जो मन में सच्ची निष्ठा और आस्था है यह एक प्रकार का जीवंत उदाहरण के रूप में है। ●

सर्वसम्मति के साथ अध्यक्ष बने राजीब चटर्जी

● गुडडी साव

08

अक्टूबर दिन सोमवार को यमुना अपार्टमेंट, ओवर ब्रिज के प्रांगण में आदर्श दुर्गा पूजा समिति का एक बैठक किया गया, जिसमें 2025 का आय व्यय का व्योरा दिया गया और पुरानी कमिटी को भंग करते हुए नई कमिटी का गठन किया गया। सर्वसम्मति से 2026-27 का चुनाव किया गया जिसमें राजीब चटर्जी को अध्यक्ष पद के लिए मनोनीत किया गया और बैठक की अध्यक्षता लालबाबू सिंह एवं संचालन संजय सहाय के द्वारा किया गया। पदाधिकारी का नाम निम्नलिखित है :-

मुख्य संरक्षक	- सूरजभान सिंह
अध्यक्ष	- राजीब चटर्जी
संरक्षक	- कुणाल आजमानी
संयोजक	- लालबाबू सिंह
कार्यकारी अध्यक्ष	- मिंटू सिंह
सचिव	- संजय सहाय
वरिष्ठ उपाध्यक्ष	- संजीव सिंह
उपाध्यक्ष	- मंटू सिंह, अखिलेश राय,



कोषाध्यक्ष
संगठन मंत्री

प्रतीक चौधरी
- संजय सिंह, ऋषि सिंह चौहान
- शैलेन्द्र कुमार (छोटका),
अजय सोनी, सुमंत राय
(मुखिया), अभिषेक सिंह एवं
चन्दन सिंह

इसके अलावा 11 सदस्यों का भी चुनाव किया गया।●

कुख्यात अपराधी गुरफान और मनिया चढ़े पुलिस के हथ्थे

● ओम प्रकाश

रा

जधानी राँची में किसी बड़ी आपराधिक वारदात को अंजाम देने की प्लानिंग कर रहे दो कुख्यात अपराधियों को नामकुम थाना की पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इनके पास से एक लोडेड पिस्टल, तीन जिंदा कारतूस और चोरी की दो मोटरसाइकिलें बरामद हुई हैं। गिरफ्तार आरोपियों में कुख्यात छोटू उर्फ गुरफान खान उर्फ गुफरान उर्फ छोटन और फरमान अंसारी उर्फ मनिया उर्फ छोटू शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, छोटू के खिलाफ हत्या, रंगदारी, हत्या के प्रयास, आर्म्स एक्ट, चोरी और छिनतई समेत 17 आपराधिक मामले दर्ज हैं। वहीं, फरमान अंसारी के खिलाफ लूट, चोरी और छिनतई के चार मामले दर्ज हैं।

हाईटेन्शन ग्राउंड के खंडहर में बना रहे थे योजना :-

नामकुम पुलिस के अनुसार, वरीय पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली थी कि दो अक्टूबर को नामकुम क्षेत्र का अपराधी छोटू उर्फ गुरफान खान अपने साथियों के साथ



ग्राउंड के पास स्थित एक खंडहर भवन में मौजूद है। आशंका जताई गई थी कि आरोपी हथियार के साथ किसी आपराधिक घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। सूचना की

गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के निर्देशन और पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय-प्रथम) के नेतृत्व में छापेमारी टीम गठित की गई। इसमें नामकुम थाना प्रभारी समेत थाना के पुलिस पदाधिकारी और सशस्त्र बल को शामिल किया गया।

अचानक पुलिस को देखकर भागने लगे

दोनों आरोपी :- गठित टीम जब हाईटेशन ग्राउंड स्थित खंडहर के पास पहुंची, तो वहां यामाहा एफजेड और बुलेट मोटरसाइकिल खड़ी मिलीं। दोनों वाहनों पर एक-एक व्यक्ति बैठकर बातचीत कर रहे थे। पुलिस को देखते ही दोनों ने भागने का प्रयास किया, लेकिन छापेमारी टीम ने उन्हें खदेड़कर पकड़ लिया। पूछताछ में दोनों की पहचान छोटू उर्फ गुरफान खान उर्फ गुफरान उर्फ छोटन, निवासी मौलाना आजाद कॉलोनी, नामकुम, वर्तमान पता पुंदाग के जाकिर कॉलोनी, और फरमान अंसारी उर्फ मनिया उर्फ छोटू निवासी बंगला टोली, आईएसएम चौक, पुंदाग के रूप में हुई।

☞ **कमर के पीछे छिपाकर रखा था लोडेड पिस्टल :-** पुलिस के मुताबिक, तलाशी के दौरान छोटू उर्फ गुरफान खान की कमर के पीछे बाईं तरफ एक पिस्तौल छिपाकर रखी मिली। पिस्तौल में मैगजीन लगी हुई थी और उसमें तीन जिंदा कारतूस भी बरामद किए गए। कारतूस के निचले हिस्से पर KF 7-65 अंकित था। पुलिस ने मौके से दोनों मोटरसाइकिलों को भी जब्त कर लिया। बरामदगी में एक यामाहा एफजेड (रजिस्ट्रेशन नंबर-JH 02BD-4001) और एक बुलेट (रजिस्ट्रेशन नंबर-JH-01DK-8438) शामिल है।

☞ **हिंदपीढ़ी और मौलाना आजाद कॉलोनी से चोरी की थीं बाइक :-** पुलिस की पूछताछ



में आरोपियों ने कथित तौर पर स्वीकार किया कि यामाहा एफजेड मोटरसाइकिल हिंदपीढ़ी इलाके से चोरी की गई थी, जबकि बुलेट मोटरसाइकिल इस साल अगस्त में मौलाना आजाद कॉलोनी से चोरी की गई थी। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने यह भी बताया कि वे हथियार का इस्तेमाल छिनतई और लूटपाट जैसी घटनाओं में करते थे। पुलिस अब इन बयानों और बरामद सामान के आधार पर अन्य घटनाओं में उनकी संलिप्तता की जांच कर रही है। छोटू पर 17, फरमान पर चार आपराधिक मामले पुलिस के अनुसार, छोटू उर्फ गुरफान खान के खिलाफ नामकुम, हिंदपीढ़ी,

सदर, लोअर बाजार, लालपुर, कोतवाली, पुंदाग, अरगोड़ा और रातू थाना क्षेत्रों में कुल 17 आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें हत्या, रंगदारी, हत्या के प्रयास, आर्म्स एक्ट, चोरी और छिनतई से जुड़े मामले शामिल हैं। वहीं, फरमान अंसारी उर्फ मनिया उर्फ छोटू के खिलाफ जगन्नाथपुर, अरगोड़ा और डेली मार्केट थाना क्षेत्रों में लूट, चोरी और छिनतई के कुल चार मामले दर्ज हैं।

☞ **मामला दर्ज होने के बाद, अन्य साथियों की तालाश जारी :-** इस पूरे मामले में नामकुम थाना कांड संख्या 272/26, दिनांक 2 अक्टूबर 2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 317 (5), 309 (4), 62 और 3(5) तथा आर्म्स एक्ट की धारा 25(1-B)(a), 26 और 35 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। मामले में शामिल अन्य व्यक्तियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि आरोपियों का नेटवर्क किन-किन आपराधिक घटनाओं से जुड़ा है।

☞ **छापेमारी टीम में शामिल पुलिसकर्मी :-** छापेमारी टीम में पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय-प्रथम), नामकुम थाना प्रभारी, दारोगा सोनू कुमार दास, शशि रंजन, जयदेव कुमार सराक समेत अन्य पुलिस पदाधिकारी और नामकुम थाना के सशस्त्र बल शामिल थे। ●

विदेशी शराब के साथ तीन व्यक्ति गिरफ्तार

● ओम प्रकाश

ना मकुम थाना क्षेत्र में अवैध रूप से विदेशी शराब और बीयर बेचने वालों के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तुजू-नचलदाग और बुतियो इलाके में अलग-अलग दुकानों व होटल में छापेमारी कर कुल 79.44 लीटर अवैध शराब/बीयर बरामद की है। पुलिस ने मामले में बजरंग महतो उर्फ हरिनाथ महतो, शिव शंकर बड़ाईक और पंकज बड़ाईक को गिरफ्तार किया है।

❖ **गुप्त सूचना के आधार पर हुई कार्रवाई :-** पुलिस के अनुसार, वरीय पुलिस अधीक्षक राँची को तीन अक्टूबर को गुप्त सूचना मिली थी कि नामकुम क्षेत्र के तुजू-नचलदाग स्थित बजरंग महतो के होटल तथा बुतियो में शिव शंकर बड़ाईक और शिवा बड़ाईक की दुकानों में बिना वैध कागजात के विदेशी शराब रखकर बिक्री की जा रही है। सूचना के सत्यापन के बाद



पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के निर्देशन और वरीय पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) प्रथम अमर कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में छापेमारी टीम गठित की गई।

❖ **होटल के कमरे में छिपाकर रखी थी शराब :-** सबसे पहले पुलिस टीम ने ग्राम तुजू-नचलदाग स्थित बजरंग महतो उर्फ हरिनाथ महतो के होटल में छापेमारी की। यहां से 53

बोतल विदेशी शराब और बीयर, कुल 24.5 लीटर बरामद हुई। शराब से संबंधित वैध कागजात नहीं दिखाए जाने पर पुलिस ने शराब जब्त कर बजरंग महतो को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, होटल के कमरे में कार्टन के अंदर शराब छिपाकर रखी गई थी। बरामद शराब में Kingfisher Strong Beer, Sterling Reserve B7 Whisky और ICONIQ

White Whisky शामिल हैं।

❖ **किराना दुकानों में भी शराब का स्टॉक :-** इसके बाद पुलिस टीम बुतियो पहुंची, जहां शिव शंकर बड़ाईक और शिवा बड़ाईक की दुकानों पर छापेमारी की गई। शिव शंकर बड़ाईक की दुकान के फ्रीज और कार्टन से 79 बोतल/कैन शराब-बीयर, कुल 38.39 लीटर बरामद हुई। पुलिस के अनुसार, छापेमारी के दौरान शिव शंकर बड़ाईक पुलिस को देखकर मौके से फरार हो गया। हालांकि, उसके पुत्र एवं दुकान के सहयोगी संचालक पंकज बड़ाईक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। वहीं, शिवा बड़ाईक की दुकान से 41 बोतल/कैन शराब-बीयर, कुल 16.55 लीटर बरामद की गई। यहां से Godfather Strong Beer 3 ICONIQ White Whisky समेत अन्य शराब बरामद की गई।

❖ **बरामद एवं जप्त सामान की विवरणी :-** पुलिस ने तीनों ठिकानों से कुल 173 बोतल/कैन में 79.44 लीटर अवैध अंग्रेजी शराब और बीयर जवा की है। बरामद शराब में Kingfisher, Godfather, Sterling Reserve में B7, ICONIQ, 8PM Premium Black Elite और McDowell's Luxury Whisky समेत कई ब्रांड शामिल हैं।

❖ **बजरंग महतो उर्फ हरिनाथ महतो के होटल से बरामद शराब :-**

☞ Kingfisher Strong Beer लिखा-650 ML का 31 बोतल एवं होटल के कमरा में कार्टन में छिपाकर रखा हुआ।

☞ Sterling Reserve B7 Whisky लिखा-180 ML का 10 (दस) बोतल।

☞ Sterling Reserve B7 Whisky लिखा-375 ML का 02 (दो) बोतल।

☞ ICONIQ White Whisky लिखा-180 ML का 10 (दस) बोतल, विदेशी शराब।

❖ **पंकज बड़ाईक एवं शिव शंकर बड़ाईक के दुकान में रखे फीज से बरामद शराब :-**

☞ Godfather Strong Beer लिखा-500 ML का 50 (पच्चास) केन बीयर।

☞ Kingfisher Strong Beer लिखा-650 ML का 05 (पांच) बोतल रखा हुआ एवं दुकान के अंदर कार्टन में छुपाकर रखा हुआ।

☞ ICONIQ White Whisky लिखा-180 ML का 13 (तेरह) बोतल।

☞ Sterling Reserve B7 Whisky लिखा-180 ML का 10 (दस) बोतल।

☞ Sterling Reserve B7 Whisky लिखा-375 ML का 07 (सात) बोतल।

☞ 8PM Premium Black Elite Whisky लिखा-375ML का 05 (पांच) बोतल।

☞ Mc dowell's Luxury Whisky लिखा-375 ML का 04 (चार) बोतल विदेशी शराब।

❖ **शिवा बड़ाईक के दुकान के फ्रीज से बरामद शराब :-**

☞ Godfather Strong Beer लिखा-500 ML का 25 (पच्चीस) पीस केन बीयर, दुकान के अंदर कार्टन में छुपाकर रखा हुआ।

☞ ICONIQ White Whisky लिखा-180 ML का 10 (दस) बोतल।

☞ ICONIQ White Whisky लिखा-375



ML का 06 (छः) बोतल अवैध विदेशी शराब बरामद।

❖ **नामकुम थाने में हुआ मामला दर्ज :-** मामले में नामकुम थाना कांड संख्या 274/26, दिनांक 03.10.2026 के तहत BNS की धारा 275/292 तथा Excise Act की धारा 47(A)/52(D) के तहत प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस अब इस अवैध शराब कारोबार से जुड़े अन्य लोगों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। ये तीन आरोपी गिरफ्तार बजरंग महतो उर्फ हरिनाथ महतो (48 वर्ष), पिता-भैरो महतो, नचलदाग, तुंजू शिव शंकर बड़ाईक (50 वर्ष), पिता-स्व. महादेव बड़ाईक पंकज बड़ाईक (29 वर्ष), पिता-शिव शंकर बड़ाईक, दोनों नामकुम थाना क्षेत्र, राँची।

❖ **छापेमारी दल के सदस्य :-** छापेमारी टीम में वरीय पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) प्रथम, अमर कुमार पाण्डेय, नामकुम थाना प्रभारी रामनारायण सिंह, पु०अ०नि० प्रवीण कुमार, स०अ०नि०, उज्जवल कुमार सिंह, स०अ०नि०, तारकेश्वर प्रसाद केसरी, स०अ०नि०, सत्येन्द्र सिंह, स०अ०नि० बिपुल चन्द्र मण्डल, समेत पुलिस पदाधिकारी और सशस्त्र बल शामिल थे। ●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/8340360961

ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

चार हजार पुड़िया के साथ चार गिरफ्तार

● ओम प्रकाश

राजधानी राँची में ब्राउन शुगर के अवैध कारोबार के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। धुर्वा थाना क्षेत्र में स्मार्ट सिटी के पास स्थित CNG पेट्रोल पंप के नजदीक छापेमारी कर पुलिस ने कथित तौर पर नशे के कारोबार में शामिल चार युवकों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से ब्राउन शुगर की 4,000 पुड़िया बरामद की गई हैं, जिनका कुल वजन 338.96 ग्राम बताया गया है। पुलिस ने मौके से चार मोबाइल फोन, दो मोटरसाइकिल, एक स्कूटी और 9,100 रुपये नकद भी जब्त किए हैं। इस कार्रवाई के बाद राजधानी में नशे के कारोबार से जुड़े नेटवर्क को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। 11 अक्टूबर को राँची के वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन को गुप्त सूचना मिली थी कि धुर्वा थाना क्षेत्र के स्मार्ट सिटी के पास CNG पेट्रोल पंप के नजदीक सोनू तिवारी और संदीप उर्फ मामा कथित रूप से ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री कर रहे

हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए एसएसपी के निर्देश पर हटिया डीएसपी के नेतृत्व में छापेमारी दल का गठन किया गया। इसके बाद पुलिस टीम ने बताए गए स्थान पर पहुंचकर कार्रवाई की।

❖ **पुलिस ने पीछा कर चार को दबोचा :-** पुलिस की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, छापेमारी दल जब स्मार्ट सिटी के पास CNG पेट्रोल पंप के नजदीक पहुंचा, तो वहां संदिग्ध स्थिति में पांच से छह युवक खड़े थे। पुलिस को देखते ही सभी भागने लगे। इसके बाद पुलिसकर्मियों ने पीछा किया और चार युवकों को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से ब्राउन शुगर की 4,000 पुड़िया बरामद हुईं। बरामद ब्राउन शुगर का कुल

वजन 338.96 ग्राम बताया गया है। पुलिस ने मौके से चार मोबाइल फोन, दो मोटरसाइकिल, एक स्कूटी और 9,100 रुपये नकद भी जब्त किए। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि बरामद नशीले पदार्थ कहां से लाए गए थे और इन्हें किन-किन लोगों तक पहुंचाया जाना था। गिरफ्तार आरोपियों में तीन का पता सिवान, एक राँची का इस मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें तीन का वर्तमान पता राँची के जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र के एकता नगर में है, जबकि उनका स्थायी पता बिहार के सिवान जिले के भगवानपुर हाट थाना क्षेत्र के अरुवां गांव में बताया गया है। चौथा आरोपी

अंकित तिवारी का आपराधिक इतिहास भी दर्ज किया गया है। उसके खिलाफ पूर्व में तीन मामले दर्ज होने का उल्लेख है। तिलैया थाना कांड संख्या 124/21: धारा 328/379 भादवि। डोरंडा थाना कांड संख्या 122/21: धारा 406/420/379/284 भादवि। पुंदाग ओपी कांड संख्या 300/23: आर्म्स एक्ट की धारा 25(1-बी) ए/261

❖ **NDPS एक्ट के तहत दर्ज हुआ मामला :-** इस बरामदगी के संबंध में धुर्वा थाना कांड संख्या 271/2026, दिनांक 11 अक्टूबर 2026 दर्ज किया गया है। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट की धाराओं 21(b), 21(c), 22(b),

22(c) और 29 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। पुलिस अब बरामद ब्राउन शुगर के स्रोत, इसकी खरीद-बिक्री में शामिल अन्य लोगों और संभावित सप्लाय नेटवर्क का पता लगाने में जुटी है। जब्त मोबाइल फोन की जांच से भी मामले में अहम जानकारी मिलने की संभावना है। फिलहाल राँची पुलिस की जांच का मुख्य फोकस ब्राउन शुगर की सप्लाय चेन तक पहुंचना है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि 4,000 पुड़िया किसके लिए लाई गई थीं, इस कारोबार में और कौन-कौन शामिल है तथा गिरफ्तार आरोपियों के बीच

क्या भूमिका बंटी हुई थी। जांच आगे बढ़ने के साथ नशे के इस कथित कारोबार से जुड़े अन्य नाम सामने आने की संभावना है।

❖ **छापेमारी दल में शामिल पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिसकर्मी के नाम :-** पूरी कार्रवाई हटिया डीएसपी नीरज कुमार के नेतृत्व में की गई। छापेमारी दल में धुर्वा थाना प्रभारी सह पुलिस निरीक्षक अनिल कुमार तिवारी, पु०अ०नि० लव कुमार, पु०अ०नि० चन्द्रशेखर कुमार सिंह, पु०अ०नि० सिद्धांत कुमार, तथा तुपुदाना ओपी प्रभारी सिद्धांत कुमार शामिल थे। ●



धुर्वा थाना क्षेत्र की पटेल कॉलोनी, सिठियो रोड का निवासी बताया गया है।

❖ **गिरफ्तार आरोपियों की पहचान :-** अभिषेक तिवारी - पिता अरुण तिवारी, वर्तमान पता एकता नगर, जगन्नाथपुर, राँची; स्थायी पता अरुवां गांव, भगवानपुर हाट, सिवान, बिहार। अंकित तिवारी - पिता देवनाथ तिवारी, वर्तमान पता एकता नगर, जगन्नाथपुर, राँची, स्थायी पता अरुवां गांव, भगवानपुर हाट, सिवान, बिहार। रितिक राज उर्फ विभु - पिता संतोष कुमार, निवासी पटेल कॉलोनी, सिठियो रोड, धुर्वा, राँची। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी

प्रशासन की मुस्तैदी से शांतिपूर्ण संपन्न हुआ दुर्गा पूजा

● ओम प्रकाश

रा

जधानी राँची सहित पूरे जिले में दुर्गा पूजा का आयोजन भव्यता, श्रद्धा और आपसी सौहार्द के साथ शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया। जिला प्रशासन और पुलिस की व्यापक तैयारियों, सुरक्षा व्यवस्था तथा विभिन्न पूजा समितियों और आम नागरिकों के सहयोग से पूरे जिले में विधि-व्यवस्था सामान्य बना रहा। इस दौरान पूजा पंडालों के माध्यम से नशा मुक्ति का संदेश भी जन-जन तक पहुँचाया गया। जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री के नेतृत्व में जिला प्रशासन ने दुर्गा पूजा को लेकर व्यापक तैयारियों की थीं। वहीं, वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन के निर्देशन में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। पूजा की अवधि में प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी लगातार विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण करते रहे और सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी करते रहे।

🔧 **पूजा पंडालों में दिया गया नशा मुक्ति का संदेश :-** मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की प्रेरणा से सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की ओर से राँची जिले में नशा मुक्ति जन-जागरूकता अभियान चलाया गया। इसके तहत शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के पूजा पंडालों में नशे के दुष्परिणामों तथा नशामुक्त जीवन के लाभों से संबंधित संदेशों वाले फ्लैक्स लगाए गए। इस पहल का उद्देश्य लोगों को नशे की कुरीति से दूर रहने के लिए प्रेरित करना और स्वस्थ समाज के निर्माण में जनभागीदारी बढ़ाना था।

🔧 **विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सीसीटीवी से निगरानी व महिला पुलिस बल की तैनाती :-** दुर्गा पूजा के दौरान भीड़ नियंत्रण, सुरक्षा और विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए व्यापक इंतजाम किए गए थे। संवेदनशील एवं भीड़भाड़ वाले इलाकों में पुलिस बल और महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई थी। सादे लिबास में भी पुलिसकर्मी निगरानी कर रहे थे। सोशल मीडिया पर भी नजर रखी गई, जबकि शहर में लगे सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से लगातार निगरानी की व्यवस्था की गई थी। पंडालों और जुलूस मार्गों के आसपास सफाई, पेयजल की उपलब्धता तथा सड़कों की मरम्मत पर भी विशेष ध्यान दिया गया। प्रतिमा



विसर्जन के दौरान घाटों और तालाबों पर स्थानीय गोताखोरों तथा एनडीआरएफ की टीमों को तैनात किया गया था। इस दौरान पुलिस बल और यातायात पुलिस भी मुस्तैद रही। ट्रैफिक व्यवस्था संभालने में जुटी रही पुलिस दुर्गा पूजा के दौरान यातायात व्यवस्था सुचारु बनाए रखने के लिए पुलिस अधीक्षक राकेश सिंह के नेतृत्व में विशेष इंतजाम किए गए थे। भीड़भाड़ वाले इलाकों और

तंजीम, सेंट्रल मुहर्रम कमेटी और सर्वधर्म सद्भावना समिति सहित विभिन्न संगठनों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। आम नागरिकों के सहयोग से भी आपसी भाईचारे और सामाजिक सौहार्द का माहौल बना रहा। राँची नगर निगम ने सफाई और कचरा प्रबंधन की जिम्मेदारी संभाली, जबकि बिजली विभाग ने निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक व्यवस्था की। पथ निर्माण विभाग ने सड़कों की मरम्मत और आवागमन को सुचारु बनाए रखने में सहयोग दिया। जनप्रतिनिधियों, वार्ड पार्षदों और मीडिया ने भी पूजा से संबंधित सूचनाओं के प्रसार में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

🔧 उपायुक्त ने जताया

आभार :- उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने दुर्गा पूजा के सफल आयोजन पर सभी प्रशासनिक एवं पुलिस पदाधिकारियों, दंडाधिकारियों, शांति समितियों, पूजा समितियों, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों के प्रति आभार

व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सभी के सामूहिक सहयोग और समर्पण से राँची जिले में दुर्गा पूजा शांतिपूर्ण एवं भव्यता के साथ संपन्न हुई है। उन्होंने शांति समितियों में महिलाओं की बेहतर भागीदारी को भी सराहनीय बताया। जिला प्रशासन के अनुसार, सभी विभागों, सामाजिक संगठनों और आम जनता के समन्वित प्रयासों से दुर्गा पूजा का आयोजन सफल रहा। प्रशासन ने इस आयोजन को धार्मिक उत्सव के साथ-साथ सामाजिक एकता, भाईचारे और आपसी सद्भाव का प्रतीक बताया। ●



जुलूस मार्गों पर यातायात पुलिस तैनात रही। अधिकारियों ने विभिन्न स्थानों पर व्यवस्था का निरीक्षण कर पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए, ताकि श्रद्धालुओं को आवागमन में परेशानी न हो।

🔧 **पूजा समितियों और सामाजिक संगठनों की भूमिका अहम :-** दुर्गा पूजा के शांतिपूर्ण आयोजन में शांति समितियों, दुर्गा पूजा समितियों, शांति सेवा समिति हिंदपीढ़ी, युवा दस्ता, झारखंड

सितंबर में ही लिखी जा चुकी थी डकैती की स्क्रिप्ट

● ओम प्रकाश

कां

के थाना क्षेत्रान्तर्गत रिंग रोड के पास आर्दश नगर कॉलोनी, गांगी में हथियार के बल पर हुई डकैती के मामले में रांची पुलिस ने छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से लूटे गए 4.24 लाख रुपये नकद, आठ एंड्रॉयड मोबाइल फोन और वारदात में इस्तेमाल दो वाहनों को बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपियों में बिहार, झारखंड और रांची के अलग-अलग इलाकों के निवासी शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, 13 अक्टूबर की सुबह करीब सात बजे अपराधियों ने रिंग रोड के पास आदर्श नगर कॉलोनी में रामशंकर प्रसाद सिंह के मकान में डकैती की थी। रामशंकर प्रसाद सिंह के घर का मुख्य दरवाजा जैसे ही खुला, अचानक कई हथियारबंद बदमाश अंदर घुस आए। इससे पहले कि घर का कोई सदस्य कुछ समझ पाता, बदमाशों ने तमंचे और धारदार हथियार तान दिए। पूरे परिवार को एक कमरे में बंधक बना लिया गया। चीखने पर जान से मारने की सीध ी धमकी दी गई। इसके बाद अलमारियों के ताले तोड़े गए, तिजोरियां खंगाली गईं और घर में रखे भारी मात्रा में नकदी और सोने-चांदी के कीमती जेवरात समेटकर बदमाश फरार हो गए। दिनदहाड़े हुए इस दुस्साहसिक कांड से पूरे इलाके में दहशत का माहौल बन गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया था।

अगस्त से कर रहे थे मकान की रेकी :- रांची के रूरल एसपी गौरव गोस्वामी ने मीडिया को बताया कि गिरफ्तार आरोपियों और उनके सहयोगियों ने अगस्त 2026 से ही मकान की लगातार रेकी शुरू कर दी थी। कौन कब घर से निकलता है, कब लौटता है, घर में कितने लोग रहते हैं और सुरक्षा के क्या इंतजाम हैं, इसकी एक-एक जानकारी जुटाई जा रही थी। इस पूरी साजिश में न केवल पेशेवर अपराधी शामिल थे, बल्कि रांची में रहकर सामान्य जिंदगी जी रहे चेहरे भी मददगार बने हुए थे। सुखदेवनगर की रहने वाली कमो देवी समेत अन्य स्थानीय सहयोगियों ने गिरोह के लिए छिपने का ठिकाना और जरूरी साजो-सामान का बंदोबस्त किया था। हथियारों से लेकर गाड़ियों तक का पूरा इंतजाम कर वारदात को अंजाम देने के लिए सटीक दिन चुना गया और वारदात को



अंजाम दिया गया।

पुलिस की नाकेबंदी देख लावारिस छोड़ी इनोवा :- डकैती को अंजाम देकर बदमाश एक ग्रे रंग की इनोवा कार (JHI4C-4405) में सवार होकर रिंग रोड के रास्ते भागे। सूचना मिलते ही रांची पुलिस हरकत में आ गई और पूरे शहर की सीमा पर सख्त नाकेबंदी कर दी गई। इसी बीच पिठौरिया थाना



क्षेत्र के कोकदोरो चौक के पास इनोवा कार ने उन्हें धोखा दे दिया यानी कि गाड़ी में खराबी आ गयी। अपराधियों को इनोवा को लावारिस छोड़कर अलग-अलग रास्तों से पैदल और दूसरे साधनों से भागना पड़ा। लेकिन वे यह भूल गए कि आधुनिक पुलिसिंग की नजर से बचना इतना आसान नहीं होता।

तीन थाना क्षेत्रों में एक साथ आधी रात में छापेमारी, महिला समेत छह दबोचे गए :-

एसआईटी टीम ने बरियातू, दलादली और सुखदेवनगर में एक साथ कई ठिकानों पर आधी रात को ताबड़तोड़ दबिश दी। इस कार्रवाई में अंतरराज्यीय गिरोह के छह प्रमुख सदस्य दबोचे लिए गए। पकड़े गए आरोपियों में बिहार के भोजपुर निवासी बीर बहादुर सिंह और सुधीर कुमार, सुखदेवनगर में रह रही कमो देवी, चतरा का चंद्रशेखर पांडेय, बक्सर का सुमित कुमार सिंह और औरंगाबाद का रजनीश सिंह शामिल हैं। बीट बहादुर और रजनीश का लंबा आपराधिक इतिहास रहा है और वे पहले भी लूट और डकैती के मामलों में जेल जा चुके हैं। इनके पास से लूटी गई रकम में से 4 लाख 24 हजार रुपये नकद, 8 मोबाइल फोन, वारदात में प्रयुक्त इनोवा और एक काले रंग की स्कोर्पियो (JHOIEX-1156) बरामद कर ली गई है। पुलिस की जांच में कुल 14 अपराधियों के नाम सामने आए हैं, बाकी 8 फरार आरोपियों की गिरफ्तारी और शेष जेवरात की बरामदगी के लिए झारखंड और बिहार के कई जिलों में लगातार छापेमारी जारी है।

बाता दे की रांची एसएसपी राकेश रंजन के निर्देश और रूरल एसपी गौरव गोस्वामी की देखरेख में, सीनियर डीएसपी अमर कुमार पांडेय की अगुआई में गठित विशेष टीम ने घटनास्थल से लेकर भागने के रास्तों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले और मोबाइल टावर डंप डेटा का विश्लेषण शुरू किया। इसी तकनीकी सुराग ने पुलिस को गिरोह की एक-एक कड़ी तक पहुंचा दिया। ●

राँची की सड़कों पर उतरे यमराज बोले-सरती नहीं जिंदगी

● ओम प्रकाश

श

हर से दूर ग्रामीण सड़कों पर तेज रफ्तार और बिना हेलमेट गाड़ी दौड़ाने वालों को सुधारने के लिए परिवहन विभाग ने अनोखा तरीका अपनाया है। दलादली चौक, तिलता चौक और ओरमांडी जैसे इलाकों में विभाग की टीम ने डंडा चलाने या सीधे चालान काटने के बजाय गांधीगिरी दिखाई। यहां बिना हेलमेट चल रहे करीब सात सौ बाइक सवारों को रोका गया, फिर उन्हें माला पहनाई गई, मुंह मीठा कराया गया और हाथ में नया हेलमेट थमाकर समझाया गया कि सिर सलामत रहेगा तभी घर लौट पाएंगे।

परिवार का मुखिया गया तो बिखर जाती है जिंदगी :- सड़क पर खुद मौजूद परिवहन सचिव राजीव रंजन ने लोगों से सीधा संवाद किया।

उन्होंने कहा कि सड़क हादसे केवल एक व्यक्ति की जान नहीं लेते, बल्कि पूरे परिवार को सड़क पर ला खड़ा करते हैं। अगर घर चलाने वाले की जान चली जाए तो बच्चों की पढ़ाई और

रोजी-रोटी पर संकट आ जाता है। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के संदेश का हवाला देते हुए कहा कि सरकार का मकसद जुर्माना वसूलना नहीं, बल्कि लोगों के भीतर नागरिक समझ जगाना है।



हेलमेट पुलिस के डर से नहीं, बल्कि अपने परिवार के लिए पहनना जरूरी है।

यमराज ने सड़कों पर दिखाया लापरवाही का अंजाम :- जागरूकता को असरदार बनाने के लिए कलाकारों ने नुक्कड़ नाटक पेश किए। नाटक में यमराज का रूप धरकर आए कलाकार ने लापरवाह चालकों को रोककर मंचन के जरिए दिखाया कि एक छोटी सी भूल कैसे मौत के मुंह में धकेल देती है। इस

भावनात्मक और रोचक प्रस्तुति ने वहां मौजूद ग्रामीणों और राहगीरों को सोचने पर मजबूर कर दिया। इसके बाद सभी चालकों को सुरक्षित सफर की शपथ भी दिलाई गई और पम्फलेट बांटे गए।

सड़क पर दुकान और बेतरतीब पार्किंग से भी बढ़ रहे हादसे :- अभियान के दौरान सड़कों पर लगाने वाले जाम और अतिक्रमण पर भी ध्यान दिया गया। टीम ने सड़क किनारे दुकान लगाने वालों से बात की और उनसे फुटपाथ खाली रखने की अपील की। दुकानदारों को समझाया गया कि सड़क पर सामान फैलाने और गाड़ियों को बेतरतीब खड़ा करने से राहगीरों के लिए रास्ता संकरा हो जाता है, जिससे बड़े हादसे होते हैं। इस मौके पर जिला परिवहन पदाधिकारी अखिलेश कुमार, मोटर वाहन निरीक्षक राहुल सिद्धार्थ सहित विभाग के कई अधिकारी और ट्रैफिक पुलिस के जवान मौजूद रहे। विभाग ने साफ किया है कि ग्रामीण इलाकों में इस तरह के अभियान आगे भी लगातार चलाए जाएंगे ताकि लोग नियमों को अपनी आदत में शामिल कर सकें। ●





मेष राशि :- मेष राशि वाले जातकों के लिए यह माह संतान सुख वाला रहेगा, व्यापार ठीक-ठीक रहेगा, कृषि क्षेत्र में मध्यम लाभ मिलेगा, नौकरी में साथियों से सहयोग प्राप्त होगा, माता के स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव रहेगा, किसी संस्था से कार्य की जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है, आपको पुराने विचारों को लेकर परिवार चलाना कठिन होगा।



वृषभ राशि :- वृषभ राशि वाले जातकों के लिए यह माह पहले से अच्छा रहेगा, व्यापार धीरे-धीरे बढ़ेगा, परंतु नौकरी में तकलीफ आएगी, कृषि क्षेत्र में सफलता मिलेगी, स्वयं को स्वास्थ्य संबंधी चिंता रहेगी, मामा पक्ष से सहयोग प्राप्त होगा, परंतु ससुराल पक्ष से मानसिक तनाव रहेगा, किसी धार्मिक संस्था से सम्मान प्राप्त होने के योग हैं, साथ ही धार्मिक यात्रा होगी।



मिथुन राशि :- मिथुन राशि वाले जातकों के लिए यह माह भौतिक सुख-सुविधा वाला रहेगा, व्यापार में वृद्धि होगी, कृषि क्षेत्र में मध्यम सफलता मिलेगी, नौकरी में अधिकारी वर्ग से सहयोग प्राप्त होगा, पत्नी को बाहर से नौकरी का अवसर मिलेगा, किसी दोस्त से साझा व्यापार करने का हो सकता अभी आपके लिए लाभप्रद नहीं रहेगा।



कर्क राशि :- कर्क राशि वाले जातकों के लिए यह माह परेशानी वाला रहेगा, व्यापार में सफलता मिलने में तकलीफ आएगी, कृषि क्षेत्र में सामान्य लाभ मिलेगा, नौकरी में प्रभाव कम होगा। पिता के स्वास्थ्य में सुधार होगा, किसी भी समय अनुकूल वातावरण महसूस नहीं होगा, किसी रिश्तेदार से सहयोग प्राप्त होगा, पुराने मित्र से मिलना फायदेमंद होगा।



सिंह राशि :- सिंह राशि वाले जातकों के लिए यह माह राजनीतिक क्षेत्र में सफलता हासिल करने वाला रहेगा, पार्टी से पद-प्रतिष्ठा प्राप्त हो सकती है, माता के स्वास्थ्य में भी सुधार होगा, ससुराल पक्ष से आर्थिक सहायता प्राप्त होगी, किसी रिश्तेदार से कुछ उलझनें आएंगी, पत्नी की उन्नति में रुकावट आ सकती है, भाई द्वारा हल हो जाएगी।



कन्या राशि :- कन्या राशि वाले जातकों के लिए यह माह जीवनसाथी की उन्नति वाला रहेगा, व्यापार ठीक-ठीक रहेगा, कृषि क्षेत्र में मध्यम लाभ मिलेगा, नौकरी में साथियों से सहयोग प्राप्त होगा, माता की तीर्थयात्रा होने के योग हैं, संतान से परेशानी आएगी, आसपास के माहौल में अजीब-सा महसूस होगा, किसी अनजान से धोखा हो सकता है, दोस्त से रास्ते खुलेंगे।



तुला राशि :- तुला राशि वाले जातकों के लिए यह माह मिश्रित फल वाला रहेगा, व्यापार ठीक-ठीक रहेगा, कृषि क्षेत्र में मध्यम लाभ मिलेगा, नौकरी में अच्छा रहेगा, संतान के मांगलिक कार्य होने के योग बनेंगे, परिवार में मनमुटाव की स्थिति निर्मित हो सकती है, विशेषकर भाई से ध्यान देना होगा, स्वयं के स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव रहेगा, किसी राजनीतिक पार्टी से जुड़े हुए लोगों से प्रस्ताव मिलेगा।

वृश्चिक राशि :- वृश्चिक राशि वाले जातकों के लिए यह माह भूमि

आपका राशिफल

पंडित तरुण झा

ज्योतिषचार्य

(ज्योतिष, वास्तु एवं रत्न विशेषज्ञ)

संस्थापक एवं अध्यक्ष

ब्रज किशोर ज्योतिष संस्थान एवं

फाउंडेशन

ज्योतिषीजी पथ, डॉ. रहमान चौक,

हनुमान मंदिर से सटे पश्चिम वाली

गली मे, सहरसा-852201, (बिहार)

मो० :- 9470480168



संबंधी लाभ वाला रहेगा, किसी के सहयोग से कृषि क्षेत्र में बढ़ोतरी होगी, व्यापार मध्यम लाभ वाला रहेगा, नौकरी में साथियों का साथ मिलेगा, पिता से आर्थिक सहायता प्राप्त होगी, पत्नी से मानसिक तनाव की स्थिति बन सकती है, ससुराल पक्ष से सहयोग प्राप्त होगा, माता के स्वास्थ्य में सुधार होगा।



धनु राशि :- धनु राशि वाले जातकों के लिए यह माह पद-प्रतिष्ठा वाला रहेगा, व्यापार में उतार-चढ़ाव रहेगा, कृषि क्षेत्र में सफलता हासिल होगी, नौकरी में साथियों से परेशानी आएगी, किसी रिश्तेदार से व्यापार में साझेदारी का योग आएगा, ससुराल पक्ष से सहयोग प्राप्त होगा, किसी संस्था से सम्मान प्राप्त होगा, घर पर अशांति का वातावरण हो सकता है, ध्यान दें।



मकर राशि :- मकर राशि वाले जातकों के लिए यह माह पारिवारिक कष्ट वाला रहेगा, व्यापार ठीक-ठीक रहेगा, कृषि क्षेत्र में सामान्य लाभ मिलेगा, नौकरी में साथियों से सहयोग प्राप्त होगा, स्वयं को स्वास्थ्य संबंधी चिंता रहेगी, मामा पक्ष से सहयोग तो रहेगा, परंतु मानसिक तनाव भी होगा, जीवनसाथी की उन्नति के रास्ते खुलेंगे, भाई के घर आर्थिक तंगी रहेगी।



कुंभ राशि :- कुंभ राशि वाले जातकों के लिए यह माह सामाजिक प्रतिष्ठा वाला रहेगा, समाज में जिम्मेदारी बढ़ेगी, व्यापार में शनैः-शनैः लाभ मिलेगा, नौकरी में अधिकारी वर्ग प्रसन्न रहेगा, कृषि क्षेत्र में मध्यम लाभ मिलेगा। किसी पुराने मित्र से मिलन कुछ नए रास्ते खुलने वाला होगा, संतान को रोजगार मिलेगा लेकिन किसी रिश्तेदार से तकलीफ आएगी।



मीन राशि :- मीन राशि वाले जातकों के लिए यह माह धार्मिक यात्रा वाला रहेगा, किसी बड़ी राजनीतिक पार्टी या सरकार से सम्मान प्राप्त होने के योग हैं, व्यापार में उतार-चढ़ाव रहेगा, कृषि क्षेत्र में परेशानी आएगी, नौकरी में उन्नति होगी, माता के स्वास्थ्य में सुधार होगा, परंतु पिता को लेकर चिंता रहेगी, ससुराल पक्ष से आर्थिक सहायता प्राप्त होगी।

★ कानूनी जिरह (Cross-Examination) में गवाह की सच्चाई परखने के प्रभावी तरीके क्या हैं?

- ☞ घटना की तारीख स्पष्ट करवाना।
- ☞ घटना का सही समय पूछना।
- ☞ घटनास्थल का विवरण पूछना।
- ☞ गवाह की घटना से दूरी पूछना।
- ☞ प्रकाश की स्थिति पूछना।
- ☞ गवाह ने वास्तव में क्या देखा, अलग-अलग पूछना।
- ☞ घटना कितनी देर चली, पूछना।
- ☞ घटना के समय गवाह कहाँ खड़ा था, पूछना।
- ☞ आसपास कौन-कौन मौजूद था, पूछना।
- ☞ आरोपी की पहचान कैसे हुई, पूछना।
- ☞ पहचान कितनी दूरी से हुई, पूछना।
- ☞ पहली बार पुलिस को क्या बताया था, पूछना।
- ☞ FIR में कही बात से मिलान करना।
- ☞ पुलिस बयान से विरोधाभास निकालना।
- ☞ अदालत में दिए बयान से तुलना करना।
- ☞ पुराने बयान और वर्तमान बयान का अंतर पूछना।
- ☞ गवाह ने घटना के तुरंत बाद किसे बताया, पूछना।
- ☞ शिकायत करने में देरी क्यों हुई, पूछना।
- ☞ देरी का कोई दस्तावेजी कारण है या नहीं, पूछना।
- ☞ गवाह का आरोपी से संबंध पूछना।
- ☞ गवाह का शिकायतकर्ता से संबंध पूछना।
- ☞ किसी व्यक्तिगत दुश्मनी की संभावना पूछना।
- ☞ किसी लाभ या नुकसान की संभावना पूछना।
- ☞ क्या गवाह को किसी ने घटना बताई थी, पूछना।
- ☞ प्रत्यक्ष ज्ञान और सुनी-सुनाई बात अलग करवाना।
- ❖ महत्वपूर्ण बात :- जिरह का उद्देश्य गवाह को डराकर 'सच उगलवाना' नहीं, बल्कि उसके बयान की विश्वसनीयता, निरंतरता और स्वतंत्र पुष्टि को अदालत के सामने परखना है। सही जिरह, सच्चाई की कुंजी है।
- ☞ घटना के दौरान गवाह ने कौन-से शब्द सुने, पूछना।
- ☞ किस व्यक्ति ने कौन-सा काम किया, अलग-अलग पूछना।

शिवानंद गिरि

(अधिवक्ता)

Ph.- 9308454485

7004408851

E-mail :-shivanandgiri5@gmail.com



- ☞ हथियार/वस्तु का विवरण पूछना।
- ☞ वाहन का विवरण पूछना।
- ☞ घटनास्थल के नक्शे से गवाही मिलाना।
- ☞ CCTV उपलब्ध था या नहीं, पूछना।
- ☞ फोटो/वीडियो के बारे में पूछना।
- ☞ मोबाइल कॉल या संदेश के बारे में पूछना।
- ☞ मेडिकल रिपोर्ट से बयान मिलाना।
- ☞ चोट का स्थान और कथित घटना का मिलान करना।
- ☞ बरामदगी के दस्तावेजों से तुलना करना।
- ☞ पंचनामा /जब्ती मेमो से तुलना करना।
- ☞ गवाह से पूछना कि उसने दस्तावेज कब और कहाँ देखा।
- ☞ हस्ताक्षर कब किए, पूछना।
- ☞ दस्तावेज किसके सामने तैयार हुआ, पूछना।
- ☞ पुलिस के साथ घटनास्थल पर कब गया, पूछना।
- ☞ पुलिस को कौन-सी जानकारी स्वयं दी, पूछना।
- ☞ क्या बयान पढ़कर सुनाया गया था, पूछना।
- ☞ गवाह की स्मृति की सीमाएँ सामने लाना।
- ☞ छोटी-छोटी परिस्थितियों की पुष्टि करवाना।
- ☞ दो अलग-अलग कथनों को आमने-सामने रखना।
- ☞ असंगत या असंगत समय-क्रम पर सवाल करना।
- ☞ अन्य स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी पूछना।
- ☞ गवाह के कथन को उपलब्ध दस्तावेजों से मिलाना।
- ☞ अंत में स्पष्ट और सीमित "suggestion" देकर गवाह से असहमति दर्ज करवाना।

केवल सच के सभी पाठकों ,
विज्ञापनदाताओं , जनप्रतिनिधियों , न्यायाधीशों व
अधिवक्ताओं, पुलिस एवं प्रशासनिक कर्मियों और
पदाधिकारियों सहित समस्त देशवासियों को

दीपावली एवं छठ पूजा की हार्दिक शुभकामनायें!

"दीपावली का महत्व मन से अंधकार और अज्ञान
को दूर करके उसे सदगुणों से भरना है।"

छठ पूजा :-

आस्था का प्रतीक:

"डूबता सूरज भी पूजा जाता है — यही छठ सिखाती है।"

शांति और विश्वास:

"घाट पर जो सुकून मिलता है, वो कहीं और नहीं मिलता।
ये आस्था का त्योहार है, यहाँ मन की बात सच होती है।"

सूर्य देव की कृपा:

"सूर्य देव की कृपा हो, छठी मैया का आशीर्वाद हो —
बस इतना काफी है जिंदगी के लिए।"

भक्ति भाव:

"छठ से बड़ा कोई पर्व नहीं, माँ की दुआ से बड़ी कोई दवा नहीं।"

पवित्रता:

"छठ का दीया, छठ की ज्योति, हर अंधेरे को मिटा देती है।"

केवल सच
दिने चौक चौक

KEWAL SACH
TIMES
A National Magazine



K
Kewalsach news

Kewalsachlive.in
News Portal & House of India

Quality Medicines...
for a Healthier Tomorrow

Trusted • Reliable • Since 1990

WESTERLIN DRUGS PVT. LTD.

(Serving Nation Since 1990)



Our Product Range

- ✓ WESTOCITRON
- ✓ WESTOCLAV
- ✓ WESTOFERON
- ✓ WESTOPLEX
- ✓ QNEMIC

*Safe
Effective
Affordable*

Quality
Medicines for
Better Life

Our Other Products

- ✓ AOJ
- ✓ AZIWEST
- ✓ DAULER
- ✓ MUCULENT
- ✓ AOJ-D
- ✓ BESTARYL-M
- ✓ GAS-40
- ✓ MUCULENT-D



Powder & Liquid Manufacturing



Clean & Hygienic Environment



Our Dedicated Team



Syrup Manufacturing



API & Liquid Section



Quality Control Laboratory

Speciality Products

- ✓ SEVIPROT
- ✓ WESTOMOL
- ✓ WESTO ENZYME
- ✓ ZEBRIL



WESTERLIN DRUGS PVT. LTD.

Industrial area, Fatuha-803201

Dist. Patna, Bihar

E-mail: westerlindrugsprivatelimited@gmail.com

Phone No.: 0162-3500233/2950008



Own Manufacturing Unit



GMP Compliant



Third Party Manufacturing



Partner in Health